नई दिल्ली। सोमवार, 14 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष चतुर्थी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 249/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल भारतीय टीम ने जीता जूनियर विमेंस एशिया कप...
@ विचार हिंदी दिवस की आवश्यकता: एक पुनर्मंथन ...
@ व्यापार नई पीउनजी योजना से घरेलू कनेक्शन होगें ...

विश्व केसरी खबर झरोखा

सऊदी अरब पर नए हमले, खाड़ी में जहाज भी निशाने पर

रविवार को सऊदी अरब पर नए हमलों और खाड़ी में जहाजों को निशाना बनाए जाने से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ गया। सऊदी तेल पाइपलाइन पर हमला और यमन के हूती विद्रोहियों की बढ़ती गतिविधियों ने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में जारी व्यवधान और गहराने की आशंका पैदा कर दी है।

दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब की आपूर्ति पर खतरे के चलते तेल कारोबारियों को उम्मीद है कि सोमवार को बाजार खुलने पर कच्चे तेल की कीमतों में एक बार फिर तेजी आ सकती है।

'ग्रेटर ब्रिक्स' को मजबूत करने पर शी जिनपिंग का जोर

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को 'ग्रेटर ब्रिक्स' देशों के बीच सहयोग बढ़ाने के लिए एआई से लेकर व्यापार तक कई नई पहल की घोषणा की। चीन का लक्ष्य ब्रिक्स को वैश्विक दक्षिण के विकास के लिए एक व्यावहारिक मंच के रूप में मजबूत करना है। ब्रिक्स में राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और वित्त के क्षेत्र में सहयोग प्रमुख हैं। 2026 में भारत और 2027 में चीन समूह की अध्यक्षता करेगा। दोनों देश ब्रिक्स की वैश्विक भूमिका और प्रभाव बढ़ाने के लिए व्यापक साझेदारी पर जोर दे रहे हैं।

आईएनएस सुदर्शिनी ने इटली के लिवोर्नो से फिर शुरू की समुद्री यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना आईएनएस सुदर्शिनी इटली से आगे बढ़ गया है। इटली के लिवोर्नो से सुदर्शिनी अपनी अगली समुद्री यात्रा के लिए सफर शुरू किया है। इससे पहले यह विशेष भारतीय पोत ने लिवोर्नो में बंदरगाह प्रवास पर था। यह नौसेना का एक पारंपरिक पोत है जो 'लोकायन 2026' के तहत विभिन्न देशों की यात्रा पर है। दरअसल आईएनएस सुदर्शिनी भारतीय नौसेना का एक प्रतिष्ठित पाल वाला पारंपरिक पोत है। इसका उपयोग प्रशिक्षण, समुद्री जागरूकता और अंतरराष्ट्रीय सद्भावना यात्राओं के लिए किया जा रहा है। वर्तमान में यह लोकायन 2026 वैश्विक समुद्री अभियान पर है। इस अभियान के तहत विभिन्न देशों के बंदरगाहों का दौरा कर भारत की समुद्री विरासत, संस्कृति और नौसैनिक परंपराओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। इटली के लिवोर्नो में अपने प्रवास के दौरान सुदर्शिनी पर कई पेशेवर गतिविधियां हुईं।

इटली की नौसेना के प्रमुख, एडमिरल ज्यूसेपे बेरुत्ती बर्गोत्तो ने पोत का दौरा किया। उन्होंने चालक दल और प्रशिक्षु नौसैनिकों से बातचीत की। उन्हें पोत की यात्रा और प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी दी गई।

'ब्रिक्स बने समाधान का मंच, दुनिया को मिले ठोस परिणाम : पीएम मोदी'

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र में वैश्विक नेताओं को चेतावनी देते हुए कहा कि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों (क्रिटिकल मिनरल्स) का हथियार के रूप में इस्तेमाल वैश्विक विकास, साझा समृद्धि और समावेशी आर्थिक प्रगति के मार्ग में बड़ी बाधा बन सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया को सहयोग, नवाचार और साझेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ना होगा, न कि रणनीतिक संसाधनों और तकनीक को दबाव के साधन के रूप में उपयोग करना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज ब्रिक्स विभिन्न महाद्वीपों, संस्कृतियों और विकास यात्राओं को एक मंच पर जोड़ रहा है। यह संगठन की बढ़ती शक्ति, स्वीकार्यता और सदस्य देशों के आपसी विश्वास का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता का विषय 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता' रहा और सभी सदस्य देशों के सहयोग से इसे व्यवहारिक परिणामों में बदलने का प्रयास किया गया।

वैश्विक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मौजूदा समय में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। महामारी, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न आपदाएं और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों ने यह साबित कर दिया है कि आज की परस्पर जुड़ी दुनिया में कोई भी संकट किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। इसी कारण भारत ने अपनी अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स देशों की सामूहिक लचीलापन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स लॉजिस्टिक्स सप्लाई चेन कोऑपरेशन फ्रेमवर्क वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विश्वसनीय और मजबूत बनाने में मदद करेगा। इसके साथ ही नवाचार को बढ़ावा देने के लिए ब्रिक्स इन्क्यूबेटर नेटवर्क सदस्य देशों के स्टार्टअप और इन्क्यूबेटरों को एक-दूसरे से जोड़ेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने नवाचार-आधारित और बड़े स्तर पर लागू किए जा सकने वाले समाधानों को प्रोत्साहित करने के लिए ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड का भी प्रस्ताव रखा है।

कृषि क्षेत्र का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिक्स डिजिटल एग्रीकल्चर नेटवर्क किसानों के लिए नई संभावनाएं पैदा करेगा। इस पहल के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को किसानों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप उपयोग में लाया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार बनाने की प्रवृत्ति साझा विकास के रास्ते में बाधाएं पैदा कर सकती है। इसलिए हमने प्रौद्योगिकी के उपयोग में समावेशिता को विशेष महत्व दिया है।' उनका संकेत उन वैश्विक परिस्थितियों की ओर माना जा रहा है जहां तकनीक, डेटा और रणनीतिक संसाधनों को भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के साधन के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए समय रहते जोखिमों की पहचान करना और तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार रहना आवश्यक है। इसी दिशा में भारत ने संक्रामक रोगों के लिए ब्रिक्स एकीकृत प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (इंटीग्रेटेड अर्ली वार्निंग सिस्टम) और आपदा प्रबंधन के लिए अर्ली वार्निंग डेटा इंटीग्रेशन गाइडलाइंस की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने बताया कि ब्रिक्स देशों के बीच संक्रामक रोगों की रोकथाम और त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एक साझा प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली पर सहमति बनी है। उनका मानना है कि इससे भविष्य की महामारियों और स्वास्थ्य आपात स्थितियों का मुकाबला करने की क्षमता मजबूत होगी।

2029 से पहले एनडीए शासित 21 राज्यों में लागू होगा यूसीसी: अमित शाह

एजेंसी ■ मुंबई

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को घोषणा की कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा शासित सभी 21 राज्यों में वर्ष 2029 से पहले समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि इसे चरणबद्ध तरीके से लागू करने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

मुंबई में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह ने कहा कि कई राज्यों में यूसीसी पहले ही लागू किया जा चुका है और अब भाजपा-एनडीए शासित सभी राज्यों में इसे लागू करने की दिशा में काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि 2029 से पहले यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर मोदी सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर जैसे कदमों ने सीमा पार से होने वाले आतंकवाद के खिलाफ भारत की जीरो टॉलरेंस नीति को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि देश की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अमित शाह ने कहा कि 2014 से पहले देश की राजनीति भ्रष्टाचार, जातिवाद और परिवारवाद जैसी समस्याओं से प्रभावित थी, लेकिन अब देश प्रदर्शन आधारित राजनीति की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने दावा किया कि भारत की विदेश नीति और रक्षा नीति आज पहले से अधिक मजबूत हुई है और सरकार की हर रणनीति का आधार 'इंडिया फर्स्ट' है।

अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर गृह मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार देश में रह रहे सभी अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें वापस भेजने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है, हालांकि इस प्रक्रिया के तौर-तरीकों का सार्वजनिक खुलासा नहीं किया जाएगा। उन्होंने दोहराया कि प्रत्येक अवैध घुसपैठिये की पहचान कर उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। भाषाई विवादों से जुड़े सवाल पर अमित शाह ने कहा कि हर व्यक्ति को अपनी मातृभाषा को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं से जुड़े मुद्दों का समाधान संबंधित राज्यों का नेतृत्व करेगा। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल इस विषय पर समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं।

प्रवासी छत्तीसगढ़ियों के लिए बने पृथक विभाग और शोध की व्यवस्था

संवाददाता ■ रायपुर

देश और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे छत्तीसगढ़िया समाज से व्यवस्थित रूप से जुड़ने के लिए छत्तीसगढ़ में प्रवासी छत्तीसगढ़ियों के संबंध में एक पृथक विभाग अथवा संस्था का गठन किया जाना चाहिए। साथ ही विश्वविद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में प्रवासी अध्ययन को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह विचार रायपुर के समता कॉलोनी स्थित विप्र भवन में आयोजित 'प्रवासी संवाद' में प्रमुखता से सामने आया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रवासी छत्तीसगढ़िया बंधुत्व मंच के अध्यक्ष अशोक तिवारी ने कहा कि पिछले लगभग दस वर्षों से वे प्रवासी अध्ययन के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। इस दौरान देश के विभिन्न राज्यों तथा विदेशों में रहने वाले छत्तीसगढ़ियों के जीवन और सामाजिक स्थिति से संबंधित जानकारी एकत्र करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रवासी छत्तीसगढ़ियों की संख्या, उनकी उपलब्धियों, आवश्यकताओं और छत्तीसगढ़ से उनके संबंधों का व्यवस्थित दस्तावेज तैयार किया जाना समय की आवश्यकता है।

उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि अन्य राज्यों की तरह छत्तीसगढ़ में भी प्रवासी छत्तीसगढ़ियों के लिए एक सक्षम विभाग या संस्था बनाई जाए, जो देश-विदेश में रहने वाले छत्तीसगढ़ियों से संपर्क, जानकारी संकलन और आवश्यक सहयोग का कार्य कर सके।

कार्यक्रम के संचालनकर्ता, वैभव प्रकाशन के प्रमुख एवं हिंदी तथा भाषाविज्ञान के प्रख्यात प्रोफेसर सुधीर शर्मा ने कहा कि 'प्रवासी अध्ययन' ज्ञान की एक महत्वपूर्ण नई विधा के रूप में विकसित हो रही है। छत्तीसगढ़िया प्रवासी देश-दुनिया में व्यापक रूप से फैले हुए हैं। उनके जीवन, भाषा, संस्कृति, संघर्ष और उपलब्धियों पर शोध से अकादमिक जगत के ज्ञान का विस्तार होगा। उन्होंने विश्वविद्यालयों में इस विषय पर अध्ययन-अध्यापन और शोध की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में प्रवासी छत्तीसगढ़ियों की सांस्कृतिक भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई। बताया गया कि छत्तीसगढ़ से विदेश जाने का सिलसिला करीब छह-सात दशक पहले शुरू हुआ। प्रारंभ में उच्च शिक्षा के लिए लोग इंग्लैंड और अन्य देशों में गए, बाद में नौकरी और रोजगार के अवसरों के कारण अमेरिका सहित पश्चिमी देशों में छत्तीसगढ़ियों का प्रवास बढ़ा। वर्तमान में करीब दस हजार छत्तीसगढ़िया देश के बाहर विभिन्न देशों में रह रहे हैं और अमेरिका में उनकी उल्लेखनीय संख्या है।

अमेरिका के अनेक बड़े शहरों में छत्तीसगढ़िया समाज के लोग बड़ी कंपनियों में कार्य कर रहे हैं। वे आर्थिक और व्यावसायिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने के साथ अपनी भाषा और संस्कृति को भी संजोए हुए हैं।

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में गणेश उत्सव एवं तीजा पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। श्रद्धालुजन एवं गणेश समितियां गाजे-बाजे के साथ गणेश प्रतिमाओं की स्थापना कर रही हैं। वहीं महिलाएं पति की दीर्घायु के लिए उपवास रखकर तीज पर्व को मना रही हैं।

भारत की बेटियों का एशिया पर राज

श्रीलंका को 72 रन से हराकर जीता खिताब

एजेंसी ■ दुबई

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल मुकाबले में भारत ने श्रीलंका को 72 रनों से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया है। टीम इंडिया ने इतिहास के सुनहरे अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराया है। 8वीं बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपना 8वां खिताब जीतने के इरादे से उतरी भारतीय टीम की शुरुआत दमदार रही। शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना ने पहले विकेट के लिए 129 रनों की साझेदारी की। हालांकि, शेफाली के आउट होने के बाद स्मृति भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से रन आउट हुईं। इसके बाद ना तो कप्तान कौर का बल्ला गरजा और ना ही ऋचा घोष ने भी दम दिखाया। भारत ने आखिर में निर्धारित 20 ओवर में 183 रनों के स्कोर तक ही पहुंच सका।

खराब मौसम के चलते देहरादून जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट लखनऊ डायवर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

खराब मौसम के कारण रविवार को मुंबई से देहरादून जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को लखनऊ की ओर मोड़ दिया गया। एयरलाइन के अनुसार, मुंबई-देहरादून उड़ान एआई431 निर्धारित समय पर देहरादून नहीं उतर सकी। रिपोर्टों के मुताबिक, देहरादून में मौसम खराब होने और कम दृश्यता होने के कारण विमान की लैंडिंग संभव नहीं थी। इसके बाद एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के निर्देश पर विमान को लखनऊ के लिए डायवर्ट किया गया। विमान शाम 4:45 बजे सुरक्षित रूप से लखनऊ हवाई अड्डे पर उतर गया।

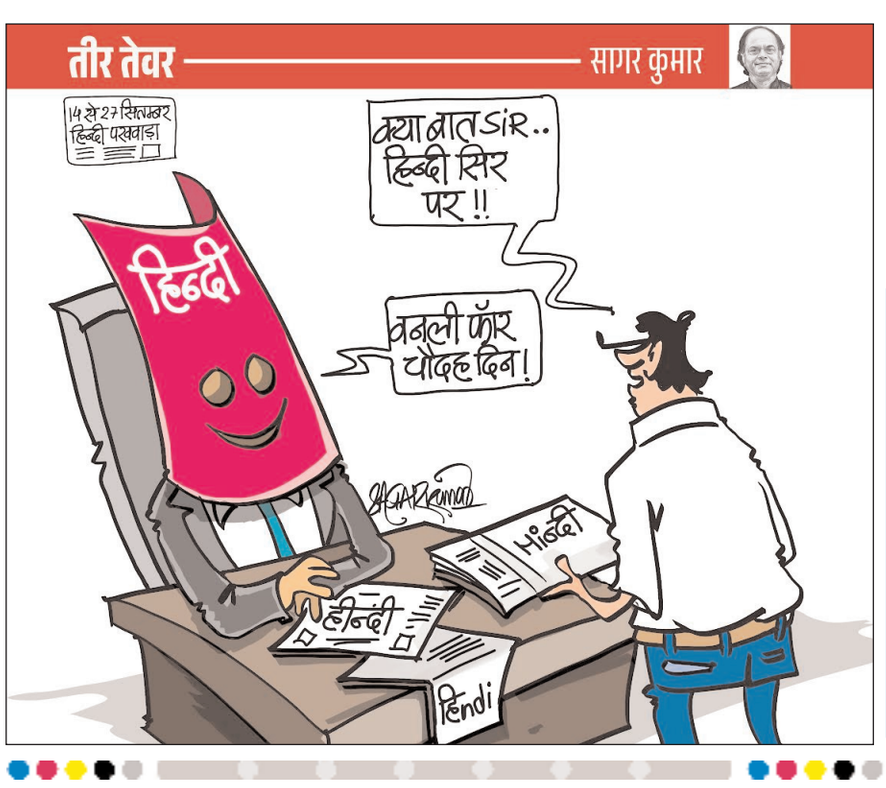

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रिकॉर्ड छठी बार जीता जूनियर एशिया कप

फाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराया

एजेंसी ■ मोकी (चीन)

भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को मोकी ट्रेनिंग बेस पर खेले गए फाइनल में साउथ कोरिया को 4-1 से हराकर रिकॉर्ड छठी बार एशिया कप का खिताब अपने नाम किया।

भारतीय पुरुष टीम ने लगातार चौथी बार यह महाद्वीपीय खिताब जीता और एफआईएच जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के लिए भी क्वालीफाई किया। एशियाई प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम का दबदबा रहा। भारत के लिए अजीत यादव, अनमोल एक्का, प्रभदीप सिंह और आशु मौर्य ने गोल किए, जबकि कोरियाई टीम के लिए एकमात्र गोल ली मिनह्योक ने किया। यादव ने 9वें मिनट में भारत के लिए पहला गोल किया, जिसके बाद एक्का ने 13वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत 2-0 से आगे हो गया।

प्रभदीप ने 21वें मिनट में भारत के लिए तीसरा गोल किया। भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा और हाफ-टाइम ब्रेक तक कोरियाई टीम पर 3-0 की बड़ी बढ़त बना ली।

साल 2000 की चैंपियन टीम को वापसी के लिए कुछ खास करने की जरूरत थी, लेकिन वे वापसी करने में नाकाम रहे। मौर्य ने 50वें मिनट में भारत के लिए एक और गोल करके टीम की बढ़त को 4-0 कर दिया।

इसके बाद मिनह्योक ने 54वें मिनट में कोरियाई टीम के लिए गोल किया, लेकिन उनका यह एकमात्र गोल कोई खास असर नहीं डाल सका और भारत ने 4-1 से मुकाबला जीतकर छठी बार यह महाद्वीपीय खिताब अपने नाम किया।

भारत ने अब लगातार चौथी बार जूनियर हॉकी एशिया कप जीता है और लगातार तीन खिताब जीतने के मामले में पाकिस्तान के साथ बराबरी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस हालिया जीत से पहले भारतीय टीम ने 2015, 2023 और 2024 में खिताब जीते थे। भारत पहले से ही इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के इतिहास की सबसे सफल टीम रही है। पाकिस्तान इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर है, जिसने 1988 से 1996 के बीच तीन खिताब जीते थे। कोरिया ने 2000 में एक बार ट्रॉफी को अपने नाम किया था, जबकि मलेशिया ने 2012 में खिताब जीता था।

अपनी संस्कृति और स्मृतियों की रक्षा करने वाला राष्ट्र कभी पराजित नहीं होता: अमित शाह

विश्व केसरी■

मुंबई। गृह मंत्री अमित शाह मुंबई दौरे के दौरान एशियाटिक सोसायटी में आयोजित गणेश ज्ञानार्थी प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। समारोह में आए लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, 'मैं पहला गृह मंत्री हूं जो एशियाटिक सोसायटी में आया है, लेकिन मैं यहां गृह मंत्री के नाते नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा को सहस्त्रों वर्षों तक आगे ले जाने के आंदोलन के एक आंदोलनकारी के रूप में आया हूं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि एशियाटिक सोसायटी मुंबई भारतीय ज्ञान परंपरा की वाहक बनकर इसे देशभर में पहुंचाने का कार्य करेगी।'

उन्होंने कहा, 'जो राष्ट्र अपनी भाषा, संस्कृति, स्मृति, इतिहास, संस्कार, अभिलेख और परंपराओं की रक्षा नहीं कर सकता है, वह कितना भी शक्तिशाली हो, उसको समाप्त होने में देर नहीं लगती है। जो राष्ट्र अपनी भाषा, संस्कृति, स्मृति, इतिहास, संस्कार, भाषा, परंपराएं और व्यकारण की रक्षा करता है, वह चाहे जितने साल भी गुलाम रहे, उसको गुलाम नहीं बना सकता है, इसका भारत उदाहरण है। अनेक लोगों ने पूरे विश्व का मार्दर्शन देने वाले यहां पैदा हुए ओजस्वी ज्ञान को समाप्त करने का प्रयास किया, लेकिन नहीं कर पाए। नालंदा का पुस्तकालय जला सकते हैं, लेकिन स्मृति और श्रुति से जो लोगों के चित में बसा है, उस ज्ञान को कोई समाप्त नहीं कर सकता।'

गृह मंत्री ने कहा, 'हमारे देश का संस्कार है कि जब हम पराजित होते हैं, तब धैर्य रखकर आगे बढ़ते हैं। जब विजयी होते हैं, तो जिन पर विजय प्राप्त करते हैं, उनकी स्मृतियों को नष्ट किए बिना हमारे परंपरा में जोड़ने का प्रयास करते हैं।'

अमित शाह ने एशियाटिक सोसायटी में परिवर्तन लाने पर जोर देते हुए कहा, 'सच्चा ज्ञान, कभी किसी विचारधारा का बंधक नहीं होता। ज्ञान अपने आप में एक विचारधारा है और इसको किसी प्रकार से बांधते हो तो ज्ञान के मायने बदल जाते हैं। ज्ञान मुक्त और उन्मुक्त होना चाहिए। इसलिए एशियाटिक सोसायटी में जो ज्ञान, संपदा और एकत्रिकरण का उपयोग महान भारत की रचना में करना चाहिए। एशियाटिक सोसायटी के ज्ञान का इस्तेमाल अब विश्व के कल्याण के लिए होगा। अंग्रेजों ने ज्ञान और सत्ता को एक सूत्र में बांध दिया था, लेकिन अब ज्ञान और सत्ता को अलग कर ज्ञान के आधार पर सत्ता की रचना हो और देश चले, ऐसी व्यवस्था बनाने का काम एशियाटिक सोसायटी को करना चाहिए।'

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'आज मैं यहां बहुत कम समय के लिए बोलने आया हूं, लेकिन मैं 'इंडोलॉजी' शब्द के बारे में जरूर बात करना चाहता हूं। एशियाटिक सोसायटी को समझने के लिए 'इंडोलॉजी' शब्द को समझना भी जरूरी है। न्यूमिजमैटिक्स (सिक्का-विज्ञान), एपिग्राफी (अभिलेख-शास्त्र), एंथ्रोपोलॉजी (मानव-विज्ञान), इतिहास, पुरातत्व, भाषा-विज्ञान, दर्शनशास्त्र, साहित्य, धर्मशास्त्र और व्याकरण - इन सबको मिलाकर 'इंडोलॉजी' बनी। हालांकि, मैं आज यह साफ करना चाहता हूं कि उस समय इसका मकसद दुनिया या ब्रह्मांड का कल्याण करना नहीं था, जो भारतीय ज्ञान परंपरा में ज्ञान का मकसद होता है। इसका मकसद यहां की व्यवस्थाओं को समझना और लंबे समय तक लोगों पर राज करना था।'

गृह मंत्री ने कहा, 'भारत का संस्कार है कि जब हम पराजित होते हैं, तो धैर्य रखकर आगे बढ़ते हैं और जब विजय प्राप्त करते हैं, तो जिन पर विजय पाई है, उनकी स्मृति को नष्ट किए बिना उन्हें अपनी परंपरा से जोड़ने का प्रयास करते हैं।

जगन ने शिक्षक भर्ती में अनियमितताओं पर नायडू सरकार पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■

अमरावती। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष वाईएस. जगन मोहन रेड्डी ने डीएससी के माध्यम से शिक्षकों की भर्ती में कथित अनियमितताओं को लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू पर अपना हमला जारी रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री ने रविवार को डीएससी स्कैम का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर एक लंबा पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू एक्सप्लेनेशन बदलते रहते हैं और हर नई एक्सप्लेनेशन टीचर बनने की चाह रखने वालों के लिए और भी सवाल खड़े करती है।

शिक्षक भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए उन्होंने क्रम अनुसार बताया कि कैंडिडेट के वेरिफिकेशन के 7 स्टेज पास करने के बाद, पोस्ट को 65 टीईटी मार्क्स दिए गए थे। जब कैंडिडेट वेरिफिकेशन के 7 स्टेज से गुजरा था। डीईओ ने कन्फर्म किया कि कैंडिडेट इनएलिजिबल है। तो सीधा सवाल यह है, उन 7 स्टेज में असल में क्या वेरिफाई किया गया था।

जगन के मुताबिक, तीसरा ट्विस्ट यह था कि कैंडिडेट को नौकरी तो मिल गई लेकिन उसे पता नहीं था। कैंडिडेट ने खुद कथित तौर पर कहा कि उसे नहीं पता कि उसे नौकरी कैसे मिली।

पूर्व सीएम ने चौथे ट्विस्ट पर जोर देते हुए कहा कि ऑफिशियल्स ने कन्फर्म किया कि उसने 2018 के टीईटी अटेम्प्ट में 77 मार्क्स स्कोर किए थे। अगर वे 77 मार्क्स पहले से रिकॉर्ड में थे, तो उन पर पहले क्यों नहीं विचार किया गया। डीईओ ने उसे इनएलिजिबल क्यों घोषित किया, और यह एक्सप्लेनेशन सवाल उठने के बाद ही क्यों सामने आया। जगन ने पूछा कि रिपोर्ट किए गए 77 मार्क्स पेपर-II-बी (स्कूल असिस्टेंट स्पेशल एजुकेशन) के तहत बताए जा रहे हैं, लेकिन पेपर-द्ध-ए एसजीटी पोस्ट के लिए जरूरी टीईटी कैटेगरी है। तो, वह वेरिफिकेशन के 7 स्टेज से कैसे पास हुआ। नौकरी मिलने के बाद भी, कैंडिडेट ने 2025 में फिर से टीईटी दिया। अगर 2018 के 77 मार्क्स के स्कोर ने उसे पहले ही एलिजिबल बना दिया था, तो फिर से टीईटी देने की क्या जरूरत थी।

सीएम नायडू से सवाल करते हुए जगन ने कहा कि क्या इसे किसी भी तरह से फेयर और ट्रांसपेरेंट कहा जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

अपहरण-मारपीट मामले में पांच आरोपी कोलकाता से गिरफ्तार

विश्व केसरी■

रांची। झारखंड के चतरा विधानसभा क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी के विधायक जनार्दन पासवान के बेटे सौरभ कुमार के अपहरण और मारपीट के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को कोलकाता से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए आरोपियों की पहचान रौनक सिंह राजपूत, प्रकाश गुप्ता, आयुष कुमार, प्रीतम और ज्ञानदीप के रूप में हुई है। घटना 7 सितंबर की है। विधायक के पुत्र के अपहरण की सूचना के दो घंटे के भीतर पुलिस ने उसे सकुशल बरामद कर लिया था। इस संबंध में पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार सौरभ कुमार रांची में एमिटी यूनिवर्सिटी के गेट के पास अपने दोस्तों अमरदीप दुबे, अनमोल और रविशंकर के साथ खड़े थे। इसी दौरान सौरभ के दोस्त अमरदीप की जूनियर छात्र लक्की राज से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद लक्की राज ने फोन कर कुछ बाहरी युवकों को मौके पर बुला लिया।

कोडरमा में मोबाइल दुकानदार पर चाकू से हमले के बाद तनाव

विश्व केसरी■

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया में रविवार को मोबाइल दुकानदार पर चाकू से हमला किए जाने के बाद इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने कथित आरोपी की बाइक में आग लगा दी और रांची-पटना मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। घटना तिलैया थाना क्षेत्र के असनाबाद में हुई। घायल दुकानदार की पहचान इम्तियाज अहमद उर्फ गुड्डू के रूप में हुई है। उसे गंभीर हालत में सदर अस्पताल, कोडरमा ले जाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, किसी बात को लेकर विवाद के बाद एक युवक ने दुकानदार पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायल दुकानदार ने पुलिस को दिए बयान में गौरव कुमार नामक युवक पर हमला करने का आरोप लगाया है।

असम के सीएम ने जोरहाट में किया रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन, बोले-बेहतर कनेक्टिविटी बनेगी विकास का आधार

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार राज्य के विकास के अगले चरण के लिए कनेक्टिविटी को आधार बना रही है।

उन्होंने कहा कि विकास का फायदा लोगों तक पहुंचाने के लिए बेहतर सड़क और रेल इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है।

मुख्यमंत्री सरमा ने ये बातें जोरहाट के सिन्नामारा में एक रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन करने के बाद कहीं। उन्होंने कहा कि इससे ऐतिहासिक शहर के एक मुख्य जाम वाले इलाके में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और यह रेलवे क्रॉसिंग को ट्रैफ?क-मुक्त बनाने की राज्य की बड़ी कोशिश का हिस्सा होगा। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'लोग अक्सर मुझसे पूछते हैं कि असम अपने शहरों, कस्बों और गांवों में इतने पुल क्यों बना रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि दशकों तक हम कनेक्टिविटी के मामले में पीछे रहे और विकास का फायदा लोगों तक नहीं पहुंच पाया।'

सीएम ने कहा कि राज्य कनेक्टिविटी की कमी को दूर करने और यह सुनिश्चित करने के लिए 'प्रतिबद्ध' है कि बिना रुकावट के आवाजाही आम बात हो, न कि कोई अपवाद। सिन्नामारा आरओबी रेलवे क्रॉसिंग के कारण होने वाले जाम और देरी को खत्म करने की सरकार की राज्यव्यापी कोशिशों का हिस्सा है।

इस इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट से सिन्नामारा में ट्रैफ?िक की आवाजाही बेहतर होने और यात्रियों को रेलवे लाइन के पार एक आसान रास्ता मिलने की उम्मीद है। ऐसे प्रोजेक्ट्स का मकसद रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर गाड़ी चलाने वालों और पैदल चलने वालों के इंतजार के समय को कम करना भी है, खासकर व्यस्त शहरी और अर्ध-शहरी इलाकों में।

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कनेक्टिविटी सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर की प्राथमिकता नहीं है, बल्कि असम के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए एक जरूरी जरूरत है। बेहतर कनेक्टिविटी से लोगों, कृषि उत्पादों और सामान की आवाजाही आसान हो सकती है।

उमर खालिद पर बनी डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रद्द करने की एबीवीपी ने की मांग

विश्व केसरी■

बेंगलुरु। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की बेंगलुरु इकाई ने नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) में उमर खालिद पर बनी डॉक्यूमेंट्री 'प्रिजनर नंबर 626710 इज प्रेजेंट' की प्रस्तावित स्क्रीनिंग रद्द करने की मांग की है।

फिल्मकार ललित वाचानी की यह डॉक्यूमेंट्री 14 सितंबर को विश्वविद्यालय की छात्र संस्था लॉ एंड सोसाइटी कमेटी (लॉ सोक) द्वारा दिखाई जानी प्रस्तावित है। यह कार्यक्रम उमर खालिद के समर्थन में आयोजित किया जा रहा है और यूएपीए के तहत बिना मुकदमा शुरू हुए उनकी गिरफ्तारी के छह वर्ष पूरे होने के मौके पर रखा गया है।

यह स्क्रीनिंग देशभर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जा रहे एकजुटता कार्यक्रमों और स्क्रीनिंग श्रृंखला का हिस्सा है। यह कार्यक्रम राजनीतिक बंदी दिवस (13 सितंबर) के एक दिन बाद और उमर खालिद की 2020 में हुई गिरफ्तारी की तारीख के साथ भी मेल खाता है।

जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को 2020 के दिल्ली दंगों के मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) समेत अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज है और वह सितंबर 2020 से न्यायिक हिरासत में हैं। मामले में अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। एबीवीपी बेंगलुरु के सचिव अभिनंदन मिर्जी ने प्रेस बयान जारी कर प्रस्तावित स्क्रीनिंग की कड़ी निंदा की।

चेन्नई में बुखार और डेंगू के मामले बढ़े

विश्व केसरी■

चेन्नई। चेन्नई और इसके उपनगरीय इलाकों में पिछले कुछ हफ्तों में बुखार के मामलों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। कई इलाकों में वायरल संक्रमण और डेंगू फैल रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से सतर्क रहने, समय पर डॉक्टर से मिलने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय अपनाने की अपील की है।

पिछले 10 दिनों में शहर और उपनगरों में 2,000 से ज्यादा लोगों में बुखार के लक्षण मिले हैं। इनमें से 140 मामलों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जो मच्छर जनित संक्रमण के पॉजिटिव मामलों में बढ़ोतरी का संकेत है। इसकी तुलना में अगस्त महीने में लगभग 4,500 बुखार के मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से 160 में डेंगू पाया गया था।

ताजा आंकड़ों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर इसलिए क्योंकि कम समय में डेंगू के मामलों की संख्या पिछले महीने के कुल आंकड़े के करीब पहुंच रही है। अड्यार, अन्ना नगर और वलसरवक्कम जोन उन इलाकों में हैं जहां बुखार के मामले ज्यादा आ रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में बुखार, बदन दर्द, खांसी और अन्य लक्षणों के साथ मरीजों के आने से स्वास्थ्य अधिकारी और मेडिकल टीमें स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शहर में इन्फ्लुएंजा ए, राइनोवायरस और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, जिसे आमतौर पर आरएसवी कहा जाता है।, सहित कई सांस संबंधी वायरस फैल रहे हैं। वायरल बुखार परिवार के सदस्यों में तेजी से फैल सकता है।

बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित तेजस्वी यादव ने राज्य-केंद्र सरकार को घेरा

विश्व केसरी■

पटना। राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को बाढ़ समेत कई मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार में 45 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार इस गंभीर संकट को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के दोनों इंजन में आग लगी हुई है और राज्य सरकार का खजाना खाली है।

पटना में प्रेस वार्ता में तेजस्वी यादव ने कहा कि बाढ़ और राघोपुर में कटाव समेत कई मुद्दों को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन किसी पत्र का जवाब तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि सरकार जवाब दे या न दे, लेकिन बिहार की जनता ने यदि उसे जनादेश दिया है तो उसे जनता के लिए काम करना चाहिए। तेजस्वी ने कहा कि राजद ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर बिहार में आई बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, विशेष पैकेज देने तथा सेना, वायुसेना और हेलीकॉप्टरों की मदद से राहत सामग्री पहुंचाने की मांग की थी।

उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक केंद्र की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने बिहार से जुड़े केंद्रीय मंत्रियों और एनडीए सांसदों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में एनडीए के 30 से अधिक सांसद और कई केंद्रीय मंत्री हैं, लेकिन कोई भी केंद्र से बिहार के लिए विशेष सहायता नहीं ला पा रहा है। उन्होंने गुजरात में बाढ़ और भारी बारिश के दौरान केंद्र की सक्रियता का हवाला देते हुए बिहार के साथ कथित भेदभाव का आरोप लगाया।

आकाश आनंद के निष्कासन पर उदित राज बोले बसपा को खत्म करना चाहती हैं मायावती

विश्व केसरी■

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती द्वारा अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निष्कासित किए जाने के बाद से दूसरी पार्टियों में शामिल होने की अटकलें लगने लगी हैं। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद द्वारा आकाश आनंद को पार्टी में आने का ऑफर दिए जाने और डिंपल पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र और उदित राज ने प्रतिक्रिया दी।

बसपा प्रमुख मायावती द्वारा बसपा मिशन के लिए अपने भाई की बेटी को चुनने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता उदित राज ने कहा, 'मुझे लगता है कि मायावती खुद चाहती हैं कि बसपा खत्म हो जाए। इसलिए चाहे कोई बड़ा नेता हो या कोई और जब कोई गलती करता है, तो वह उस गलती से सीखता है। उन्होंने कांशी राम के सभी मिशनरी साथियों को एक-एक करके निकाल दिया। इसलिए वह बहुत असुरक्षित महसूस करती हैं और मुझे नहीं पता कि वह ऐसा क्यों कर रही हैं। दूसरी बात, यह बहुत संभव है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी के दबाव में हो रहा हो।'

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने आईएनएस से बातचीत में कहा, जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से आकाश आनंद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि अगर वह शामिल होते हैं, तो पार्टी में उनका स्वागत किया जाएगा। पार्टी का मानना है कि उसके दरवाजे उन सभी के लिए खुले हैं, जिन्हें अखिलेश यादव के नेतृत्व और समाजवादी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा है। जहां तक चंद्रशेखर की पार्टी में शामिल होने या छोड़ने और उनके ऑफर की बात है, तो इस पर समाजवादी पार्टी की कोई टिप्पणी नहीं है।

सपा सांसद डिंपल यादव ने मायावती पर पलटवार करते हुए कहा है कि समाजवादी पार्टी रंगों की नहीं, पीडीए की लड़ाई लड़ रही है। इस पर सपा प्रवक्ता फखरुल हसन चांद ने कहा, 'समाजवादी पार्टी मुद्दों की लड़ाई लड़ रही है। पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक, गरीब, किसान और मजदूर पर जो अत्याचार हो रहा है।

दक्षिण कश्मीर में कई जगहों पर की छापेमारी आतंकियो के ठिकानो की तलाश कर रही पुलिस

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने रविवार को आतंकवाद से जुड़े एक मामले में साउथ कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर-इंटेलिजेंस कश्मीर ने पूरे साउथ कश्मीर में रेड की। इनमें कुलगाम और शोपियां जैसे जिले भी शामिल रहे। अधिकारियों ने बताया कि रेड दूसरी एजेंसियों की मदद से की गई है और डिटेल्स का इंतजार है।

सीआईके जम्मू और कश्मीर पुलिस की एक स्पेशल विंग है, जिसने टेरर नेटवर्क, रेडिकलाइजेशन मॉड्यूल और फंडिंग चैनल को खत्म करने के लिए अपने ऑपरेशन काफी तेज कर दिए हैं। शोपियां और कुलगाम में रविवार की कार्रवाई से पहले के हालिया ऑपरेशन उनकी रणनीतिक फोकस को स्पष्ट करते हैं। सीआईके के टारगेट में वे टेरर नेटवर्क शामिल हैं जो हिडन मैसेजिंग एप्लिकेशन का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत में सीआईके ने बडगाम, अवंतीपोरा, पुलवामा, कुपवाड़ा, शोपियां और श्रीनगर समेत छह जिलों में कोऑर्डिनेटेड रेड की थी।

सीआईके ने खुलासा किया है कि लोकल सस्पेक्ट्स क्रॉस-बॉर्डर टेररिस्ट हैंडलर्स के साथ लगातार टच में रहने के लिए हाई-सिक्योरिटी एन्क्रिप्टेड ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे थे। कम्युनिकेशन लाइनों को मैप करने के लिए डिजिटल डिवाइस और लॉग्स जब्त किए गए। पुलिस एजेंसी ने अब तक जुलाई 2026 में जैश-ए-मोहम्मद रिक्रूटमेंट सेल को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया है। यह एक लोकल रिक्रूटमेंट और स्लीपर सेल मॉड्यूल था जिसे बॉर्डर पार से हैंडल किया जाता था, जो घाटी के पुलवामा, गंदेरबल, श्रीनगर और बडगाम में था।

इस मामले में सीआईके ने एक क्रॉस-बॉर्डर कमांडर से एक्टिव रूप से निर्देश लेने वाले एक गैंग को रोकने के लिए दस खास जगहों पर रेड मारी थी।

फोकस लोकल युवाओं को एक्टिव स्लीपर सेल में रिक्रूट होने से रोकना था, जिन्हें लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) के पार टेरर नेटवर्क का सपोर्ट है। सीआईके के इंटरस्टेट और जेल नेटवर्क इंटेल ऑपरेशंस ने अनंतनाग डिस्ट्रिक्ट जेल और कुलगाम, उधमपुर और जम्मू शहर में इसी तरह की जगहों पर कैदियों से जुड़े कम्युनिकेशन और बाहरी नेटवर्क को भी खत्म कर दिया।

जेल की जगहों के अंदर से संदिग्ध टेक्निकल सिग्नेचर मिलने के बाद, सीआईके ने कोऑर्डिनेटेड सर्च वारंट जारी किए। सेल और बाहरी लिंक से कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड और टैबलेट बरामद किए गए।

बांग्लादेश का ब्रिक्स से किनारा कूटनीतिक परिपक्वता की कमी दर्शाता है : रिपोर्ट

विश्व केसरी■

ढाका। बांग्लादेश सरकार का 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से दूरी बनाना देश के लिए एक बड़े कूटनीतिक अवसर को गंवाने जैसा है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय शक्तियों के साथ संवाद के इस मौके से दूर रहने का फैसला बांग्लादेश के राष्ट्रीय हितों के लिहाज से समझ से परे है।

बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायून कबीर के उस बयान को भी रिपोर्ट में दुर्भाग्यपूर्ण बताया गया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री तारिक रहमान को शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि बिम्सटेक के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।

बांग्लादेश के अखबार 'डेली सन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह अंतर प्रक्रियात्मक रूप से महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन इसे देश की ओर से ब्रिक्स में शामिल नहीं होने का पर्याप्त कारण मानना कूटनीतिक परिपक्वता की कमी को दर्शाता है। रिपोर्ट में कहा गया कि बिम्सटेक की अध्यक्षता कर रहे बांग्लादेश के लिए यह निमंत्रण कम नहीं, बल्कि और अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए था।रिपोर्ट में कहा गया, 'ढाका इस अवसर का इस्तेमाल खुद को बंगाल की खाड़ी क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण आवाज के रूप में पेश करने के लिए कर सकता था। वह बिम्सटेक को अंतरराष्ट्रीय एजेंडे में अधिक प्रमुखता से ला सकता था और भारत, चीन, रूस तथा अन्य भाग लेने वाले देशों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों के जरिए क्षेत्रीय संपर्क, व्यापार, ऊर्जा सहयोग, जलवायु लचीलापन और रोहिंग्या मुद्दे को आगे बढ़ा सकता था। रिपोर्ट के अनुसार, इसके बजाय बिम्सटेक के आयाम को लगभग एक तकनीकी मुद्दे के तौर पर देखा गया। इसमें कहा गया कि यह ऐसी सोच को दर्शाता है, जिसमें विदेश मंत्रालय कूटनीतिक महत्व को परिणामों के बजाय प्रोटोकॉल से मापता है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि किसी निमंत्रण को प्रधानमंत्री को एक विशेष औपचारिक हैसियत में दिया गया था या दूसरी हैसियत में, इस बात को सार्वजनिक रूप से अधिक महत्व देना बांग्लादेश को अनावश्यक रूप से संवेदनशील देश के तौर पर पेश कर सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य प्रमुख नेताओं की मौजूदगी ने ऐसे कूटनीतिक अवसर उपलब्ध कराए, जिन्हें महीनों बाद होने वाली औपचारिक बैठकों या राजनयिक संदेशों के आदान-प्रदान के जरिए आसानी से दोहराया नहीं जा सकता।

शांगहाई में 2026 फुच्यांग इनोवेशन फोरम का आयोजन

विश्व केसरी■

बीजिंग। 12 सितंबर को चीन के महानगर शांगहाई में 2026 फुच्यांग इनोवेशन फोरम का मुख्य मंच आयोजित किया गया। वैश्विक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, उद्योग और निवेश क्षेत्र से आए प्रतिनिधियों ने मौलिक अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में नई सफलताओं जैसे मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श किया। साथ ही, यांग्त्ज़ी नदी डेल्टा क्षेत्र में शांगहाई को अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए मिलकर प्रयास करने पर जोर दिया गया।

फोरम के उद्घाटन समारोह में चीनी राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान फाउंडेशन के यांग्त्ज़ी नदी डेल्टा बुनियादी अनुसंधान संयुक्त कोष की प्रमुख परियोजना शुरू की गई। यह विशेष परियोजना इस फाउंडेशन और शांगहाई शहर के साथ च्यांगसू, चच्यांग और आनहुई तीन प्रांतों द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित की गई है। इसके तहत 'एकीकृत वित्तपोषण, संयुक्त प्रश्न निर्धारण, संयुक्त प्रबंधन और समान प्रश्नों के संयुक्त उत्तर' की कार्यप्रणाली अपनाई जाएगी। इसका उद्देश्य मौलिक अनुसंधान को समर्थन देना है। इसके लिए हर साल 25 करोड़ युआन का संयुक्त निधि कोष स्थापित किया जाएगा। 2027 से 2031 तक पांच साल की सहयोग अवधि में इस कोष की कुल राशि 125 करोड़ युआन तक पहुंच जाएगी।

इसी बीच, यांग्त्जी नदी डेल्टा वैज्ञानिक डेटा साझाकरण सेवा मंच के संयुक्त निर्माण की भी शुरुआत की गई। यह मंच शांगहाई और उपरोक्त तीनों प्रांतों के वैज्ञानिक डेटा संसाधनों को एक जगह उपलब्ध कराएगा। इससे पूरे क्षेत्र में वैज्ञानिक डेटा का सुचारु प्रवाह और अधिक प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, 1.89 लाख से अधिक मामले; 1,000 मौतें

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बांग्लादेश हाल के वर्षों के सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकटों में से एक का सामना कर रहा है। देश में खसरे के बड़े प्रकोप ने टीकाकरण और स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर कमजोरियों को उजागर किया है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

'द डेली स्टार' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया है कि 15 मार्च 2026 से अब तक 1.89 लाख से अधिक लोग, जिनमें ज्यादातर बच्चे हैं, खसरे या खसरे जैसे लक्षणों से प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इनमें से कम से कम 1.49 लाख मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी, जबकि पुष्ट और संदिग्ध मामलों को मिलाकर मौतों का आंकड़ा 1,012 तक पहुंच गया है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने आगाह किया है कि पुष्ट और संदिग्ध संक्रमण तथा मौतों के आंकड़ों में अंतर है। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में बच्चों की ऐसी बीमारी से मौत हो रही है, जिसे टीकाकरण के जरिए काफी हद तक रोका जा सकता है।

इस प्रकोप ने बांग्लादेश के टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ा दी है। कभी इस कार्यक्रम को विकासशील देशों के बीच बड़ी सफलता की कहानी माना जाता था।

रिपोर्ट में कहा गया कि सरकार के नेतृत्व, गैर-सरकारी संगठनों की भागीदारी और सामुदायिक स्तर पर जागरूकता के जरिए हासिल की गई उच्च टीकाकरण कवरेज ने पहले लाखों बच्चों को रोकी जा सकने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखने में मदद की थी। हालांकि, मौजूदा संकट के पीछे कई कारण सामने आए हैं।

दिल्ली घोषणा में भारत की प्राथमिकताओं की दिखी स्पष्ट झलक: विदेशी मामलों के जानकार वाइल अव्वाद

विश्व केसरी■

मुंबई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सर्वसम्मति से पारित नई दिल्ली घोषणा को विदेशी मामलों के जानकार वाइल अव्वाद ने ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि आपसी विरोधाभासों के बावजूद भारत सभी प्रतिद्वंद्वी देशों को एक मेज पर लाने में सफल रहा, जहां समृद्धि, व्यापार और आर्थिक सहयोग पर चर्चा हुई। आतंकवाद के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने, द्विपक्षीय विवादों के सौहार्दपूर्ण समाधान और संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन जैसे मुद्दों पर भारत ने अपना पक्ष मजबूती से रखा, जिसे उन्होंने भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत करार दिया।

ब्रिक्स देशों द्वारा सर्वसम्मति से नई दिल्ली घोषणा पर हस्ताक्षर किए जाने पर विदेशी मामलों के जानकार वाइल अव्वाद ने कहा, 'इसे हमेशा दिल्ली घोषणा के रूप में याद रखा जाएगा, क्योंकि ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सभी विरोधाभासों और आपसी टकराव के बावजूद भारत सभी प्रतिद्वंद्वी पक्षों को एक मेज पर लाने और समृद्धि, आर्थिक परस्पर निर्भरता, देशों के बीच व्यापार और एक-दूसरे की मदद से जुड़े मामलों पर चर्चा करने में सफलतापूर्वक सक्षम रहा।'

उन्होंने कहा कि निष्कर्ष ये निकला कि इसमें अधिकांश वे बिंदु शामिल हैं जो भारत कहना चाहता था और बाकी देश भी इस पर कहना चाहते थे। इसलिए मैं इसे सभी ब्रिक्स सदस्यों के लिए एक जीत की स्थिति मानूंगा।

वाइल अव्वाद ने कहा, 'भारत आतंकवाद के मुद्दे को चर्चा में लाने में सफल रहा और आतंकवाद-रोधी उपायों पर विचार किया जाना चाहिए और किसी को भी आतंकवाद का समर्थन नहीं करना चाहिए। दूसरा बहुत महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि भारत इस मुद्दे को आगे रखने में सक्षम रहा कि द्विपक्षीय मुद्दों को सौहार्दपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। साथ ही संयुक्त राष्ट्र के पुनर्गठन का मुद्दा भी। ये ऐसे मुद्दे हैं, जहां भारत अपना पक्ष रखना चाहता था।'

विदेशी मामलों के जानकार ने कहा कि इस पर व्यावहारिक और यथार्थवादी होने के लिए और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की रिपोर्टिंग में निष्पक्ष होने के लिए, यह एक बहुत अच्छा घटनाक्रम है कि हम ग्लोबल साउथ के नेताओं को एक टेबल पर लाकर अपने आपसी हितों से जुड़े मामलों पर चर्चा करते हुए देख सके।

यह सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा था और भू-राजनीतिक परिदृश्यों में हो रहे बदलावों पर भी, चाहे वह रूसी-यूक्रेनी युद्ध हो, चाहे वह पश्चिम एशियाई युद्ध हो, चाहे वह एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अशांति हो, इन सभी को उजागर किया गया है। लेबनान, फिलिस्तीन, ईरान और हूतियों के मुद्दों में भी, सब कुछ ध्यान में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि यह न केवल एक आर्थिक शक्ति होगी, बल्कि आने वाले वर्षों में यह एक राजनीतिक शक्ति भी बन सकती है जिससे निपटना होगा। उन्हें और सदस्यों को अपने पाले में लाने की स्थिति में होना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि यह समूह वास्तव में भविष्य की बहुध्रुवीय दुनिया में दक्षिण सहयोग का प्रतिनिधित्व करे।

धनबाद में अवैध कोयला खदान की चाल धंसी, महिला समेत दो की मौत, कई के दबे होने की आशंका

विश्व केसरी■

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले के कतरास में रविवार सुबह अवैध कोयला खदान की चाल धंसने से एक महिला समेत दो लोगों की मौत की सूचना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसे में तीन लोगों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया है, जबकि मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसा कतरास के रामकनाली ओपी क्षेत्र के केशलपुर कुम्हारपट्टी में सुबह करीब सात बजे हुआ।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, कुछ महिला और पुरुष अवैध सुरंग में कोयला काटने और चुनने गए थे। इसी दौरान सुरंग का ऊपरी हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया और कई लोग मलबे में दब गए। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुदाल, गैंता समेत दूसरे साधनों से मलबा हटाने का काम शुरू किया। स्थानीय लोगों के अनुसार, दो लोगों को बाहर निकाला गया लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी। मृतकों में केवटकुली निवासी मुनिया देवी और बेलोंजाबाद निवासी एक व्यक्ति शामिल बताए जा रहे हैं।

तीन घायलों को भी बाहर निकालकर स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि मलबे के नीचे अभी कई और लोग दबे हो सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए राहत और बचाव का काम जारी है। बताया जा रहा है कि इस इलाके की अवैध सुरंगों से निकाले गए कोयले को बाइक के जरिए आसपास के बाजारों में बेचा जाता था। हादसे के समय भी लोग इसी तरह कोयला काटने और चुनने के लिए सुरंग में गए थे।

हालांकि, घटना में दो लोगों की मौत और अन्य लोगों के दबे होने की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रही है। अधिकारियों की जांच और राहत-बचाव अभियान के बाद ही मृतकों और घायलों की संख्या के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आजाद मैदान में अनशन की अनुमति नहीं मिलने पर जरांगे पाटिल ने सरकार को घेरा

विश्व केसरी■

जालना। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर महाराष्ट्र में तनाव बढ़ता जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज जरांगे पाटिल ने रविवार को मुंबई पुलिस द्वारा 19 सितंबर को आजाद मैदान में प्रस्तावित भूख हड़ताल की अनुमति नहीं दिए जाने पर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।

जालना जिले के अंतरवाली सराटी में मीडिया से बातचीत करते हुए जरांगे पाटिल ने महायुति सरकार पर संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन करने और राज्य में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया।

मुंबई पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार करते हुए 2025 के सार्वजनिक सभा, प्रदर्शन और जुलूस नियमों के संभावित उल्लंघन का हवाला दिया है। पुलिस ने आजाद मैदान में पिछले प्रदर्शनों के दौरान निर्धारित शर्तों का कथित रूप से पालन नहीं किए जाने का भी उल्लेख किया है।

पुलिस के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए जरांगे पाटिल ने सवाल उठाया कि प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही यह कैसे मान लिया गया कि प्रदर्शनकारी नियमों का उल्लंघन करेंगे। उन्होंने पूछा, 'सरकार यह क्यों मान रही है कि हम प्रदर्शन शुरू होने से पहले ही नियम तोड़ेंगे? यह सरकार किस कानून के तहत काम कर रही है। उन्होंने कहा, हाईकोर्ट ने कहा है कि हमें मुंबई जाने से नहीं रोका जा सकता, फिर पुलिस न्यायपालिका की भावना के खिलाफ कार्रवाई क्यों कर रही है? यह तानाशाही और मनमानी से कम नहीं है।

आगामी त्योहारों के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंकाओं को खारिज करते हुए जरांगे पाटिल ने कहा कि इससे पहले भी गणेश चतुर्थी के दौरान उनके आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से हुए हैं और किसी तरह की अव्यवस्था नहीं हुई। उन्होंने कहा, 'हम संविधान से बंधे हैं और न्यायपालिका का सम्मान करते हैं, लेकिन सरकार के मनमाने निर्देशों के आगे नहीं झुकेंगे। पुलिस आयुक्त के आदेश के खिलाफ आगे क्या कदम उठाना है, इसका फैसला हमारी कानूनी टीम करेगी।

जरांगे पाटिल ने दोहराया कि अंतरवाली सराटी से उनकी मुंबई तक की पदयात्रा 15 सितंबर को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुरू होगी। पुलिस की ओर से अनुमति नहीं दिए जाने और राज्य नेतृत्व पर राजनीतिक निशाना साधने का आरोप लगाते हुए उन्होंने तत्काल अपना चिकित्सा उपचार और तरल पदार्थ लेना बंद करने की घोषणा की।

रीम नौसैनिक अड्डे पहुंचा आईएनएस कुलिश कंबोडिया के साथ बढ़ेगा समुद्री सहयोग

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का युद्धपोत आईएनएस कुलिश कंबोडिया के रीम नौसैनिक अड्डे पर पहुंचा है। यहां दोनों देशों के जवान कई समुद्री पेशेवर व नौसैनिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे। इससे दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ, संपर्क और ऑपरेशनल तालमेल को मजबूत करने में मदद मिलेगी। दोनों देशों के नौसैनिक एक-दूसरे के साथ अनुभव भी साझा करेंगे।

दरअसल भारत और कंबोडिया के बीच समुद्री सहयोग बढ़ाने के लिए भारतीय नौसेना का यह युद्धपोत कंबोडियाई तट पर है। यह दौरा भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की ऑपरेशनल तैनाती का हिस्सा है।नौसेना के मुताबिक रीम पहुंचने पर आईएनएस कुलिश का कंबोडियाई नौसेना के प्रतिनिधियों और कंबोडिया में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने स्वागत किया। इस दौरान दोनों देशों के नौसैनिकों के बीच बातचीत और पेशेवर संपर्क को बढ़ावा दिया जाएगा। आईएनएस कुलिश के ठहराव के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें नौसैनिक अधिकारियों के बीच पेशेवर बातचीत के साथ साथ नौसैनिक सुविधाओं का परिचय, खेल प्रतियोगिताएं और अन्य नौसैनिक गतिविधियां शामिल हैं। इन कार्यक्रमों से दोनों देशों के नौसैनिकों को एक-दूसरे के अनुभव और समुद्री क्षेत्र से जुड़ी जानकारी साझा करने का अवसर मिलेगा। इस यात्रा से दोनों नौसेनाओं के बीच आपसी समझ और काम करने का तालमेल भी बेहतर होगा।

साथ ही, यह भारत की हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री पहुंच बढ़ाने की कोशिशों को मजबूती देती है। आईएनएस कुलिश का कंबोडिया दौरा भारत की एक्ट ईस्ट नीति और महासागर की सोच के अनुरूप है। भारत का प्रयास है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्र सुरक्षित, खुला और सभी के लिए समावेशी बना रहे। भारत व कंबोडिया के बीच सैन्य संबंध लगातार मजबूत होते रहे हैं।

बीते दिनों कंबोडिया में आतंकवादियों के खिलाफ काउंटर टेररिज्म ऑपरेशन जैसे घातक व खतरनाक मिशन का अभ्यास पूरा किया गया था। कंबोडिया में हुए इस अभ्यास में भारतीय सैन्य दल भी शामिल था।

यहां भारत व कंबोडिया के संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास 'सिनबैक्स-टू 2026' में दोनों देशों के जवानों ने ड्रोन, मोर्टार तथा स्नाइपर अभ्यास किया था। यहां विशेष रणनीतियों सहित जवानों का विशेष कौशल प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।

तेलंगाना कैबिनेट से हटाए जाने पर विधायक कोंडा सुरेखा बोलीं, कांग्रेस नहीं छोड़ूंगी

विश्व केसरी■

हैदराबाद। अनुशासनहीनता के मामले में तेलंगाना मंत्रिमंडल से इसी महीने हटाई गईं कोंडा सुरेखा ने रविवार को साफ कर दिया कि वे और उनके पति कोंडा मुरली कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि उनके लिए पद कभी महत्वपूर्ण नहीं रहे और वे चाहते हैं कि लोग उन्हें हमेशा याद रखें।

कोंडा सुरेखा और कोंडा मुरली वारंगल में अपने समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बाद यह उनका पहला सार्वजनिक संबोधन था। उनके खिलाफ कार्रवाई तब हुई, जब उनकी बेटी कोंडा सुष्मिता ने सार्वजनिक कार्यक्रमों और सोशल मीडिया के जरिए तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और कुछ कांग्रेस नेताओं पर तीखी टिप्पणियां की थी। उन्होंने रेवंत रेड्डी द्वारा कांग्रेस विधायक रेवुरी प्रकाश रेड्डी के समर्थन पर सवाल उठाए और खुद पारकल विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी।

इस पर आपत्ति जताते हुए तेलंगाना कांग्रेस की अनुशासन समिति ने कोंडा सुरेखा को कारण बताओ नोटिस जारी किया। इसके जवाबी में सुरेखा ने कहा कि उनकी बेटी बालिग और स्वतंत्र वयस्क है और उसके बयानों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। कांग्रेस हाईकमान ने उनके जवाब को संतोषजनक नहीं माना और फिर उनके खिलाफ कार्रवाई हो गई।

कोंडा सुरेखा ने कहा कि उन्हें मंत्रिमंडल से हटाए जाने का दुख नहीं है, लेकिन जिस वजह से उन्हें हटाया गया, उससे वे आहत हैं। विधायक सुरेखा ने अवसरवादी राजनीति पर चिंता जताते हुए कहा, 'मैं मंडल परिषद अध्यक्ष (एमपीपी) के पद से आगे बढ़कर मंत्री बनी हूं। कुछ लोग हर दिन पार्टी बदलते रहते हैं।

उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री वाई.एस. राजशेखर रेड्डी के लिए उन्होंने मंत्री पद तक छोड़ दिया था। सुरेखा ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उन्हें टिकट से वंचित करने के लिए साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने उन्हें वारंगल पूर्व सीट से टिकट दिया था।

संपादकीय

दुनिया की सबसे ज्यादा बोली और समझी जाने वाली भाषा है हिंदी

डॉ. शैलेश शुक्ला

सबसे पहले भारत के उन दस राज्यों को लेते हैं जहाँ हिंदी मातृभाषा है, घर की भाषा है। उत्तर प्रदेश की आबादी आज लगभग 25 करोड़ है, बिहार की 14 करोड़, मध्य प्रदेश की 9 करोड़, राजस्थान की 8.5 करोड़, हरियाणा की 3.2 करोड़, झारखंड की 4 करोड़, छत्तीसगढ़ की 3.2 करोड़, दिल्ली की 2.5 करोड़, उत्तराखंड की 1.2 करोड़ और हिमाचल प्रदेश की 80 लाख। इन सबको जोड़ दीजिए तो संख्या 70 करोड़ को पार कर जाती है। ये 70 करोड़ लोग वो हैं जिनके लिए हिंदी सीखने की भाषा नहीं, बल्कि रोज जीने की भाषा है। वे पैदा होते ही हिंदी सुनते हैं और हिंदी में ही सोचते हैं। ईएमआई कान्तार की 2025 की रिपोर्ट और ट्राई की मार्च 2026 की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि भारत में 109.2 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर हैं जिनमें 57 प्रतिशत यानी 54.8 करोड़ ग्रामीण भारत से हैं और ये ग्रामीण यूजर इन्हीं दस राज्यों से सबसे ज्यादा आते हैं जो इंटरनेट पर हिंदी में ही सर्च करते हैं, हिंदी में ही वीडियो देखते हैं।

अब दूसरे हिस्से को देखिए जो अक्सर गिनती से छूट जाता है, यानी भारत में ही 40 करोड़ लोग जो हिंदी को दूसरी भाषा के रूप में समझते और बोलते हैं। महाराष्ट्र और गुजरात को लीजिए, जहाँ मराठी देवनागरी में ही लिखी जाती है और गुजराती की लिपि भी देवनागरी से मिलती-जुलती है, यहाँ का व्यापारी, मजदूर और छात्र रोज हिंदी में काम चलाता है। सिक्किम में नेपाली, जम्मू में डोगरी, असम में बोडो, बिहार में मैथिली जैसी भाषाएँ देवनागरी में लिखी जाती हैं और ये हिंदी की सगी बहनें हैं, इसलिए इन क्षेत्रों के लोग बिना पढ़ाए हिंदी समझ लेते हैं। दक्षिण भारत में केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में स्कूलों में हिंदी तीसरी भाषा के रूप में पढ़ाई जाती है और वहाँ रेलवे स्टेशन, बाजार, सिनेमा हॉल और अब तो हर मोबाइल में मौजूद ओटीटी, यूट्यूब और सोशल मीडिया रील्स एवं शॉर्ट्स ने हिंदी को घर-घर पहुँचा दिया है, आज करीब 60 करोड़ लोग शॉर्ट वीडियो देखते हैं और उनमें से अधिकतर कंटेंट हिंदी और उससे मिलती-जुलती भाषाओं में है, हैदराबाद में तो हिंदी आम बोलचाल की भाषा बन चुकी है। इस तरह महाराष्ट्र, गुजरात, सिक्किम, डोगरी-बोडो-मैथिली क्षेत्रों और दक्षिण के पाँच राज्यों में मिलाकर 40 करोड़ लोग ऐसे हैं जो हिंदी को अपनी रोजमर्रा की जरूरत के लिए इस्तेमाल करते हैं, वे हिंदी फिल्मों के डायलॉग जानते हैं, वे हिंदी गानों पर नाचते हैं और वे इंटरनेट पर हिंदी में कमेंट करते हैं। तो भारत के अंदर ही कुल संख्या हो जाती है 70 करोड़ जमा 40 करोड़, यानी 110 करोड़। इसका अर्थ है कि 145 करोड़ के भारत में 110 करोड़ लोग, यानी 75 प्रतिशत से ज्यादा आबादी, हिंदी से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

अब भारत की सीमा से बाहर निकल कर पूरे उपमहाद्वीप को देखिए। भाषा विज्ञान का एक सच्चा नियम है कि हिंदी और उर्दू दो अलग भाषाएँ नहीं हैं, वे एक ही बोली के दो लिखने के तरीके हैं। आम बोलचाल में पानी, रोटी, घर, दिल, प्यार, दोस्त, इज्जत जैसे शब्द हिंदी में भी वही हैं और उर्दू में भी वही हैं। पाकिस्तान की 24 करोड़ आबादी उर्दू बोलती है जो बोलने में 90 प्रतिशत हिंदी ही है, नेपाल की 3 करोड़ आबादी नेपाली बोलती है जो देवनागरी में लिखी जाती है और हर नेपाली हिंदी फिल्म देखकर हिंदी समझता है और बांग्लादेश की 17 करोड़ आबादी में से 8 करोड़ युवा वर्ग बॉर्डर के संपर्क और हिंदी फिल्मों व गानों के कारण हिंदी-उर्दू अच्छी तरह समझता है। इन तीनों देशों को मिलाकर 35 करोड़ लोग ऐसे हैं जो बिना हिंदी की किताब पढ़े ही हिंदी समझ लेते हैं। इस तरह उपमहाद्वीप में कुल संख्या हो जाती है 110 करोड़ जमा 35 करोड़, यानी 145 करोड़। यह संख्या किसी भी सरकारी जनगणना से बड़ी है क्योंकि यह प्रयोग के आधार पर गिनी गई संख्या है, कागज के आधार पर नहीं।

अब दुनिया के नक्शे को और बड़ा करिए। आज दुनिया का कोई देश ऐसा नहीं है जहाँ भारतीय, पाकिस्तानी, नेपाली और बांग्लादेशी न रहते हों। खाड़ी देशों दुबई, सऊदी अरब, कतर, ओमान, कुवैत में 1 करोड़ से ज्यादा भारतीय और पाकिस्तानी मजदूर और व्यापारी रहते हैं और वहाँ केरल का नर्स और यूपी का मिस्त्री आपस में हिंदी में ही बात करता है, क्योंकि हिंदी ही वहाँ की संपर्क भाषा बन गई है। अमेरिका में 50 लाख, कनाडा में 25 लाख, ब्रिटेन में 20 लाख, ऑस्ट्रेलिया में 10 लाख भारतीय बसे हैं, फिजी में हिंदी सरकारी भाषा है, मॉरीशस की संसद में हिंदी बोली जाती है, सूरीनाम, त्रिनिदाद और गुयाना में आज भी भोजपुरी और हिंदी गीत गाए जाते हैं। इन लोगों की दूसरी और तीसरी पीढ़ी भले ही स्कूल में अंग्रेजी पढ़ती हो, लेकिन घर में दादी से वीडियो कॉल पर वह हिंदी में ही कहती है - दादी, पैर छू रही हूँ। ऐसे 8 करोड़ लोग दुनिया भर में फैले हैं जो रोज हिंदी से जुड़े हैं और हिंदी को जिंदा रखे हैं।

और अंत में वह सबसे नया परिवार जो पिछले दो साल में सबसे तेजी से बढ़ा है, यानी 5 करोड़ विदेशी प्रशंसक जो न भारतीय हैं, न पाकिस्तानी, फिर भी हिंदी से जुड़े हैं। रूस, जर्मनी, तुर्की, मिस्र, नाइजीरिया में लोग बिना सबटाइटल के हिंदी फिल्म देखते हैं, यूट्यूब पर हिंदी गानों के अरबों व्यूज इसी बात के गवाह हैं। दुनिया में 30 करोड़ से ज्यादा लोग योग करते हैं और योग के साथ वे नमस्ते, शांति, ध्यान, गुरु, कर्म जैसे हिंदी-संस्कृत शब्द सीखते हैं।

हिंदी दिवस की आवश्यकता: एक पुनर्मंथन

डॉ. अंकित भोई

उक्त पंक्तियों से हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार भारतेंदु हरिश्चंद्र ने बहुत पहले ही अपनी भाषा के महत्व पर बल दिया है। भाषा केवल विचारों को व्यक्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और पहचान की आधारशिला भी है। हिंदी केवल भारत की ही नहीं अपितु वैश्विक स्तर पर भी प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की एक बहुत बड़ी आबादी परस्पर संवाद हेतु हिंदी का प्रयोग करते हैं। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने हिंदी को देवनागरी लिपि में संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इसी ऐतिहासिक निर्णय की स्मृति में हिंदी दिवस मनाया जाता है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी हिंदी ने जनसामान्य तक विचार पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। महात्मा गांधी ने जनभाषा के महत्व पर बल दिया और हिंदी को देश के विभिन्न भागों के बीच संपर्क का माध्यम बनाने की आवश्यकता व्यक्त की।

विश्व की कोई भी भाषा मूलत: 'भाव' का ही पर्याय होती है। हिंदी भी इसका अपवाद नहीं है। प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विभिन्न संस्थाओं में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाएगा। हिंदी को अबला, अभागी, पीड़िता जैसे उद्बोधनों से विभूषित कर अंग्रेजी भाषा की निंदा में बहुत प्रलाप होंगे। संभवत: लंबे भाषणों के बाद हिंदी को माँ का दर्जा देने वाले तथाकथित साहित्य के सेवक थक जाएंगे और हिंदी दिवस के आयोजक संस्थान द्वारा प्रदत्त स्वल्पाहार ग्रहण कर घर चले जाएंगे। किसी भी भाषा की सार्थकता उसकी सर्वग्राह्यता और व्यावहारिकता में अंतर्निहित होती है। समाज में हिंदी के वास्तविक सेवकों की प्रथम पंक्ति में खड़े विभिन्न भाषा वैज्ञानिकों और वैयाकरणों को यह सुनिश्चित करना होगा कि वर्तमान तकनीकी युग में 'जेन जी' पीढ़ी तक किस प्रकार हिंदी भाषा का सरलतापूर्वक प्रसार किया जाए।

जब अंग्रेज भारत छोड़ गए, तब तय हुआ कि तत्काल सरकारी कामकाज की भाषा अंग्रेजी होगी और समय के साथ हिंदी भाषा को पूर्णरूपेण सरकारी कामकाज की भाषा बना दिया जाएगा। देश को आजाद हुए 80 से अधिक वर्ष हो चुके हैं किंतु आज तक उक्त निर्णय का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन संभव नहीं हो सका है। कागज पर नीतियों के निर्माण और धरातल पर उसके वास्तविक क्रियान्वयन में बहुत अंतर होता है। 'अपनी लकीर को लंबा करने के लिए, दूसरी लकीर को छोटा करने', का उदाहरण बहुत पुराना हो चुका है, तथापि देश में हिंदी और अंग्रेजी भाषा के समानांतर प्रयोग हेतु उक्त उदाहरण प्रयुक्त होते रहता है। समाज के मार्गदर्शक बुद्धिजीवी तबके का यह नैतिक दायित्व है कि वह नई पीढ़ी को भाषा के सांस्कृतिक महत्व को समझाए, जिससे उनके कोमल मन में व्याप्त भाषायी दुराग्रह का हरण संभव हो सके।

इस दिशा में देश का मनोरंजन जगतसतत क्रियाशील है। हिंदी की व्यापकता का एक ठोस उदाहरण भारतीय सिनेमा और टेलीविजन हैं। हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों ने हिंदी को भारत के बाहर भी लोकप्रिय बनाया है। इसी प्रकार आज यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर हिंदी में शिक्षा, विज्ञान, समाचार और मनोरंजन की सामग्री बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि डिजिटल युग में हिंदी केवल पारंपरिक भाषा नहीं रही, बल्कि नए माध्यमों के साथ स्वयं को ढाल रही है।

बहुत प्रसिद्ध कथन है, 'जो जमाने से आगे चलता है वह गड्ढे में गिरता है, जो जमाने से पीछे चलता है, जमाना उसे लात मार देती है, इसलिए आवश्यक है कि जमाने के साथ चलें। आज का समय केवल हिंदी या इंग्लिश का नहीं, बल्कि 'हिंग्लिश' का है। वर्तमान पीढ़ी अपने मोबाइल फोन पर एक 30 सेकंड के रील को भी पूरा नहीं देख पाती है, सामग्रियों की इतनी विविधता उपलब्ध है कि अरुचिकर सामग्रियों को दूध में गिरी मक्खी की भाँति हटाने में नई पीढ़ी ज्यादा समय नहीं लगाती है। ऐसा नहीं है कि उनमें धीरज का अभाव है, वे व्यर्थ चीजों में अपना बहुमूल्य समय गँवाना नहीं चाहते हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी भाषा का सरल प्रसार एक चुनौतीपूर्ण मसला है।

भारतीय पटल पर तकनीक के क्षेत्र में भी हिंदी का विस्तार दिखाई देता है। विभिन्न सॉफ्टवेयर की मदद सेआज मोबाइल फोन और कंप्यूटर में हिंदी में लिखना संभव है। वॉइस सर्च, अनुवाद और डिजिटल सहायक जैसी सुविधाएँ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने लगी हैं। इससे उन लोगों के लिए तकनीक का उपयोग आसान हुआ है, जो अंग्रेज़ी की अपेक्षा हिंदी में अधिक सहज हैं। तथापि हिंदी के सामने कई चुनौतियाँ हैं। उदाहरण के लिए विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के अभिभावक अंग्रेज़ी माध्यम को न केवल अपनी शान समझते हैं बल्कि बेहतर अवसरों से जोड़कर देखते हैं। देश के अधिकांश नौकरी के विज्ञापनों और व्यावसायिक संस्थानों में भी अंग्रेज़ी का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देता है। युवा वर्ग बातचीत में हिंदी के स्थान पर अत्यधिक अंग्रेज़ी शब्दों का प्रयोग को अपने व्यक्तित्व से जोड़कर देखते हैं। ऐसी स्थिति में हिंदी के कम होते महत्व की चिंता होती है।

हालाँकि समस्या अंग्रेज़ी सीखने में नहीं है। अंग्रेज़ी सहित अन्य भाषाओं का ज्ञान हमारे अवसरों को बढ़ाता है, लेकिन अपनी भाषा के प्रति हीनभावना उचित नहीं है, जो दुर्भाग्य से हमारे देश में भारी पैमाने पर मौजूद है ।जापान, फ्रांस और जर्मनी जैसे विकसित देशों ने अपनी भाषाओं को आधुनिक विज्ञान, तकनीक और उच्च शिक्षा से जोड़े रखा है। समय के साथ हमारे भारत में भी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता की पाठ्य-पुस्तकें, वैज्ञानिक सामग्री और तकनीकी संसाधन विकसित किए जा रहे हैं किंतु अभी तक यह अपर्याप्त ही सिद्ध हुआ है।

हिंदी के विकास के लिए केवल हिंदी दिवस पर भाषण और प्रतियोगिताएँ आयोजित करना पर्याप्त नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी लेखन, वाद-विवाद और रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विज्ञान और तकनीक के विषयों की अच्छी सामग्री हिंदी में उपलब्ध कराई जानी चाहिए। सरकारी और निजी संस्थानों को भी सरल और सहज हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए। हिंदी दिवस हमें यह याद दिलाता है कि भाषा का सम्मान केवल उसे बोलने से नहीं, बल्कि उसमें नए ज्ञान और नए विचारों का सृजन करने से होता है। हमें दूसरी भाषाएँ सीखनी चाहिए, पर अपनी भाषा को कमतर नहीं समझना चाहिए।

निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि हिंदी का भविष्य केवल सरकारी प्रयासों पर निर्भर नहीं है। विद्यार्थी, शिक्षक, लेखक, तकनीकी विशेषज्ञ और सामान्य नागरिक—सभी मिलकर हिंदी को ज्ञान, तकनीक और संवाद की सशक्त भाषा बना सकते हैं। हिंदी दिवस तभी सार्थक होगा, जब हिंदी का सम्मान केवल 14 सितंबर तक सीमित न रहकर हमारे व्यवहार और कार्यक्षेत्र में भी दिखाई दे।

सहायक प्राध्यापक (हिंदी)
शासकीय नवीन महाविद्यालय,
पिरदा, जिला -महासमुंद
(छत्तीसगढ़)
दूरभाष - 9685315484

हिंदी के प्रखर ध्वजवाहक बनें अध्यापक

डॉ. अर्पण जैन 'अविचल'

शिक्षा भारत की प्रगति के प्राण तत्त्व में से एक है, अनादि काल से शिक्षा संस्कृति ने भारत की प्रगतिशीलता की नींव को मज़बूत किया है और इसी के कारण आज भारत विश्व गगन में अपनी शक्ति, शौर्य, सजगता, सहजता, सरलता और संस्कारों का परचम लहरा रहा है। विश्व में भारत आज जिस प्रभुत्वसम्पन्नता का नगाड़ा बजा रहा है, उसकी आधारशिला भारत की भाषा, संस्कार और संस्कृति के साथ-साथ राष्ट्र निर्माता शिक्षक भी हैं।

किसी भाषा का भविष्य केवल उसके बोलने वालों की संख्या से तय नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसकी नई पीढ़ी उस भाषा में सोचती, सीखती और सपने देखती है या नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती, वह मनुष्य की स्मृतियों, संस्कारों, संवेदनाओं और ज्ञान की सबसे सशक्त वाहक होती है। हिंदी के संदर्भ में यह बात और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि हिंदी करोड़ों भारतीयों के जीवन, व्यवहार, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना से जुड़ी हुई भाषा है। हिंदी का विस्तार केवल साहित्यकारों, पत्रकारों, लेखकों या राजनेताओं के प्रयासों से संभव नहीं है। हिंदी को जन-जन की भाषा, ज्ञान-विज्ञान की भाषा और रोज़गार की भाषा बनाने में सबसे महत्त्वपूर्ण भूमिका जिस वर्ग की हो सकती है, वह है अध्यापक वर्ग।

अध्यापक केवल पाठ्यक्रम पूरा करने वाला व्यक्ति नहीं होता। वह विद्यार्थियों के विचारों को आकार देता है, उनकी भाषा को संस्कारित करता है और उनके भीतर अपनी संस्कृति तथा समाज के प्रति दृष्टि विकसित करता है।

आज विश्व हिंदी पर गर्व करता नज़र आ रहा है, विश्व में भारत सबसे बड़ा बाज़ार है। जनसंख्या की दृष्टि से देखें तब भी विश्व के सबसे बड़े देशों में भारत अग्रणी है और इसके कारण ही बाज़ार का महत्त्व भी अधिक है। और बाज़ार की भाषा हिन्दी है।

एक विद्यार्थी अपने शिक्षक से केवल विषय का ज्ञान नहीं प्राप्त करता, बल्कि उसके बोलने, लिखने, व्यवहार करने और सोचने की शैली से भी बहुत कुछ सीखता है। शिक्षक जिस भाषा को सम्मान देता है, विद्यार्थी भी उसी भाषा को सम्मान देना सीखते हैं। यदि अध्यापक स्वयं हिंदी बोलने में संकोच करे, हिंदी लिखने में लापरवाही बरते या विद्यार्थियों के सामने हिंदी को केवल एक परीक्षा-विषय के रूप में प्रस्तुत करे, तो विद्यार्थी के मन में भी हिंदी के प्रति वही दृष्टिकोण विकसित होगा।

इसके विपरीत, यदि शिक्षक सहजता और गर्व के साथ हिंदी का प्रयोग करे, हिंदी में ज्ञान-विज्ञान की चर्चा करे और यह विश्वास पैदा करे कि हिंदी में आधुनिक विषयों को समझना और समझाना पूरी तरह संभव है, तो विद्यार्थियों की भाषा संबंधी मानसिकता बदल सकती है।

आज देश में आवश्यकता है कि शिक्षक वर्ग स्वयं भी कक्षा में हिंदी में संवाद करें, बच्चों को हिंदी बोलने से रोके नहीं, हिंदी को केवल विषय की तरह नहीं, जीवन की भाषा की तरह समझाएँ, भाषा के प्रति हीनभावना समाप्त करें, विद्यालय के नोटिस, कार्यक्रमों के निमंत्रण, प्रमाण-पत्र, प्रोजेक्ट निर्देश, अध्ययन सामग्री और कक्षा संबंधी संवाद में हिंदी का सुंदर और व्यावहारिक प्रयोग सिखाएँ, हिंदी और रोज़गार के बारे में सिखाएँ, अवसर उपलब्ध करवाएँ, कक्षा को हिंदी की प्रयोगशाला बनाएँ, विद्यालय में हिंदी पखवाड़े तक सीमित न रहें, बल्कि पूरे वर्ष हिंदी के लिए गतिविधियाँ संचालित करें। विद्यार्थियों को हिंदी में लिखने, पढ़ने, बोलने और सृजन करने के अवसर दें।

एक शिक्षक यदि प्रतिवर्ष केवल सौ विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति सकारात्मक दृष्टि पैदा करता है और उनमें से दस विद्यार्थी आगे चलकर हिंदी के लिए काम करते हैं, तो यह एक दीर्घकालीन भाषाई आंदोलन का आधार बन सकता है। भाषा आंदोलनों को केवल बड़े मंचों की आवश्यकता नहीं होती। कभी-कभी एक शिक्षक की कक्षा ही सबसे बड़ा मंच बन जाती है।

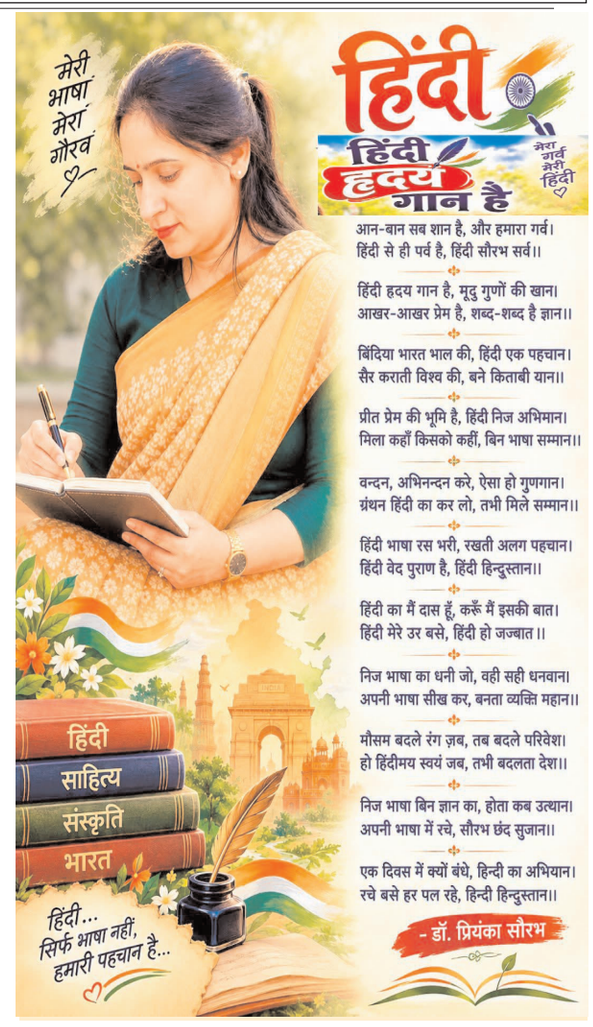

कविता

हिंदी आरती

आचार्य संजीव वर्मा 'सलिल'

भारती भाषा प्यारी की।
आरती हिन्दी न्यारी की...

'लोक' की भाषा है
हिंदी,
'तंत्र' की आशा है हिंदी।
करोड़ों जिव्हाओं-
आसीन
न कोई सकता इसको छीन।
ब्रम्ह की, विष्णु-पुरारी की
आरती हिन्दी न्यारी की।।

वाक्-ध्वनि हिंदी का आधार,
पाँच वर्गों बाँटे उच्चार।
बोलते जो वह लिखते आप-
वर्तनी स्वर-व्यंजन अनुसार।
नागरी लिपि सुविचारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

एकता पर हिंदी बलिहार,
वचन दो लिंग क्रिया व्यापार।
संधियाँ काल शक्ति हैं तीन-
विशेषण हैं हिंदी में चार।
पाँच अव्यय व्यवहारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

वर्ण हिंदी के अति सोहें,
शब्द मानव मन को मोहें।
काव्य रचना सुडौल सुन्दर
वाक्य लेते सबका मन हर।
छंद-सुमनों की क्यारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

समेटे ज्ञान-नीति-विज्ञान,
सीख-पढ़-लिख हों हम विद्वान।
विषय जो कठिन जटिल नीरस-
बना देती हिंदी रसवान।
विश्ववाणी गुणकारी की
आरती हिंदी न्यारी की।।

व्यंग्य केसरी

भाषण हिंदी में, व्हाट्सएप रोमन में

रविकांत राउत

चौदह सितंबर की सुबह दफ्तर के नोटिस बोर्ड पर एक चमकीला पोस्टर चस्पा हुआ — 'Hindi Pakhwada: 14 to 28 September, Celebrate Our Mother Tongue!' पोस्टर का शीर्षक अंग्रेज़ी में था, नीचे मोटे अक्षरों में हिंदी में लिखा था, 'अपनी भाषा पर गर्व करें।' जिस बाबू ने यह पोस्टर बनाया, उसने कंप्यूटर पर हिंदी कीबोर्ड ढूंढने में इतना वक्त गंवाया कि आखिर में पूरा मैटर अंग्रेज़ी में टाइप कर के गूगल ट्रांसलेट से हिंदी करवाना पड़ा, इस उम्मीद के साथ कि कोई शब्द अजीब न निकले। संयोग से एक जगह 'प्राउड' का अनुवाद 'गर्भवती' छपते-छपते बचा, वरना उद्घाटन समारोह में ही एक और उद्घाटन हो जाता।

मुख्य अतिथि जीएम साहब मंच पर आए, माइक संभाला, भाषण शुरू किया — 'आज हम सब यहां एकत्रित हुए हैं ताकि अपनी राजभाषा के प्रति... एक्चुअली, कमिटमेंट को रिन्यू कर सकें।' ज़ोरदार तालियां बजीं। पीछे बैठे तीन बाबू आपस में फुसफुसाए, 'सर ने राजभाषा दिवस पर ही राजभाषा को बीच रास्ते छोड़ दिया।' भाषण खत्म होते ही जीएम साहब मंच से उतरे और पीए से पूछा, 'व्हाट अबाउट हाई टी?' - ठेठ अंग्रेज़ी में, मानो हिंदी सिर्फ मंच तक सीमित एक वर्दी हो, जो भाषण खत्म होते ही उतार कर क्लोकरूम में टांग दी जाती है।

इसी बीच 'श्रेष्ठ हिंदी निबंध' प्रतियोगिता का परिणाम घोषित हुआ। विजेता निबंध का शीर्षक था 'मातृभाषा का महत्व', निर्णायक मंडल ने इसे भाव, भाषा और मौलिकता तीनों में उत्कृष्ट बताया। बाद में पता चला कि निबंध पहले चैटजीपीटी से अंग्रेज़ी में लिखवाया गया, फिर उसी ने हिंदी अनुवाद कर पेल दिया गया और लेखक महोदय ने सिर्फ अपना नाम हाथ से हिंदी में लिखा, बाकी पूरा दस्तावेज़ प्रिंटर से निकला हुआ था। पुरस्कार में मिला पांच सौ रुपये का चेक, जिसे जीतने वाले सज्जन ने उसी शाम दोस्तों के व्हाट्सएप ग्रुप में यह लिखकर सेलिब्रेट किया — 'Guys, hindi diwas mein mera essay first aaya, party pakki!'

शाम को 'हिंदी पखवाड़ा आयोजन समिति' का व्हाट्सएप ग्रुप भी जमकर सक्रिय रहा। ग्रुप का नाम देवनागरी में था, पर मैसेज कुछ यूं थे - 'Please sabko reminder bhej dein attendance ke liye।' किसी ने मज़ाक में लिख भी दिया, 'भाई हिंदी दिवस की प्लानिंग हिंदी में ही हो जाए तो सोने पे सुहागा', जिस पर एक ठहाके वाला इमोजी आया, फिर बात फिर वहीं अंग्रेज़ी में आगे बढ़ गई, क्योंकि डेडलाइन नज़दीक थी और वक्त कम।

पखवाड़ा जब पूरा हुआ, नोटिस बोर्ड से पोस्टर उतार दिया गया, फाइल में एक फोटोग्राफ और एक रिपोर्ट लगा दी गई जिसमें लिखा था, 'आयोजन अत्यंत सफल एवं उत्साहवर्धक रहा।' यह रिपोर्ट भी पहले अंग्रेज़ी में टाइप हुई थी, बाद में हिंदी में ढाली गई, क्योंकि दफ्तर का टेम्पलेट वैसा ही सेव था। अगले साल तक फिर भाषा वही रहेगी जो साल भर दफ्तर में चलती है, फिर माइक पर सिर्फ पंद्रह दिनों के लिए हिंदी उधार ले ली जायेगी.

जबलपुर, मध्यप्रदेश मो. 9425611243

इतिहास

14 सितंबर का ऐतिहासिक रूप से सबसे बड़ा महत्व भारत में हिंदी दिवस के रूप में है, क्योंकि इसी दिन 1949 में हिंदी को देश की राजभाषा बनाया गया था।

14 सितंबर के मुख्य ऐतिहासिक घटनाएँ

1949 (हिंदी को मान्यता): भारत की संविधान सभा ने लंबी चर्चा के बाद देवनागरी लिपि में लिखी गई हिंदी को आधिकारिक राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। इसके बाद साल 1953 से हर साल 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाने लगा।

2000 (अटल बिहारी वाजपेयी का संबोधन): भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने संयुक्त राज्य अमेरिका की कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया।

1812 (मॉस्को पर कब्जा): फ्रांसीसी सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट अपनी सेना के साथ मॉस्को शहर में दाखिल हुए।

एक व्यक्ति और एक परिवार की कीमत चुकाता था पूरा उत्तर प्रदेश: सीएम योगी

विश्व केसरी■

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गलती एक व्यक्ति करता है, लेकिन उसकी कीमत पूरे संस्थान को चुकानी पड़ती है। ठीक वैसे ही एक व्यक्ति और एक परिवार की कीमत उत्तर प्रदेश को पहचान के संकट, कानून व्यवस्था के भीषण संकट, अराजकता और भ्रष्टाचार के रूप में चुकानी पड़ती थी।

उन्होंने कहा कि कृत्य एक व्यक्ति गलत करता था और कीमत पूरा प्रदेश चुकाने को मजबूर होता था। आज पारदर्शिता और शुचिता के साथ आगे बढ़ रहे उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट नहीं है। प्रदेश के लोग कहीं भी सीना तानकर कह सकते हैं कि वे उत्तर प्रदेश के हैं।

मुख्यमंत्री योगी रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के षष्ठम स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नियुक्ति प्रक्रिया जितनी पारदर्शी होगी, परिणाम उतने ही फलदायी होंगे। अच्छे लोगों का चयन नहीं होगा, चयन प्रक्रिया में विसंगति, भेदभाव और शुचिता का अभाव होगा तो उसकी कीमत पूरे संस्थान को चुकानी पड़ेगी। पिछले साढ़े नौ वर्ष में प्रदेश में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी गई है। कोई यह नहीं कह सकता कि नियुक्ति में उसके साथ भेदभाव हुआ या किसी प्रकार

का लेनदेन हुआ। प्रदेश में लगभग 16 लाख सरकारी कर्मचारी हैं, जिनमें 9.5 लाख वर्तमान सरकार के कार्यकाल में भर्ती हुए हैं। यह युवा कार्यबल प्रदेश की प्रगति को नई गति दे रहा है।

सीएम योगी ने संस्थान में तैयार मुख्य चिकित्सा अंग प्रत्यारोपण यूनिट सहित कई अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लोकार्पण किया। इनमें 40 बेड का इमरजेंसी वार्ड, मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में 100 मरीजों की क्षमता वाला वेटिंग हाल, रेडिएशन आंकोलाजी विभाग में 4डी-सीटी सिम्युलेटर, पेट-सीटी मशीन, स्पेक्ट-सीटी मशीन, 1.5 टेस्ला एमआरआइ तथा पीएमआर विभाग में नेविगेटेड आरटीएमएस मशीन शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट का भी विमोचन किया। इस दौरान उन?होंने कहा कि अंग प्रत्यारोपण यूनिट से किडनी ट्रांसप्लांट की प्रतीक्षा सूची कम करने में मदद मिलेगी। बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा भी जल्द शुरू होने जा रही है।

संस्थान रोबोटिक सर्जरी, गामा नाइफ, एआइ आधारित डायग्नोस्टिक, एडवांस इमेजिंग, टेलीमेडिसिन और डिजिटल हेल्थ की दिशा में आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के 10 जिलों में वर्चुअल आइसीयू का संचालन किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि प्रदेश के सभी 75 जिलों के जिला अस्पतालों में 10-10 बेड पर निशुल्क डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई जा चुकी है। आयुष्मान भारत, मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, पंडित दीनदयाल उपाध्याय कैशलेस चिकित्सा और मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से जरूरतमंदों के उपचार के लिए धन उपलब्ध कराया जा रहा है। आज समस्या पैसे की नहीं है। सबसे बड़ी चुनौती किडनी ट्रांसप्लांट सहित गंभीर उपचार के लिए लंबी प्रतीक्षा सूची को कम करने की है।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में यह प्रश्न था कि यहां अस्पताल रहेगा या इसे संस्थान बनाया जाएगा। सरकार ने इसे संस्थान के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया। कभी 20 बेड के छोटे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के रूप में शुरू हुआ परिसर आज 1,400 बेड के सुपर स्पेशियलिटी संस्थान में बदल चुका है।

पाकिस्तान भारत के खिलाफ साजिश रचेगा भारतीय सेना देगी करारा जवाब: सुनील शर्मा

विश्व केसरी■

डोडा। जम्मू-कश्मीर से भाजपा नेता सुनील शर्मा ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ दुश्मन तैयार करेगा तो भारतीय सेना दुश्मनों को खत्म करेगी। भाजपा नेता का यह बयान उस वक्त आया है, जब मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान ने आतंकवादियों को ट्रेनिंग देना फिर से शुरू कर दिया है।

मीडिया से बातचीत में सुनील शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना ने जैसे सर्जिकल स्ट्राइक और एयरस्ट्राइक से आतंकियों के कैंप को खत्म किया गया था और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अपनी ताकत दिखाई थी और उन लॉन्च पैड को खत्म किया था, वैसे ही जब भी पाकिस्तान भारत के खिलाफ दुश्मन तैयार करेगा, भारतीय सेना अपनी ताकत दिखाएगी और उन्हें वहीं खत्म कर देगी।

नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर अपनी भविष्यवाणी को लेकर भाजपा नेता सुनील शर्मा ने कहा कि मैंने यह भविष्यवाणी बहुत पहले की थी। बहुत जल्द सुनेंगे कि नेशनल कॉन्फ्रेंस दो धड़ों में बंट गई है। मैंने यह भविष्यवाणी की थी और गंभीरता से कही थी। आज, मैं इसे फिर से गंभीरता से कह रहा हूं। यह परिवार टूटेगा, यह पार्टी टूटेगी और यह प्रोसेस शुरू हो चुका है। बहुत जल्द देखेंगे कि न तो सरकार बचेगी और न ही पार्टी। जिस दिन कैबिनेट में फेरबदल होगा, नेशनल कॉन्फ्रेंस ताश के पत्तों की तरह ढह जाएगी और एक भी विधायक इस परिवार के साथ खड़ा नहीं होगा। उनका अंत पक्का है और अंत की शुरुआत हो चुकी है।

ब्रिक्स समिट को लेकर उन्होंने कहा कि यह बहुत अच्छा इत्तेफाक है कि ब्रिक्स समिट इस समय भारत में हो रहा है। मेरा मानना ??है कि ब्रिक्स ग्रुप में शामिल सभी देशों की कुल आबादी दुनिया की आधी आबादी के बराबर है। साथ ही ब्रिक्स देशों का दुनिया की कुल जीडीपी में 40 प्रतिशत हिस्सा है। ब्रिक्स में अभी कई बड़ी डेवलप्ड और उभरती हुई इकॉनमी शामिल हैं। यह समिट 2047 तक एक डेवलप्ड देश बनने के भारत के इरादे की दिशा में एक बहुत अच्छा कदम है। कई देशों के हेड ऑफ स्टेट अभी भारत में हैं। जिस तरह से ब्रिक्स देशों ने कल पहलगाम हमले की एकमत से और कड़ी निंदा की, वह आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई को एक बड़ी इंटरनेशनल पहचान है।

आंध्र प्रदेश: लाल चंदन तस्करों के साथ झड़प में वन विभाग के तीन अधिकारी घायल

विश्व केसरी■

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार को लाल चंदन (रेड सैंडर्स) तस्करों और वन विभाग की टीम के बीच हुई कार्रवाई के दौरान तीन वन अधिकारी घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार, तस्करों ने नाकाबंदी तोड़ने की कोशिश में अपनी तेज रफ्तार गाड़ी वन विभाग की गश्ती वाहन में टक्कर मार दी।

यह घटना रोमपिचेरला मंडल के बोम्मायिगारिपल्ली गांव के पास हुई। वन विभाग को लाल चंदन की लकड़ियां ले जा रहे एक तस्कर गिरोह की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद विभाग ने 'ऑपरेशन अरण्य' के तहत सड़क पर गश्ती वाहन खड़ा कर तस्करों को रोकने की योजना बनाई।

बताया गया कि तस्करों ने रुकने के बजाय अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ा दी और वन विभाग के वाहन में जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में वन विभाग की गाड़ी का चालक और दो तस्कर भी घायल हो गए।

जान जोखिम में डालकर वनकर्मियों ने दो संदिग्ध तस्करों को पकड़ लिया। मौके से लाल चंदन की लकड़ियां, एक वजन मापने की मशीन, आरी का ब्लेड, कुल्हाड़ियां और तस्करी में इस्तेमाल किया गया वाहन भी जब्त किए गए। घायल वन अधिकारियों की पहचान वन अनुभाग अधिकारी के प्रकाश कुमार, वन बीट अधिकारी पी. रेड्डी प्रसाद और के. प्रताप के रूप में हुई है। वाहन चालक चरण भी घायल हुआ है। सभी घायलों को उपचार के लिए तिरुपति के एसवीआरआर सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राहुल कुछ भी बोलते रहें ब्रिक्स समिट रही सफल

विश्व केसरी■

मुरादाबाद। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और राहुल गांधी द्वारा 'नॉनवेज' को लेकर दिए गए बयान पर केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इस समिट में कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए थे और इसके बाद एक साझा बयान भी जारी किया गया। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए एक प्रस्ताव भी पारित किया गया।

रामदास आठवले से जब राहुल गांधी के 'नॉनवेज' वाले बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा कि राहुल गांधी नॉनवेज खाते होंगे, लेकिन यह मामला नॉनवेज से जुड़ा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि सभी देशों के प्रमुखों ने एक-दूसरे के सहयोग और आपसी समर्थन पर जोर दिया है। उनके अनुसार यह सम्मेलन सफल रहा है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कुछ भी बोलते रहें, लेकिन यहां किसी भी तरह का नॉनवेज का विषय नहीं है। दरअसल राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि जानकारी के लिए बता दें कि 80 प्रतिशत भारतीय मांसाहारी हैं। भारतीय मांसाहारी खाना बहुत स्वादिष्ट होता है और मेरी बहन के छोले-भटूरे भी। राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ब्रिक्स समिट के दौरान दिए गए रात्रि भोज के एक दिन बाद आया है। , जिसमें विदेशी मेहमानों के लिए वेज खाना परोसा गया था और इसका मेन्यू भी सामने आया था।

रामदास आठवले ने बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद को लेकर कहा कि यह बसपा का आंतरिक मामला है। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद को बार-बार पार्टी से निकाला जा रहा है, इसलिए उन्होंने उन्हें आह्वान किया है।

नागालैंड: संदिग्ध जहरीली शराब पीने से 9 लोगों की मौत, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी■

कोहिमा। नागालैंड के तुएनसांग जिले में जहरीली शराब पीने से पिछले तीन दिनों में नौ लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के तीन सदस्य भी शामिल हैं। घटना के बाद राज्य पुलिस ने रेड अलर्ट जारी करते हुए लोगों से अज्ञात या गैर-अधिकृत स्रोतों से खरीदी गई शराब का सेवन न करने की अपील की है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मृतकों ने कथित तौर पर संदिग्ध मिलावटी शराब पी थी, जिसके बाद उन्हें सांस लेने में दिक्कत होने लगी और बाद में उनकी मौत हो गई। हालांकि, मौतों के सटीक कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नागालैंड के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रुपिन शर्मा ने कहा कि शुरुआती जानकारी के आधार पर आशंका है कि सभी लोगों की मौत जहरीली शराब के सेवन के कारण हुई है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 10 और 11 सितंबर को तुएनसांग टाउन और चेंदांग सैडल क्षेत्र में कुल नौ मौतें दर्ज की गईं।

बयान में कहा गया कि मौजूदा जानकारी के आधार पर सभी मौतों का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शराब के सेवन से संबंध दिखाई देता है और इसी दिशा में जांच की जा रही है।

बयान के अनुसार, शराब बेचने वाले व्यक्ति के परिवार के एक सदस्य की फांसी लगने से मौत हुई है। पुलिस इस मामले की अलग से जांच कर रही है।

मेरठ में मस्जिद निर्माण को लेकर दो पक्ष आमने-सामने, थाने में दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी■

मेरठ। मेरठ के रेलवे रोड थाना क्षेत्र की केसरगंज दाल मंडी में मस्जिद के निर्माण को लेकर विवाद गहरा गया है। मस्जिद के कथित विवादित निर्माण का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है और रविवार को दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मामले को लेकर दोनों पक्षों ने थाने में शिकायती पत्र दिए हैं, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, केसरगंज दाल मंडी में स्थित एक मस्जिद में तीन दिन पहले निर्माण कार्य चल रहा था। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि यह निर्माण बिना अनुमति के किया जा रहा है।

शिकायत के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आपसी सहमति से निर्माण कार्य को रुकवा दिया था, लेकिन रविवार को इस मामले ने नया मोड़ ले लिया।

व्यापारी ईश्वरचंद ने आरोप लगाया कि मस्जिद के इमाम, मोहतमिम और अन्य लोगों ने उसके साथ बदसलूकी, मारपीट और धमकी दी। इस शिकायत पर पुलिस मस्जिद के इमाम और उनके बेटे को हिरासत में लेकर रेलवे रोड थाने ले आई। इमाम को हिरासत में लेने की सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए तहरीर दी। हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही भी थाने पहुंचे।

वहीं, दूसरी तरफ इमाम को हिरासत में लिए जाने की खबर पर एआईएमआईएम और समाजवादी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी थाने पहुंच गए। उन्होंने आरोप लगाया कि हिंदूवादी नेता सचिन सिरोही और एक मीडियाकर्मी ने जबरन मस्जिद में घुसने की कोशिश की, जिसका मौलाना ने विरोध किया।

दूसरे पक्ष का आरोप है कि सचिन सिरोही हिंदू संगठन की आड़ में शहर का माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे हैं। इसे हिंदू-मुस्लिम रंग देने की कोशिश की जा रही है। दूसरे पक्ष ने भी सचिन सिरोही और मीडियाकर्मी के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर ले ली है। तनाव को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

इस मामले में मेरठ एसपी सिटी विनायक भोसले ने कहा, 'हमें सूचना प्राप्त हुई।

मणिपुर सरकार का आग्रह, सिविल सोसाइटी समूहों से एनआरसी अपडेट करने को लेकर चल रहे आंदोलन वापस ले

विश्व केसरी■

इंफाल। मणिपुर सरकार ने रविवार को सिविल सोसाइटी संगठनों (सीएसओ) से आग्रह किया कि वे राज्य में नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स (एनआरसी) को अपडेट करने की अपनी मांग को लेकर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों को वापस ले लें, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के दफ्तरों को बंद करना भी शामिल है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता थोकचोम राधेश्याम सिंह और सपम रंजन सिंह, जो दोनों ही सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के विधायक हैं, ने कहा कि 'कैंपेन फॉर जस्टिस एंड फेयर डेलिमिटेशन' (सीजेएफडी) जैसे नागरिक समाज संगठनों

(सीएसओ) के विरोध प्रदर्शनों के तहत केंद्र और राज्य सरकार के दफ्तर बंद होने से आम जनता को परेशानी और दिक्कत हो रही है।

उन्होंने सभी संबंधित लोगों से अपील की कि वे जनता की परेशानियों और दिक्कतों को और न बढ़ाएं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राधेश्याम सिंह ने कहा कि राज्य सरकार सीजेएफडी की मांग से पूरी तरह वाकिफ है और मणिपुर के लोग भी चाहते हैं कि 2027 की जनगणना से पहले एनआरसी (नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटिजन्स) का काम पूरा हो। उन्होंने कहा कि मणिपुर विधानसभा के हालिया सत्र में 2027 की जनगणना से पहले एनआरसी को अपडेट करने के अपने पुराने प्रस्ताव को फिर से दोहराया गया और मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने इस बारे में केंद्र सरकार को जानकारी दे दी है।

राधेश्याम सिंह ने आगे कहा कि हाल ही में खत्म हुए विधानसभा सत्र के आखिरी दिन सदन में एनआरसी के लिए 1951 को आधार वर्ष (बेस ईयर) मानने पर चर्चा हुई थी और यह मामला केंद्रीय गृह मंत्रालय तक पहुंचा दिया गया है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में मणिपुर विधानसभा के सदस्यों के अभियान के बाद मुख्यमंत्री ने भी लोगों की इच्छा के बारे में केंद्रीय नेताओं को बताया।

मथुरा सपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष को मारा थप्पड़ अब 17 कार्यकर्ताओं समेत दो नेता पार्टी से निष्कासित

विश्व केसरी■

आगरा। समाजवादी पार्टी ने अनुशासनहीनता के मामले में बड़ी कार्रवाई की। मथुरा में ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान हुई मारपीट और गाली-गलौज के मामले में सपा ने सख्त कदम उठाते हुए दो प्रमुख कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। साथ ही 17 पुराने कार्यकर्ताओं को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया है।

मामला मथुरा सपा कार्यालय का है, जहां ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान सांसद सनातन पांडेय की बैठक चल रही थी। बैठक के दौरान कहासुनी इतनी बढ़ गई कि मारपीट तक हो गई। आरोप है कि इस दौरान सपा के जिलाध्यक्ष को थप्पड़ मार दिया गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसके बाद पार्टी हाईकमान ने इसे गंभीरता से लिया।

इस मामले में कार्रवाई करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, पूर्व सांसद अरविन्द कुमार सिंह ने एक कार्यालय ज्ञापन जारी किया है। ज्ञापन में कहा गया है कि भारत भूषण शर्मा, निवासी 50 के. सराय आजमाबाद, पोस्ट कृष्णानगर, जनपद-मथुरा तथा राघवेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम असगरपुर, पोस्ट सतोहा, जनपद-मथुरा को समाजवादी पार्टी से निष्कासित किया जाता है। बताया जा रहा है कि राघवेंद्र तोमर पार्टी के पुराने और सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। वह 2019 से 2022 तक छात्र सभा का जिलाध्यक्ष रहे और 2022 से 2024 तक यूथ ब्रिगेड का जिलाध्यक्ष रहे। वहीं भारत भूषण शर्मा भी पार्टी में लंबे समय से सक्रिय थे।

हालांकि, निष्कासित किए गए कार्यकर्ताओं ने पार्टी पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप लगाया है। राघवेंद्र तोमर का कहना है कि बैठक में दोनों तरफ से कहासुनी हुई थी, लेकिन पार्टी ने बिना पूरी जांच के सिर्फ उन्हें निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका भी नहीं दिया गया।

इस कार्यालय ज्ञापन की कॉपी राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, जिलाध्यक्ष मथुरा और राष्ट्रीय अध्यक्ष के निजी सचिव को भी भेजी गई है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि ब्राह्मण सम्मेलन को लेकर मथुरा में लंबे समय से गुटबाजी चल रही थी। सम्मेलन की तैयारियों को लेकर दो गुटों में विवाद था।

झारखंड के लिए 5 मेडल जीतने वाली सुनीता कर रहीं झाड़ू-पोछा

विश्व केसरी■

रांची। झारखंड के खेल निदेशालय में गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ी सुनीता उरांव के झाड़ू-पोछा करने का मामला सामने आने के बाद नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है।

मरांडी ने कहा है कि थ्रोबॉल और वॉलीबॉल में झारखंड के लिए दो गोल्ड सहित पांच मेडल जीतने वाली खिलाड़ी को उसकी योग्यता के अनुरूप सम्मानजनक रोजगार मिलना चाहिए। सुनीता उरांव पिछले कई वर्षों से रांची के मोरहाबादी स्थित खेल निदेशालय परिसर में झाड़ू-पोछा का काम कर रही हैं।

सुनीता उरांव के मुताबिक, उन्हें इसके लिए करीब 10 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं, लेकिन कई बार

भुगतान में देरी होती है। वह करीब आठ घंटे काम करती हैं और मिलने वाला पैसा किराया तथा दूसरी जरूरतों में खर्च हो जाता है। सुनीता ने थ्रोबॉल और वॉलीबॉल में झारखंड का प्रतिनिधित्व करते हुए दो गोल्ड, एक सिल्वर सहित पांच मेडल जीते हैं।

उन्होंने तमिलनाडु और राजस्थान में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लिया है। सुनीता के माता-पिता नहीं हैं और वह अपने भाई-भाभी के साथ रहती हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। उनका एक भाई ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करता है। सुनीता का कहना है कि आर्थिक मजबूरी के कारण उसे यह काम करना पड़ रहा है।

सुनीता ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपनी योग्यता के अनुरूप नौकरी दिलाने की अपील करते हुए कहा कि वह अपनी मेहनत और खेल प्रतिभा के दम पर आगे बढ़ना चाहती हैं। झारखंड के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं के हित में काम करने के बजाय अन्य मदों में करोड़ों रुपये खर्च कर रही है।

यूएस फेड बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से अगले हफ्ते तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी अहम होने वाला है। अमेरिकी फेड की बैठक, कच्चे तेल की कीमत और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से भारतीय शेयर बाजार की चाल निर्धारित होगी।

ब्याज दरों की समीक्षा के लिए अमेरिकी फेड की बैठक 15-16 सितंबर, 2026 को प्रस्तावित है। यह बैठक ऐसे समय पर हो रही है, जब महंगाई दर और बॉन्ड यील्ड उच्च स्तर पर हैं। ऐसे में फेड के निर्णय पर सभी निवेशकों की निगाहें बनी हुई है।

वहीं, कच्चे तेल की कीमतें भी 100 डॉलर के ऊपर चली गई हैं। बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड का दाम 104.47 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 99.99 डॉलर पर था।

अगले हफ्ते घरेलू स्तर पर भी कई अहम आंकड़े आने वाले हैं, जिसमें थोक महंगाई दर, खुदरा महंगाई दर, आयात-निर्यात, यात्री वाहन, बेरोजगारी और विदेशी मुद्रा भंडार से जुड़े डेटा शामिल होंगे।

सोमवार को गणेश चतुर्थी होने के कारण

अगले हफ्ते शेयर बाजार में पहला कारोबारी सत्र मंगलवार को होगा।

इसके अतिरिक्त, बीते हफ्ते बाजार का प्रदर्शन कमजोर रहा था। इस दौरान सेंसेक्स 1,733.67 अंक या 2.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 74,781.76 और निफ्टी 499.60 अंक या 2.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,398.10 पर बंद हुआ।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी कमजोरी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 881.85 अंक या 1.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 62,197.20 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 189.15 अंक या 0.94 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 19,906.30 पर था।

सूचकांकों में सबसे अधिक गिरावट निफ्टी रियल्टी (-6.54 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (-5.78 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (-2.39 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (-2.29 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (-2.24 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (-1.98 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (-1.94 प्रतिशत) और निफ्टी एफएमसीजी (-1.83 प्रतिशत) में देखी गई।

दूसरी तरफ निफ्टी हेल्थकेयर (0.51 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (0.21 प्रतिशत) और निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.15 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए।

नई पीएनजी योजना से घरेलू कनेक्शन होंगे तेज : सरकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। घरेलू पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन के लिए सरकार की नई प्रोत्साहन योजना का मकसद घरों में स्वच्छ ईंधन का विस्तार तेज करना है। सरकार ने रविवार को कहा कि इस पहल से नए कनेक्शन में निवेश करने वाली कंपनियों के लिए लागत वसूली की अवधि लगभग 10 साल से घटकर करीब 3 साल रह जाएगी।

घरेलू पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना 18 अगस्त को लॉन्च की गई थी और 1 सितंबर से लागू हो गई है। इसका मकसद सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) कंपनियों को बिना बिल वाले कनेक्शनों को सक्रिय, बिल वाले कनेक्शन में बदलने और नए क्षेत्रों में पीएनजी नेटवर्क का विस्तार करने के लिए प्रोत्साहित करके सक्रिय घरेलू पीएनजी कनेक्शनों की संख्या बढ़ाना है।

सरकार के अनुसार, 18 अगस्त तक देश भर में लगभग 1.74 करोड़ घरेलू पीएनजी कनेक्शन थे। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का विकास पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस नियामक बोर्ड (पीएनजीआरबी) द्वारा अधिकृत संस्थाओं द्वारा किया जा रहा है, जिसने देश की पूरी मुख्य भूमि को कवर करने वाले 309 भौगोलिक क्षेत्रों में संस्थाओं को अधिकृत किया है। नई योजना के तहत हर भौगोलिक क्षेत्र के लिए घरेलू कनेक्शनों की न्यूनतम सीमा तय की गई है। जो पात्र सीजीडी कंपनियां प्रदर्शन अवधि के दौरान निर्धारित सीमा से ऊपर बिल वाले घरेलू कनेक्शन जोड़ेंगी, उन्हें हर अतिरिक्त कनेक्शन के लिए 200 स्टैंडर्ड क्यूबिक मीटर (एससीएम) घरेलू स्तर पर उत्पादित एपीएम गैस का अतिरिक्त आवंटन मिलेगा।

यह अतिरिक्त एपीएम गैस आवंटन सीजीडी कंपनियों द्वारा अपने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (ट्रांसपोर्ट) सेगमेंट के लिए वर्तमान में सोर्स की जाने वाली अधिक महंगी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की जगह लेगा। एलएनजी के स्थान पर कम कीमत वाली घरेलू एपीएम गैस के आने से सीजीडी कंपनियों के लिए गैस सोर्सिंग की कुल लागत कम होने की उम्मीद है।

भारतीय रेलवे में माल ढुलाई अगस्त में 5.4 प्रतिशत बढ़ी, यात्री यातायात में भी मजबूत वृद्धि

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की माल ढुलाई में अगस्त 2026 में सालाना आधार पर 5.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस दौरान यात्री यातायात में भी वृद्धि हुई, जो देशभर में रेल परिवहन की लगातार बनी मांग को दर्शाता है। यह जानकारी रेल मंत्रालय द्वारा रविवार को दी गई।

रेलवे ने अगस्त 2026 में 13.79 करोड़ टन माल की ढुलाई की, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 13.09 करोड़ टन था। महीने के दौरान माल ढुलाई से होने वाले राजस्व में भी सालाना आधार पर 6.27 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

माल ढुलाई में बढ़ोतरी को कई प्रमुख वस्तुओं की अधिक लोडिंग से समर्थन मिला। लौह अयस्क की लोडिंग में 12.1 प्रतिशत, क्लिंकर में 10.4 प्रतिशत, घरेलू कंटेनरों में 9.2 प्रतिशत और

कोयले में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। तैयार इस्पात की लोडिंग 4.9 प्रतिशत बढ़ी, जबकि खनिज तेल और उर्वरकों में क्रमश: 3.1 प्रतिशत और 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अन्य वस्तुओं की लोडिंग में 8.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

माल ढुलाई में यह वृद्धि उद्योगों के लिए रेल आधारित आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करने और विभिन्न क्षेत्रों में आवश्यक वस्तुओं, कच्चे माल तथा तैयार माल की आवाजाही को बेहतर बनाने में मदद करेगी।

रेलवे नेटवर्क ने महीने के दौरान माल संभालने के अपने बुनियादी ढांचे का भी विस्तार किया और पांच नए गति शक्ति कार्गो टर्मिनल (जीसीटी) शुरू किए। ये नए टर्मिनल गुजरात के शिवलखा, तमिलनाडु के नल्ली, उत्तर प्रदेश के शक्तिनगर, मध्य प्रदेश के देवराग्राम और ओडिशा के ब्रजराजनगर में स्थित हैं।

इन नए टर्मिनलों के साथ 31 अगस्त 2026 तक शुरू किए जा चुके गति शक्ति कार्गो टर्मिनलों की कुल संख्या 149 हो गई है। इन टर्मिनलों का उद्देश्य उत्पादन और खपत केंद्रों के करीब माल संभालने की सुविधाएं उपलब्ध कराना और कार्गो की आवाजाही को अधिक कुशल बनाना है।

यात्री क्षेत्र में भी रेलवे का प्रदर्शन शानदार रहा है। भारतीय रेलवे ने अगस्त 2026 में 67.27 करोड़ यात्रियों को यात्रा कराई, जबकि अगस्त 2025 में यह संख्या 64.43 करोड़ थी। उपनगरीय यात्री यातायात में विशेष रूप से मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। इसमें 9.02 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यात्रियों की संख्या एक साल पहले के 34.89 करोड़ से बढ़कर 38.01 करोड़ हो गई।

टेस्ला लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को अगली पीढ़ी की रोडस्टर को करेगी लॉन्च

विश्व केसरी

मुंबई। इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने घोषणा की कि कंपनी लंबी देरी के बाद एक अक्टूबर को रोडस्टर लॉन्च करेगी। टेस्ला रोडस्टर की पहली जनरेशन को करीब एक दशक पहले बाजार में उतारा गया था।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर टेस्ला ने एक पोस्ट में कहा, 'गो फॉर लॉन्च', साथ ही इसमें एक पोस्टर भी था, जिसमें इसकी तारीख एक अक्टूबर दी गई थी।

इस पोस्ट के रिप्लाई में मस्क ने कहा, 'नई टेस्ला रोडस्टर 10.01 को लॉन्च की जाएगी।'

इससे पहले कुछ रिपोर्ट्स में अगस्त में दावा किया गया था कि टेस्ला नए डिजाइन वाली रोडस्टर को जल्द ही लॉन्च करने की योजना बना रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस इवेंट में स्पेसएक्स के साथ मिलकर बनाए गए कोल्ड-गैस थ्रस्टर्स वाले लिमिटेड-एडिशन वर्जन का डेमो दिखाया जा सकता है।

टेस्ला ने सबसे पहले 2017 में अगली पीढ़ी की रोडस्टर लाने का ऐलान किया था और कहा था कि इसकी डिलीवरी 2020 में शुरू हो जाएगी, लेकिन इस प्रोग्राम में बार-बार देरी हुई है।

यह कदम टेस्ला द्वारा पिछले हफ्ते ऑस्टिन, टेक्सास के कुछ इलाकों में अपनी दो-सीटर साइबरकैब में राइड्स की सुविधा शुरू करने के बाद उठाया गया है। इस साइबरकैब में न तो स्टीयरिंग व्हील है और न ही पैडल। मस्क ने इस गाड़ी को टेस्ला को ड्राइवरलेस गाड़ियों के क्षेत्र में एक बड़ी ताकत बनाने के लिए अहम बताया है।

खबरों के मुताबिक, नई रोडस्टर अब एक आम हाई-परफॉर्मेंस ईवी से बदलकर पूरी तरह से नई कार्बन-फाइबर हाइपरकार बन गई है।

नई रोडस्टर के लॉन्च से पहले टेस्ला के शेयर में तेजी देखी गई। बीते एक महीने में टेस्ला ने 7 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न दिया है। हालांकि, सालाना आधार पर इसमें करीब 10 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है।

ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के लिए नॉन-टैरिफ बाधाओं को हटाना और आसान पेमेंट सिस्टम जरूरी : ईईपीसी इंडिया

विश्व केसरी

नई दिल्ली। देश की इंजीनियरिंग एक्सपोर्ट को बढ़ावा देने वाली मुख्य संस्था ईईपीसी इंडिया ने ब्रिक्स देशों के बीच गैर-शुल्क बाधाओं (नॉन-टैरिफ बैरियर्स) को खत्म करने और आसान पेमेंट सिस्टम बनाने की मांग की है। उसने कहा है कि ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार को नई गति देने के लिए नॉन-टैरिफ बैरियर्स को समाप्त करना और स्थानीय मुद्राओं में आसान पेमेंट सिस्टम विकसित करना बेहद आवश्यक है।

ईईपीसी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा ने कहा कि भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाली लगभग 75 प्रतिशत समस्याओं का समाधान गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने और राष्ट्रीय मुद्राओं में तेज एवं प्रभावी भुगतान व्यवस्था लागू करने से हो सकता है।

उन्होंने कहा, 'एक्सपोर्टर्स को होने वाली लगभग 75 प्रतिशत समस्याओं को नॉन-टैरिफ बाधाओं को हटाकर और अलग-अलग देशों की अपनी करेंसी में आसान और कुशल पेमेंट सिस्टम अपनाकर हल किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच नॉन-टैरिफ बाधाओं पर समझौता करना समय की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'हम ब्रिक्स देशों के बीच नॉन-टैरिफ बाधाओं पर एक आम समझौता कर सकते हैं और कुछ स्टैंडर्ड्स पर सहमत हो सकते हैं। हालांकि हम इस पर कुछ समय से चर्चा कर रहे हैं,

लेकिन अब इसे लागू करने का समय आ गया है।'

उन्होंने बताया कि यह एक आम बात है कि ज्यादातर देशों में नॉन-टैरिफ उपायों से एक्सपोर्ट की लागत टैरिफ की तुलना में ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए व्यापार करने वाले देशों के बीच रेगुलेटरी प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है।

ब्रिक्स समूह वर्तमान में वैश्विक व्यापार का लगभग एक-चौथाई हिस्सा प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में यदि सदस्य देश गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने और भुगतान प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सफल होते हैं, तो समूह की वैश्विक व्यापार में हिस्सेदारी और बढ़ सकती है।

भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इंजीनियरिंग उत्पाद देश के सबसे बड़े निर्यात क्षेत्रों में से एक हैं। उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल वस्तु निर्यात (मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट) में इंजीनियरिंग निर्यात की हिस्सेदारी लगभग 27 प्रतिशत है।

ब्रिक्स देशों में ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, सऊदी अरब और दक्षिण अफ्रीका भारतीय इंजीनियरिंग उत्पादों के प्रमुख बाजार हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि ईईपीसी इंडिया भारत का प्रमुख व्यापार एवं निवेश प्रोत्साहन संगठन है। यह वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रायोजित (स्पॉन्सर्ड) है और भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र को सेवाएं प्रदान करता है। मंत्रालय द्वारा इसे भारत में आदर्श ईपीसी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

ईपीसी इंडिया पिछले 70 से अधिक वर्षों में भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात का प्रतीक रहा है। इस दौरान भारत 1950 के दशक में मात्र 10 मिलियन डॉलर के इंजीनियरिंग निर्यातक देश से बढ़कर 122.43 अरब डॉलर (अप्रैल 2025-मार्च 2026) का देश बन गया।

मध्य पूर्व में तनाव असर! एफपीआई ने सितंबर में अब तक 14,474 करोड़ रुपए की बिकवाली की

विश्व केसरी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से इस महीने अब तक (1-12 सितंबर तक) 14,474 करोड़ रुपए इक्विटी मार्केट से निकाले गए हैं। इससे पहले जुलाई और अगस्त में सकारात्मक इनफ्लो दर्ज किया गया था।

वहीं, प्राइमरी मार्केट (आईपीओ) में एफपीआई निवेश अब तक सकारात्मक 1,336 करोड़ रुपए पर बना हुआ है, जिससे इस साल प्राइमरी मार्केट में कुल एफपीआई निवेश बढ़कर 47,183 करोड़ रुपए हो गया है। इस बीच, पूरे हफ्ते भारतीय इक्विटी बाजार पर काफी दबाव बना रहा और निफ्टी 50 में लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट दर्ज की गई। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई और महंगाई,

ग्लोबल ब्याज दरों और आर्थिक विकास को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। इस कारण बाजार में बड़े पैमाने पर बिकवाली हुई और हफ्ते के दौरान प्रमुख सेक्टर गिरावट के साथ बंद हुए।

मार्केट के जानकारों का कहना है कि घरेलू इक्विटी के लिए कच्चे तेल की कीमतें एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के सतर्क बने रहे और उनकी लगातार बिकवाली घरेलू इक्विटी के लिए एक बड़ी बाधा बन रही है। इसके उलट, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने पिछले हफ्ते 6,419.46 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की, जिससे विदेशी बिकवाली के असर को कम करने और घरेलू इक्विटी मार्केट में और गिरावट को रोकने में मदद मिली। आगे चलकर, एफपीआई का निवेश ईरान-अमेरिका के बीच तनाव और उसके कारण कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाले असर से काफी हद तक प्रभावित होगा। जानकारों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और बढ़ती महंगाई का मतलब है कि मॉनेटरी पॉलिसी सख्त होगी, जिससे बॉन्ड यील्ड और बढ़ेगी। आने वाले हफ्ते में ग्लोबल मैक्रो-इकोनॉमिक और जियो-पॉलिटिकल जोखिमों के कारण भारतीय इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना है।

बिजली की आपूर्ति पूरा करने जेनरेटर और खुले बाजार का सहारा ले रही तमिनाडु सरकार

विश्व केसरी

चेन्नई। लंबे समय तक गर्मी रहने और हवा से बिजली का उत्पादन कम होने के कारण राज्य के बिजली नेटवर्क पर दबाव बढ़ गया है। इसे देखते हुए तमिलनाडु सरकार ने बिजली बनाने वाली कंपनियों और खुले बाजार से अतिरिक्त 2,000 एम डब्ल्यू बिजली खरीदने का फैसला किया है।

बिजली की खपत में भारी बढ़ोतरी और कई जिलों में सप्लाई में रुकावट की खबरों के बीच तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीएनपीडीसीएल) ने यह इमरजेंसी खरीद शुरू की है। कॉरपोरेशन को उम्मीद है कि इस अतिरिक्त बिजली से मांग और सप्लाई के बीच के अंतर को कम करने और बिना रुकावट बिजली सप्लाई

बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यह कदम कुछ इलाकों में बिना किसी सूचना के एक घंटे तक बिजली कटौती की शिकायतों के बाद उठाया गया है। लोगों ने कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन भी किया, उन्होंने बिना पहले से बताए बिजली कटौती का आरोप लगाया और भरोसेमंद बिजली सप्लाई बहाल करने के लिए तुरंत कदम उठाने की मांग की। बिजली मंत्री आर. निर्मलकुमार ने कहा कि तमिलनाडु में लगातार दो दिनों तक बिजली की कमी की वजह विंड एनर्जी (हवा से बनने वाली बिजली) के उत्पादन में अचानक आई गिरावट थी। सप्लाई की ऐसी ही दिक्कतें कई राज्यों में देखी गईं और यह सिर्फ तमिलनाडु तक सीमित नहीं थीं। मंत्री ने बताया कि कमी को पूरा करने के लिए जरूरी बिजली शुक्रवार शाम को कॉमन पावर सप्लाई पूल से ली गई थी। उन्होंने कहा कि बिजली लेने के बाद पूरे तमिलनाडु में बिजली सप्लाई सामान्य हो गई।

टीएनपीडीसीएल ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा कि इस साल गर्मी जैसा मौसम उम्मीद से ज़्यादा समय तक बना रहा, जिससे बिजली की खपत काफी बढ़ गई।

न तुलसी चढ़ाएं, न लगाएं ऐसा भोग...गणेश चतुर्थी पर बप्पा की पूजा में ये गलती घातक

14 सितंबर को गणेश चतुर्थी है. इस दिन घरों और सार्वजनिक पंडालों में बप्पा की स्थापना की जाएगी. लोकल 18 से अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि पूजा के दौरान फूल, फल, मोदक, दूर्वा समेत कई सामग्री गणपति को अर्पित की जाती है, लेकिन पूजा सामग्री चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है. गणपति को मोदक, लड्डू, फल और सात्विक भोजन का भोग लगाया जा सकता है. तुलसी के पत्ते अर्पित न करें. दूर्वा अर्पित कर सकते हैं. पूजा में मुरझाए, सूखे या खराब फूलों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.

गणेश चतुर्थी पर श्रद्धालु विधि-विधान से गणपति की स्थापना कर उनकी पूजा-अर्चना करते हैं. मान्यता है कि विघ्नहर्ता गणेश की पूजा करने से जीवन के संकट दूर होते हैं और शुभ कार्यों में सफलता के मार्ग प्रशस्त होते हैं. हालांकि गणपति पूजा के दौरान कुछ ऐसी चीजों का इस्तेमाल करने से बचने की धार्मिक मान्यता है, जिन्हें भगवान गणेश को अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता. लोकल 18 से अयोध्या के ज्योतिष पंडित कल्कि राम बताते हैं कि इस वर्ष गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर को मनाया जाएगा. घरों और सार्वजनिक पंडालों में बप्पा की स्थापना की जाएगी. पूजा के दौरान फूल, फल, मोदक, दूर्वा समेत कई सामग्री भगवान को अर्पित की जाती है, लेकिन पूजा सामग्री चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है.

पंडित कल्कि राम बताते हैं कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-पाठ और भगवान को लगाए जाने वाले भोग में लहसुन और प्याज का इस्तेमाल नहीं किया जाता, इसलिए गणेश चतुर्थी पर अगर घर में बप्पा के लिए प्रसाद या भोग तैयार किया जा रहा है, तो उसमें लहसुन-प्याज का प्रयोग करने से बचने की सलाह दी जाती है. गणपति को मोदक, लड्डू, फल और सात्विक भोजन का भोग लगाया जा सकता है.

पहनाएं कैसा कपड़ा

पंडित कल्कि राम के मुताबिक, भगवान गणेश की पूजा में तुलसी के पत्ते अर्पित न करने की धार्मिक मान्यता भी प्रचलित है. पौराणिक कथा के अनुसार, तुलसी और भगवान गणेश से जुड़ा एक प्रसंग बताया जाता है, जिसके कारण गणेश पूजा में तुलसी दल का इस्तेमाल वर्जित माना गया. इसके विपरीत दूर्वा भगवान गणेश को अत्यंत प्रिय मानी जाती है, इसलिए भक्त पूजा के दौरान उन्हें दूर्वा अर्पित करते हैं. गणेश पूजा में भगवान को काले या नीले रंग के वस्त्र न पहनाने की मान्यता है. पूजा में लाल, पीले और दूसरे शुभ रंगों के वस्त्रों का प्रयोग अधिक उपयुक्त माना जाता है.

केतकी का फूल वर्जित

धार्मिक मान्यताओं में केतकी के फूल का संबंध भगवान शिव से जुड़ी एक पौराणिक कथा से है. इसी कारण भगवान गणेश की पूजा में भी केतकी के फूल अर्पित न करने की परंपरा है. इसके अलावा पूजा में मुरझाए, सूखे या खराब फूलों का इस्तेमाल भी नहीं करना चाहिए. गणपति को ताजे और सुगंधित फूल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

प्याज और आलू की पकौड़ी खा-खाकर थक गए? घर पर फटाफट बनाएं 'कच्चे केले के पकोड़े', यहां जानें आसान रेसिपी

बरसात के मौसम में आप प्याज और आलू के पकोड़े खा-खाकर पक चुके हैं और कुछ टेस्टी ट्राई करना चाहते हैं तो कच्चे केले के पकोड़े आपके लिए परफेक्ट रेसिपी है. आइए जानते हैं कि कैसे तैयार करें ये पकौड़ी.

बारिश का मौसम हो और कुछ चटपटा खाने का मन ना हो, ऐसा हो ही नहीं सकता है. मानसून आते ही गरमागरम पकौड़े खाने का मन करने लगता है. अगर आप प्याज और आलू के पकौड़ों से कुछ अलग ट्राई करना चाहते हैं, तो कच्चे केले के पकौड़े एक बेस्ट ऑप्शन है. बाहर से कुरकुरे और अंदर से नरम ये पकौड़े घर पर आसानी से तैयार किए जा सकते हैं. इन्हें चाय, हरी चटनी या टमाटर की चटनी के साथ परोसा जा सकता है. आइए जानते हैं कि कच्चे केले के पकौड़े कैसे तैयार कर सकते हैं.

कच्चे केले के पकौड़े बनाने की सामग्री की बात करें तो 3 से 4 कच्चे केले, 1 कप बेसन, 1 से 2 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, 1/2 चम्मच अजवाइन, 1/2 चम्मच हल्दी पाउडर, 1/2 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच धनिया पाउडर, चुटकीभर हींग, थोड़ा आटा, नमक, थोड़ा-सा गरम मसाला और तेल की जरूरत पड़ती है.

सबसे पहले कच्चे केले को अच्छी तरह धोकर छील लें. अब इन्हें पतले गोल या लंबे टुकड़ों में काट लें. एक कूकर में कच्चे केले के टुकड़ों को डालकर करीब 3 से 4 मिनट हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलने न पाएं. इसके बाद इन्हें पानी से निकालकर ठंडा होने दें.

अब एक बर्तन में उबले हुए कच्चे केले को निकालकर बारिश कर लें. इसे कुछ देर तक ठंडा होने के लिए छोड़ दें. इस बात का ध्यान रखें कि पेस्ट बनाते समय आप चम्मच का इस्तेमाल करें, वरना इससे आपके हाथ जल सकते हैं और पकौड़ी जल्दी खराब होने की संभावना बनी रहेगी.

इसके बाद इस बारिश केले के पेस्ट में बेसन, थोड़ा आटा, अजवाइन, हल्दी, लाल मिर्च, धनिया पाउडर, हींग, गरम मसाला, हरी मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें. इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए ऐसा घोल तैयार करें जो न बहुत पतला हो और न बहुत गाढ़ा.

अब कड़ाही में तेल गर्म करें. केले के प्रत्येक टुकड़े को, जिसे आपने बेसन के घोल में अच्छी तरह लपेट दिया है, गर्म तेल में डालें. पकौड़ों को मध्यम आंच पर तलें, ताकि वे अंदर से भी अच्छी तरह पक जाएं और बाहर से कुरकुरे रहें.

सुनहरा और कुरकुरा होने पर इन्हें प्लेट में निकाल लें. याद रहे कि आप इसके लेट को अच्छे से छान लें, वरना ज्यादा ऑयली खाने से टेस्ट खराब हो जाएगा. बस गरमागरम कच्चे केले के पकौड़ों को हरी चटनी, इमली की चटनी या टमाटर सॉस के साथ परोसें. बारिश के मौसम में एक कप गरम चाय के साथ इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

7.5 लाख में 21 दिन स्विट्जरलैंड! कपल ने बताया होटल से खाने तक का पूरा खर्च, जानें कैसे करनी है डील्स

स्विट्जरलैंड घूमना कई लोगों का सपना होता है, लेकिन यहां की यात्रा महंगी मानी जाती है. हाल ही में एक भारतीय कपल ने 21 दिनों की स्विट्जरलैंड ट्रिप पर 7.5 लाख रुपये खर्च किए और बताया कि होटल, यात्रा, खाना और घूमने पर उनका कितना पैसा लगा.

स्विट्जरलैंड की खूबसूरत वादियां और पहाड़ हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. लेकिन यहां घूमने का नाम आते ही सबसे पहले ज्यादा खर्च की चिंता होती है. हाल ही में ट्रैवल क्रिएटर कपल प्रकृति अरोड़ा और आशीष कुमार ने अपनी 21 दिनों की स्विट्जरलैंड यात्रा का पूरा खर्च बताया. उनके मुताबिक, दो लोगों की इस यात्रा पर करीब 7.5 लाख यानी (7,50,000) रुपये खर्च हुए.

कपल ने बताया कि उनकी यात्रा में सबसे ज्यादा पैसा रहने पर खर्च हुआ. 21 दिनों के दौरान वे अलग-अलग होटल, एयरबीएनबी और होम एक्सचेंज वाली जगहों पर रुके. इस दौरान उन्होंने कुल 6 जगहों पर ठहराव किया. दो लोगों के लिए रहने का औसत खर्च करीब 17,000 रुपये प्रतिदिन रहा.

इसके बाद सबसे ज्यादा खर्च आने-जाने पर हुआ. स्विट्जरलैंड में घूमने के लिए कपल ने 15 दिनों का फ्लेक्सी स्विस ट्रैवल पास खरीदा, जिसकी कीमत करीब 1,10,700 रुपये थी. इसके अलावा उन्होंने बर्निना एक्सप्रेस में फर्स्ट क्लास का अनुभव लेने के लिए करीब 18,000 रुपये अतिरिक्त खर्च किए. घूमने और अलग-अलग एक्टिविटी पर भी उनका काफी पैसा खर्च हुआ. अल्पाइन कोस्टर राइड, ग्रिंडेलवाल्ड फर्स्ट की गतिविधियां और एपेनजेल में बाइक राइड जैसी चीजों पर उन्होंने करीब 97,300 रुपये खर्च किए।

ब्रिक्स मार्केट से ईरानी राष्ट्रपति की बेटी ने खरीदी ये शॉल, डिजाइन में छिपी ईरान की विरासत, जानें खासियत

ब्रिक्स मार्केट में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की बेटी जहरा पेजेशकियन ने ईरान की संस्कृति को खूबसूरती से समेटे हुए शॉल को खरीदा है. इसकी खासियत इस पर की हुई कढ़ाई है, जो सदियों से ईरान में की जाती रही है, और यहां कि सुंदरता का बेहतरीन नमूना पेश करती है. यहां जानिए ये शॉल क्यों है इतना खास.

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की बेटी जहरा पेजेशकियन पति हसन मजीदी के साथ ब्रिक्स मार्केट दौरे पर निकली थी, जहां से उन्हें एक शॉल इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे खरीद ही लिया. ये शॉल उन्होंने ईरानी स्टॉल से खरीदा जहां देश के पारंपरिक कढ़ाई और हस्तशिल्प से तैयार चीजों को रखा गया था. पहली नजर में यह कपड़ा सिर्फ एक सजावटी शॉल लग सकता है, लेकिन इसके डिजाइन और बुनाई को ध्यान से देखने पर यह ईरान की हस्तशिल्प परंपरा की झलक देता है.

शॉल पर लाल, काले और क्रीम रंगों का बेहद बारीक काम दिखाई देता है, जिसमें फूल-पत्तियों और बेलों जैसे पारंपरिक मोटिफ बने हुए हैं. ऐसे डिजाइन अक्सर फारसी कला और ईरानी शिल्प संस्कृति में देखने के लिए मिलते हैं. ईरान सदियों से कालीन, वस्त्र, कढ़ाई और हाथ से बने सजावटी कपड़ों के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध रहा है.

डिजाइन में छिपी ईरान की विरासत

रश्ती-दूजी का काम

शॉल का डिजाइन रश्ती-दूजी कढ़ाई से तैयार किया गया है. ये ईरान के उत्तरी हिस्से में स्थित गिलान प्रांत और खासकर रश्त शहर की पारंपरिक कढ़ाई कला है. इसे ईरान की बेहद खूबसूरत और बारीक टेक्सटाइल हस्तकलाओं में गिना जाता है. मोटे ऊनी कपड़े पर रंग-बिरंगे रेशमी धागों से हुक की मदद से चेन स्टिच में बनाए गए फूल-पत्तियों, पक्षियों और ज्यामितीय डिजाइनों का काम इसकी सबसे खास पहचान है.

कैसे बनाया जाता है?

इस कढ़ाई में आमतौर पर माहूत नाम के मोटे ऊनी कपड़े को आधार बनाया जाता है. इसके ऊपर रंगीन रेशमी धागों से डिजाइन तैयार किया जाता है. कलाकार एक खास धातु के हुक को कपड़े के आर-पार ले जाकर धागे की छोटी-छोटी लूप बनाती है. लगातार लूप बनाते हुए चेन स्टिच तैयार होती जाती है. पहले डिजाइन को कपड़े पर ट्रांसफर किया जाता है और फिर उसके ऊपर कढ़ाई की जाती है. कई डिजाइनों में बीच में एक बड़ा केंद्रीय पैटर्न होता है और उसके चारों तरफ बॉर्डर और कोने सजाए जाते हैं.

फारसी कला की झलक देता है डिजाइन

शॉल पर बारिक फूलों और बेलों के पैटर्न बने हैं. यह शैली फारसी कला की पहचान मानी जाती है. ऐसे डिजाइनों में प्रकृति, बगीचों और पारंपरिक ईरानी सुंदरता की झलक देखने को मिलती है. शॉल का पैटर्न काफी हद तक ईरानी कालीनों की याद दिलाता है. ईरान के मशहूर हस्तनिर्मित कालीनों में भी इसी तरह की बारीक बेल-बूटेदार डिजाइन और सममित आकृतियां देखने को मिलती हैं।

कैसे पहचानें सामान्य बुखार और स्क्रब टाइफस? एक गलती से खराब हो जाएगा फेफड़ा

बारिश के मौसम में ज्यादातर लोग बुखार से परेशान रहते हैं. अक्सर लोग स्क्रब टाइफस को सामान्य बुखार समझ लेते हैं. ये गलती आगे चलकर घातक हो सकती है. थोड़ी सी लापरवाही से मरीजों की जान तक जा सकती है. आइये जानते हैं कि स्क्रब टाइफस और सामान्य बुखार में क्या अंतर है. लोकल 18 ने इस बारे में मऊ के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमंत गुप्ता से बात की. डॉ. सुमंत बताते हैं कि स्क्रब टाइफस बुखार लाल घुन के काटने से होता है. जहां ये काटते हैं, वहां काले रंग के निशान पड़ जाते हैं. सामान्य बुखार में लोगों को सर्दी और जुकाम के साथ खांसी होती है.

बरसात का मौसम चल रहा है. कई बीमारियां तेजी से फैल रही हैं. अधिकतर लोग बुखार से परेशान हैं. अक्सर लोग स्क्रब टाइफस को सामान्य बुखार समझ लेते हैं. आइए जानते हैं कि सामान्य बुखार और स्क्रब टाइफस बुखार में क्या अंतर है और कौन सा बुखार कितना घातक है. लोकल 18 से मऊ स्थित केशरीराज हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमंत कुमार गुप्ता बताते हैं कि सामान्य बुखार नॉर्मल होता है, लेकिन स्क्रब टाइफस बुखार काफी घातक होता है. इस बुखार में कई प्रकार की परेशानियां उठानी पड़ती हैं. अगर आप लापरवाही करते हैं तो फेफड़ों में इंफेक्शन हो सकता है. फेफड़े में इंफेक्शन होने से जान तक जा सकती है.

डॉ. सुमंत गुप्ता बताते हैं कि स्क्रब टाइफस बुखार लाल घुन के काटने से होता है. जहां ये काटते हैं, वहां काले रंग के निशान हो जाते हैं. जब यह काटता है तो नॉर्मली पता नहीं चलता. धीरे-धीरे 10 से 15 दिनों बाद तेज बुखार होने लगता है और पूरा शरीर दर्द करने लगता है. जबकि सामान्य बुखार में लोगों को सर्दी और जुकाम के साथ खांसी होती है. स्क्रब टाइफस बुखार का लक्षण दिखते ही किसी योग्य चिकित्सक को दिखाकर इलाज प्रारंभ कर दें. यह समस्या ग्रामीण इलाकों में ज्यादा होती है. घास और झाड़ियां के बीच ये कीड़े अधिक होते हैं.

डॉ. सुमंत के मुताबिक, अगर स्क्रब टायफस बुखार की पहचान हो गई है तो इससे निजात के लिए 14 दिन का कोर्स होता है. इसका इलाज आसान है, लेकिन लापरवाही करने या सही समय पर इलाज नहीं कराने पर फेफड़े में इंफेक्शन हो सकता है. निमोनिया के साथ दिमागी बुखार हो सकता है, जो इतनी घातक बीमारियां हैं कि जान तक जा सकती है. इसलिए स्क्रब टाइफस बुखार होने पर तुरंत इलाज शुरू करना जरूरी है।

स्ट्रॉबेरी में नहीं आ रहे फूल-फल? ऐसे करें देखभाल, फलों से लद जाएगा पौधा

स्ट्रॉबेरी का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है. यह दुनिया का इकलौता ऐसा फ्रूट है जिसके बीज फल से बाहर होते हैं. इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट, पोटेशियम से भरपूर रसीली स्ट्रॉबेरी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है. इसमें कैलोरी कम होती है और फाइबर ज्यादा होते हैं. यह वजन कंट्रोल करने में मदद करती हैं. महाराष्ट्र के महाबलेश्वर शहर में स्ट्रॉबेरी सबसे ज्यादा होती है. इसे भारत की 'स्ट्रॉबेरी राजधानी' भी कहा जाता है. बाजार में मिलने वाली स्ट्रॉबेरी केमिकल से भरपूर होती है. ज्यादा उत्पादन, फल की साइज बढ़ाने के लिए ग्रोथ प्रमोटर-कीटनाशक डाले जाते हैं. आप चाहें तो इसे गमले में उगा सकते हैं. स्ट्रॉबेरी का पौधा कब लगाना चाहिए, खाद कौन सी डालनी चाहिए, इसकी देखभाल कैसे करना चाहिए, आइये जानते हैं इन सवालों के जवाब.....

: भारत में स्ट्रॉबेरी आसानी से उग जाती है. छोटे-छोटे गमलों में या हैंगिंग बास्केट में भी लगा सकते हैं. सर्दियों के समय बाजार में मिलने वाली स्ट्रॉबेरी केमिकल मिश्रित होती है. मिलावती होती है. लालिमा के लिए हानिकारक रंगों का इस्तेमाल होता है. कई हानिकारक कीटनाशकों का इस्तेमाल करके तैयार की जाती है. ऐसे में इसे घर पर उगाना सबसे बढ़िया रहता है. अब सवाल यह आता है कि इसका पौधा कैसे तैयार किया जाए, क्या बीज से उगा सकते हैं, इसका पौधा कब लगाना चाहिए, सर्दियों में इसकी देखभाल कैसे करना चाहिए, ज्यादा से ज्यादा पैदावार लेने के लिए क्या करना चाहिए, आइये सिलसिलेवार ढंग से सभी सवालों के जवाब जानते हैं.....

सितंबर का महीना चल रहा है. यह महीना स्ट्रॉबेरी के पौधे लगाने के लिए सबसे अच्छा होता है. स्ट्राबेरी के पौधे सितंबर से लेकर अप्रैल तक लगाए जा सकते हैं. स्ट्रॉबेरी को बीज से भी लगा सकते हैं. अक्टूबर से लेकर जनवरी तक इसे बीज से ना लगाएं. नर्सरी से छोटा पौधा लाकर लगाएं. इसके लिए 6-8 इंच का गमला चाहिए होता है. गमले में ड्रेनेज होल होना चाहिए. इसे एसिडिक मिट्टी पसंद होती है. नर्सरी में यह पौधा 20 से लेकर 40 रुपये में मिल जाता है. इसकी मिट्टी ऐसी होनी चाहिए कि पानी ना ठहरे. यानी वेल-ड्रेन मिट्टी चाहिए होती है. इस पौधे को सुबह-शाम को पानी देना चाहिए. देश में स्ट्रॉबेरी की टॉप 5 वैरायटी कैमरोजा, चांडलर, स्वीट चार्ली, विंटर डॉन और सेल्वा हैं. 120-150 दिनों में इसकी हार्वेस्टिंग की जाती है.

सबसे पहले वेल-ड्रेन मिट्टी तैयार कर लें. इसके लिए 50 परसेंट बगीचे की मिट्टी, 30 परसेंट वर्मि कंपोस्ट और 20 परसेंट कोकोपीट/रेत मिला लें. इसके अलावा एक मुट्ठी नीम खली मिक्स कर लें. बाजार से अच्छी क्वालिटी के बीज लाइये. गमले में मिट्टी भरने के बाद बीज डाल दीजिए. फिर वॉटरिंग कैन से पानी डालिए. पानी देने के बाद ऊपर से मिट्टी की एक लेयर और डालिए।

बैंकॉक में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की

किक-बॉक्सिंग, फैंस को फिल्म 'बागी' की याद आई

मुंबई। हिंदी सिनेमा के अभिनेता टाइगर श्रॉफ जितनी फिटनेस को लेकर सचेत रहते हैं, उतना ही वे सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ कनेक्ट रहते हैं। उनके लेटेस्ट अपडेट के लिए फैंस इंतजार में रहते हैं। शनिवार को अभिनेता ने बागी फिल्म से जुड़ी शूटिंग की एक क्लिप शेयर की। इस क्लिप में टाइगर किक-बॉक्सिंग करते नजर आए।

टाइगर ने एक पुरानी रिहर्सल क्लिप अपलोड की, जिसमें वह बैंकॉक की सड़कों पर किक बॉक्सिंग कौशल को निखारते नजर आ रहे थे। पुराने वीडियो में टाइगर 'बागी' के एक एक्शन सीक्वेंस की रिहर्सल करते दिख रहे थे।

'बागी' फ्रेंचाइजी टाइगर के करियर की सबसे लोकप्रिय फिल्म सीरीज में से एक है, जिसने उन्हें एक्शन नायकों में से एक के रूप में स्थापित किया है।

बैंकॉक में किक-बॉक्सिंग करते टाइगर श्रॉफ

> "टाइगर भाई, आप खुद को 'बच्चा' कहते हैं, लेकिन आप बैंकॉक के सभी स्टंटमैन को बुरे सपने दे रहे हैं। क्या शानदार बीस्ट मोड है भाई।
> – फैंस की प्रतिक्रिया

"विश्व के सबसे युवा एक्शन हीरो।"
– एक अन्य यूजर

16 साल का हुआ अजय-काजोल का बेटा युग, अभिनेता ने कहा- अब भी मेरा पसंदीदा छोटा ट्रबलमेकर

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता अजय देवगन ने अपने बेटे युग के 16वें जन्मदिन पर प्यार भरा नोट लिखा। युग अपना 16वां बर्थडे मना रहे है। अजय देवगन ने इंस्टाग्राम पर युग के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। इसके साथ अजय ने लिखा, ''अब भी मेरा पसंदीदा छोटा ट्रबलमेकर... बस अब उतना छोटा नहीं रहा। हैप्पी बर्थडे, मेरे बेटे। लव यू।''

वहीं अभिनेत्री काजोल ने भी युग के जन्मदिन पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ''हैप्पी स्वीट सिक्सटीन।

यकीन नहीं हो रहा कि हम यहां तक पहुंच गए। यह लगभग यकीन न होने जैसा पल है, क्योंकि जब भी मैं तुम्हें देखती हूं, तो आज भी मुझे एक छोटा-सा लड़का नजर आता है। मुझे पता है कि अब तुम पहले से ज्यादा लंबे और मजबूत हो गए हो, लेकिन मेरे लिए हमेशा तुम छोटे बच्चे की तरह ही रहेगो। तुम्हारा छोटा और बड़ा रूप, दोनों मेरे लिए हमेशा एक साथ रहेंगे।''

काजोल ने अपने बेटे को शुभकामनाएं देते हुए लिखा, ''आज मेरे मन में कुछ डर भी हैं, लेकिन उम्मीदें उससे कहीं ज्यादा हैं।

मैं चाहती हूं कि आप बड़े होकर एक अच्छे इंसान बनो। ऐसा इंसान जो जिंदगी की हर मुश्किल का सामना हिम्मत, गरिमा और सबसे जरूरी दयालुता के साथ करे। आप खुद के साथ और पूरी दुनिया के साथ हमेशा प्यार रखे।''

काजोल ने लिखा, ''ऊंची उड़ान भरो और जिंदगी को खुलकर जियो, मेरे प्यारे। मैं तुमसे जितना प्यार करती हूं, शायद तुम कभी जान भी नहीं पाओगे।''

युग की मौसी और काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी ने भी जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने लिखा, ''हैप्पी बर्थडे मेरे युग, तुम मेरे लिए बेहद खास हो। तुम लगातार बड़े हो रहे हो, खुद को निखार रहे हो और चमक रहे हो। मेरी यही दुआ है कि तुम्हारी जिंदगी हमेशा खुशियों और आशीर्वाद से भरी रहे और तुम अपने सारे सपने पूरे करो। लव यू और मैं हमेशा तुम्हारे लिए यहां रहूंगी।

नायला ग्रेवाल ने महिलाओं के मुद्दों पर उठाई आवाज, बोलीं-अगर हम एक-दूसरे का साथ नहीं देंगे, तो कौन देगा?

विश्व केसरी

मुंबई। 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम कर चुकीं अभिनेत्री नायला ग्रेवाल ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहती हैं, जो समाज से जुड़े जरूरी सवाल उठाएं। उनका मानना है कि महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सिनेमा में लगातार जगह मिलनी चाहिए। आईएएनएस संग बातचीत में नायला ने कहा कि फिल्मों में जब महिलाओं की जिंदगी, उनकी परेशानियों और उनके अधिकारों से जुड़ी बातें सामने आती हैं, तो उन पर समाज में बातचीत भी शुरू होती है। मीडिया से बात करते हुए नायला ने कहा, ''महिलाओं से जुड़े मुद्दे मेरे लिए काफी मायने रखते हैं। मैं इस विषय को लेकर खुद काफी जागरूक हूं और ऐसी फिल्म में काम करना चाहती हूं, जो महिलाओं से जुड़े मुद्दों को विस्तार से दिखाए। पिछले कुछ सालों में इस तरह की फिल्मों की संख्या में थोड़ी कमी आई है और अब पहले की तरह महिलाओं से जुड़े जरूरी विषयों पर पर्याप्त फिल्में देखने को नहीं मिल रही हैं। नायला ने इस दौरान 'थप्पड़' फिल्म की को-स्टार तापसी पन्नू की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे 'थप्पड़' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला। अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म में तापसी ने घरेलू हिंसा और एक थप्पड़ के जरिए रिश्ते में सम्मान और बराबरी जैसे मुद्दों को सामने रखा था। तापसी ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनकर महिलाओं से जुड़े मुद्दों को सामने लाने की कोशिश की है।

भाग्यश्री ने गणेश चतुर्थी पर की खास अपील, बोलीं- 'ऐसी परंपरा चुनें जो विसर्जन के बाद प्रकृति को भी कुछ लौटाए'

विश्व केसरी

मुंबई। गणेश चतुर्थी के मौके पर 'मैंने प्यार किया' फेम अभिनेत्री भाग्यश्री ने लोगों से इस बार पर्यावरण के अनुकूल गणपति की मूर्ति घर लाने की अपील की है। उन्होंने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर बताया कि आज भी करीब 90 प्रतिशत लोग पीओपी (प्लास्टर ऑफ पेरिस) से बनी गणपति की मूर्तियां घर लाते हैं, जो विसर्जन के बाद पर्यावरण को नुकसान पहुंचाती हैं।

भाग्यश्री ने लोगों को इसका एक बेहतर विकल्प भी बताया है। उन्होंने इस साल गोमय गणेश को घर लाने की सलाह दी है, जिसे पूजा के बाद विसर्जन करने पर प्रकृति को भी फायदा होता है।

गोमय गणेश गाय के गोबर से बनाई गई गणपति की मूर्ति होती है। इसे कई बार मिट्टी या मुल्तानी मिट्टी जैसी प्राकृतिक चीजों के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। यह पीओपी से बनी पारंपरिक मूर्तियों का पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकता है। अभिनेत्री ने बताया कि गोमय गणेश विसर्जन के बाद उसे घर के बगीचे की मिट्टी में रखा जा सकता है। समय के साथ यह खाद में बदलकर पौधों के लिए उपयोगी होता है।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ भाग्यश्री ने लिखा, ''इस गणेश चतुर्थी गोमय गणेश के साथ ऐसी परंपरा को चुनना चाहिए, जो विसर्जन के बाद भी प्रकृति को कुछ लौटाए। कहते हैं, गाय में देवी-देवताओं का वास होता है और गाय से मिलने वाली हर चीज उपयोगी होती है। पुराने जमाने में गांवों के घरों में कीड़े-मकौड़ों से बचाव और साफ-सफाई के लिए गोबर का इस्तेमाल किया जाता था। आज भी गोबर का इस्तेमाल खाद के रूप में किया जाता है।''

भाग्यश्री ने आगे कहा, ''इसी वैज्ञानिक सोच को ध्यान में रखते हुए गोमय गणेश तैयार किए गए हैं। ये न सिर्फ पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि पर्यावरण के लिए पोषण देने वाला विकल्प भी है। पूजा के बाद गोमय गणेश का विसर्जन बगीचे में ही किया जा सकता है, जिससे मिट्टी और पौधों को प्राकृतिक पोषण मिलेगा। इससे गणेश चतुर्थी की परंपरा भी निभेगी और प्रकृति को नुकसान पहुंचाने के बजाय उसे कुछ वापस देने का मौका भी मिलेगा।

वीकेंड पर 'हनुमान अंश' ने फिर मचाया धमाल, फिल्म के आगे बॉक्स ऑफिस पर फीकी पड़ी अक्षय-सैफ की 'हैवान'

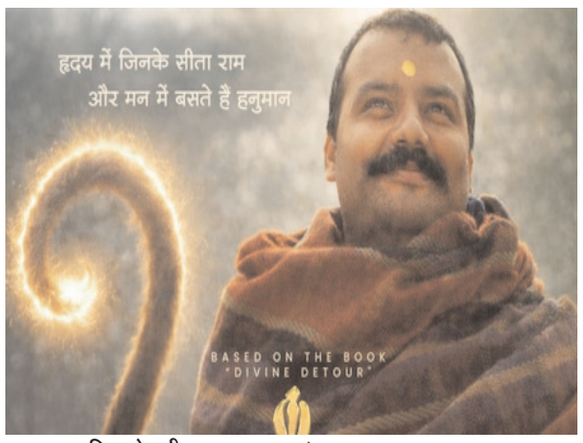

विश्व केसरी

मुंबई। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की 'हैवान' के आगे भी 'हनुमान अंश' फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। जिस फिल्म ने सिनेमाघरों में महज 10 लाख रुपए से शुरुआत की थी, वह रिलीज के 37वें दिन भी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच रही है। फिल्म की कमाई में वीकेंड पर जबरदस्त उछाल देखने को मिलता है।

37वें दिन यानी शनिवार को फिल्म ने शुक्रवार के मुकाबले करीब 85.7 फीसदी ज्यादा कमाई की। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, 'हनुमान अंश' ने 37वें दिन भारत में 19.50 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। इस दौरान फिल्म को 7,449 शो मिले।

शनिवार की इस शानदार कमाई के बाद भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 193.13 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि इंडिया ग्रॉस कलेक्शन 228.15 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। फिल्म का ओवरसीज मार्केट भी लगातार मजबूत बना हुआ है। 37वें दिन विदेशों में फिल्म ने 5 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया। इसके साथ ओवरसीज कलेक्शन 9.50 करोड़ रुपए हो गया है।

भारत और विदेशों की कमाई को मिलाकर 'हनुमान अंश' का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन अब 237.65 करोड़ रुपए पहुंच गया है।

अगर फिल्म के वीकेंड ट्रेंड की बात करें तो इसकी सबसे खास बात यही है कि दर्शकों का रिस्पॉन्स समय के साथ बढ़ता गया। शुरुआती दो हफ्तों में फिल्म को सीमित शोज मिले और कमाई भी काफी धीमी रही। पहले हफ्ते में फिल्म ने 1.08 करोड़ रुपए कमाए, जबकि दूसरे हफ्ते का कलेक्शन सिर्फ 40 लाख रुपए रहा। उस समय ऐसा लग रहा था कि फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों से बाहर हो जाएगी। लेकिन तीसरे हफ्ते से कहानी पूरी तरह बदल गई। दर्शकों की तारीफ और सोशल मीडिया पर चर्चा ने फिल्म की डिमांड बढ़ा दी। तीसरे हफ्ते में कलेक्शन 10.40 करोड़ रुपए पहुंच गया। इसके बाद चौथे हफ्ते में फिल्म ने 61 करोड़ और पांचवें हफ्ते में 90.25 करोड़ रुपए की कमाई कर डाली।

अब छठे हफ्ते के शनिवार को 19.50 करोड़ रुपए की कमाई बताती है कि फिल्म का क्रेज अभी भी बरकरार है।

परदेस गर्ल : पिता चाहते थे बेटी आईएएस बने, पहली फिल्म से बनीं सुपरस्टार, फिर हुई गुम

विश्व केसरी

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में 1990 के दौर में एक अभिनेत्री अचानक से स्टार बनकर उभर रही थीं, जिनकी पहली ही फिल्म ने बॉलीवुड में तहलका मचा दिया था। उनकी खूबसूरती और अदाकारी देखकर लोग उन्हें सुपरस्टार मानने लगे थे, लेकिन फिर वो गुमनाम हो गईं। हम बात कर रहे हैं सुभाष घई की फिल्म 'परदेस' की अभिनेत्री महिमा चौधरी की। 13 सितंबर 1973 को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में जन्मी महिमा चौधरी के बचपन का नाम ऋतु चौधरी था। पढ़ने-लिखने के समय ही वो मॉडल बनने का सपना देखने लगी थीं। परिवार नहीं चाहता था कि महिमा मुंबई की चकाचौंध भरी दुनिया की ओर रुख करें। पिता चाहते थे कि महिमा अच्छे से पढ़ें और आईएएस अफसर बनें। महिमा चौधरी ने एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया था।

उनकी खूबसूरती चर्चाओं में रहती थी और ऐसे में उन्होंने मॉडल और हीरोइन बनने का फैसला कर लिया। शुरू-शुरू में वह कुछ टेलीविजन विज्ञापनों में नजर आईं। ऋतु चौधरी भारत में तब मशहूर हुईं, जब वे आमिर खान और ऐश्वर्या राय के साथ एक कोल्ड ड्रिंक कंपनी के विज्ञापन में नजर आईं। वो बाद में म्यूजिक चैनल के लिए वीजे बनीं। उन्हें ढेरों मॉडलिंग असाइनमेंट भी मिलने लगे थे।

उसी दौर में सुभाष घई की नजर उन पर पड़ी। ऋतु चौधरी को महिमा चौधरी के तौर पर यह स्टेज नेम तब मिला, जब उन्होंने सुभाष घई के कहने पर बॉलीवुड में कदम रखा। यही नाम उनके फिल्मी करियर में भी चल पड़ा।

'चुंबक' की अभिनेत्री संदीपा धर बोलीं,

'हीरोइन' नहीं, दमदार अभिनेत्री के रूप में बनाना चाहती हूं पहचान

मुंबई। अभिनेत्री संदीपा धर हाल ही में नेटपल्क्यि की ओरिजिनल सीरीज 'चुंबक' में नजर आई। उन्होंने अपने करियर में कॉमेडी, थ्रिलर, ड्रामा और इमोशनल कहानियों में अलग-अलग तरह के भूमिका निभाने की कोशिश की। संदीपा का मानना है कि एक कलाकार की पहचान तभी मजबूत होती है, जब वह खुद को बार-बार अलग भूमिकाओं में आजमाने से न डरे।

मीडिया संग बातात्तित में उन्होंने कहा कि उनके लिए सिर्फ 'हीरोइन' कहलाना कभी मकसद नहीं रहा। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें एक ऐसी अभिनेत्री के तौर पर पहचानें, जो अलग-अलग तरह के किरदार निभाने की काबिलियत रखती है।

संदीपा ने कहा, "मेरा फोकस हमेशा एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाने पर रहा है। मेरे लिए यह ज्यादा जरूरी है कि लोग मेरी एक्टिंग को नोटिस करें और मुझे अलग-अलग किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के तौर पर याद रखें। 'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।"

> "'हीरोइन' का टैग कोई मंजिल नहीं है, बल्कि एक कलाकार के लिए असली चुनौती अपने काम के जरिए पहचान बनाना है।
> – संदीपा धर

संदीपा ने कहा, "मैंने फिल्मों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी काम किया है। ओटीटी ने कलाकारों को ऐसा स्टेज दिया है, जहां वह अलग तरह की कहानियों और किरदारों के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकते है। पहले जहां कलाकारों की एक खास इमेज बन जाने के बाद उन्हें उसी तरह के रोल ज्यादा मिलने लगते थे, वहीं ओटीटी पर अलग-अलग तरह के किरदारों के जरिए अपनी रेंज दिखाने के ज्यादा मौके मिल रहे हैं।"

अभिनेत्री ने आगे कहा, "खुशकिस्मती से मैं ओटीटी स्पेस का हिस्सा बनी और मुझे अपनी अलग-अलग खूबियां दिखाने का मौका मिला। दर्शकों ने भी मुझे बहुत प्यार दिया है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी अलग-अलग किरदार निभाती रहूंगी और अपनी रेंज दिखाती रहूंगी।"

संदीपा धर की सीरीज 'चुंबक' का प्रीमियर 10 सितंबर को **नेटपल्क्यि** पर हुआ। जेडी मजेठिया और आतिश कपाडिया की बनाई इस कॉमेडी-ड्रामा सीरीज में उनके साथ नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अर्जुन बिजलानी, हेली शाह, मानसी पारेख, सुमीत व्यास, सुमीत राधवन, अनंत वी. जोशी, अमायरा दस्तूर, डेलनाज ईरानी और अतुल कुमार जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं।

गांधीनगर में 15 सितंबर से डब्ल्यूसीईएफ-2026 सर्कुलर इकोनॉमी पर जुटेंगे 65 देशों के प्रतिनिधि

विश्व केसरी■

गांधीनगर। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गांधीनगर में 15 सितंबर से शुरू होने वाले तीन-दिवसीय 'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) 2026' में मौजूदा मटीरियल के दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और रीसाइक्लिंग पर चर्चा शुरू कर दी है।

अधिकारी ने रविवार को बयान में कहा कि भारत द्वारा डब्ल्यूसीईएफ-2026 की मेजबानी करना दक्षिण एशिया के लिए पहली बार होगा।

'सर्कुलर इकोनॉमी: लोगों और समृद्धि के लिए बदलाव' थीम के तहत आयोजित होने वाले इस फोरम का उद्घाटन संयुक्त रूप से भूपेंद्र यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल करेंगे। बयान

में कहा गया है कि डब्ल्यूसीईएफ-2026 का उद्देश्य सर्कुलरिटी को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत की पहलों को प्रदर्शित करना है।

यह कार्यक्रम संयुक्त रूप से भारत के केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), फिनिश इनोवेशन फंड सिट्रा (एसआईटीआरए), फिनलैंड सरकार, भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, गुजरात सरकार और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में 65 से अधिक देशों के 2,000 से अधिक अलग-अलग क्षेत्रों के हितधारक (स्टेकहोल्डर्स) भाग लेंगे, जिनमें बिजनेस लीडर, उद्यमी, इनोवेटर, शोधकर्ता, नीति-निर्माता, शिक्षाविद, बदलाव लाने वाले और अन्य शामिल होंगे।

यह फोरम ग्लोबल साउथ के साथ वैश्विक सहयोग और बेहतर जुड़ाव को सक्षम करेगा। सर्कुलर फाइनेंस और निजी क्षेत्र के निवेश को जुटाने में मदद करेगा। नीतिगत बातचीत और अलग-अलग क्षेत्रों के बीच साझेदारी को प्रोत्साहित करेगा। साथ ही सर्कुलरिटी के लिए इनोवेशन, डिजिटलीकरण और टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाएगा। सर्कुलरिटी मौजूदा मटीरियल और उत्पादों के दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और रीसाइक्लिंग पर ध्यान केंद्रित करती है और उन्हें मूल्यवान संसाधनों के रूप में अर्थव्यवस्था में वापस लाती है। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत पर्यावरण प्रशासन में एक बड़े बदलाव का नेतृत्व कर रहा है और एक आधुनिक सर्कुलर इकोनॉमी की ओर बढ़ रहा है।

उद्घाटन सत्र में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य व्यक्तियों में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री (गुजरात) अर्जुनभाई मोधवाडिया और फिनलैंड के राजदूत मिक्को किविकोसकी के साथ-साथ केंद्र सरकार और गुजरात सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

इराक और तुर्की से अराघची ने की फोन वार्ता पश्चिम एशिया तनाव रोकने पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

तेहरान। ईरान, इराक और तुर्की ने पश्चिम एशिया क्षेत्र में तनाव को और बढ़ने से रोकने की जरूरत पर जोर दिया है। यह मुद्दा शनिवार को ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और उनके तुर्की और इराकी समकक्षों के बीच हुई अलग-अलग फोन वार्ताओं में प्रमुख रूप से उठाया गया। इसकी जानकारी ईरान के विदेश मंत्रालय की ओर से रविवार सुबह जारी बयानों में दी गई।

अराघची और तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान के बीच हुई बातचीत में दोनों पक्षों ने क्षेत्र की ताजा स्थिति पर चर्चा की। दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि तनाव को और बढ़ने से रोकना और क्षेत्रीय संघर्षों को फैलने से रोकना बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए लगातार बातचीत और कूटनीतिक प्रयास जारी रहने चाहिए। एक अलग फोन वार्ता में अराघची और इराक के विदेश मंत्री फुआद हुसैन ने दोनों देशों से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय घटनाक्रम और चल रही प्रक्रियाओं पर चर्चा की। उन्होंने साझा सीमा क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने तथा आपसी समन्वय जारी रखने के महत्व पर जोर दिया।

दोनों नेताओं ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय घटनाओं को जिम्मेदारी के साथ संभालना जरूरी है और संघर्षों को बढ़ने या दूसरे इलाकों तक फैलने से रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए।

इस बीच, ईरानी अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि ईरान और ओमान ने होर्मुज स?ट्रेट के लिए नए प्रवेश और निकास मार्गों की रूपरेखा पर सहमति बना ली है। दोनों देश सोमवार को मस्कट में होने वाली क्षेत्रीय बैठक में खाड़ी देशों को इस बातचीत के नतीजों की जानकारी देंगे।

अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने ईरान की वार्ता टीम से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया कि यह समझौता ईरान और ओमान के बीच लंबे समय तक चली तकनीकी और कूटनीतिक बातचीत के बाद हुआ। अगस्त के आखिर में दोनों पक्षों के बीच अंतिम सहमति बनी।

संक्षिप्त खबर

कांगो में इबोला का प्रकोप नियंत्रण में, खतरा अभी टला नहीं : डीआरसी

विश्व केसरी■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है। सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।' सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का कहना है कि सभी मुख्य संकेत मामले घटने की ओर इशारा कर रहे हैं। प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, जबकि प्रकोप के केंद्र पूर्वी प्रांत इटुरी के कई इलाकों में संक्रमण की रफ्तार धीमी हुई है। इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है।

होर्मुज में ईरानी जहाज पर हमला एक की मौत और चार घायल

विश्व केसरी■

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे ईरान के कमर्शियल जहाज पर रविवार सुबह एक प्रोजेक्टाइल से हमला किया गया। इस हमले में एक शख्स की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी। तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, दक्षिणी केशम द्वीप के गवर्नर हुसैन अमीरतेमूरी ने बताया कि 'दुश्मन' द्वारा दागा गया एक प्रोजेक्टाइल हेंगाम द्वीप और शिब डेराज गांव के पास पानी में एक कमर्शियल कंटेनर जहाज से टकराया, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि यह घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5 बजे हेंगाम द्वीप और शिब डेराज इलाके में हुई। उन्होंने यह भी कहा कि घायलों के इलाज के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। मृतक और घायलों की जानकारी को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया गया है। वहीं, यूकेएमटीओ (यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस) ने शनिवार को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में हुए हमले की जानकारी दी। बताया कि शनिवार को होर्मुज से गुजरते समय एक जहाज पर किसी अज्ञात चीज से हमला हुआ। क्रू की हालत और नुकसान के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इस बीच, ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड नेवी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने अमेरिकी नौसेना के जहाजों को होर्मुज स्ट्रेट के पास न आने की चेतावनी दी है। उन्होंने ट्रंप के उस दावे को चुनौती दी है जिसमें कहा गया था कि इस जलमार्ग पर वाशिंगटन का कंट्रोल है।

यूक्रेन के आसमान में मंडरा रहे घातक 'शाहेद ड्रोन' जेलेंस्की ने कहा- अर्थव्यवस्था को निशाना बना रहा रूस

विश्व केसरी■

कीव। यूक्रेन पर रूस के घातक हमले जारी हैं। शनिवार को भी रूस ने लगभग 500 ड्रोन से यूक्रेन पर हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस को जब सैन?य मोर्चे पर सफलता नहीं मिली तो उसने यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि खाद्य सामान के गोदाम, पेट्रोल पंप, दवा निर्माण और भंडारण से जुड़ी सुविधाएं, आम यात्री ट्रेनों को निशाना बनाया जा रहा है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर रूस के घातक हमलों की जानकारी साझा की। जेलेंस्की ने पोस्ट में बताया कि रूस के ड्रोन हमले आज पूरे दिन जारी रहे हैं, और इस समय भी 'शाहेद' ड्रोन आसमान में मौजूद हैं। सुबह से अब तक लगभग 500 हमला करने वाले ड्रोन लॉन्च किए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि असल में, रूस ने इस युद्ध को सिर्फ मोर्चे तक सीमित नहीं रखा है। जहां उसे सैन्य मोर्चे पर सफलता नहीं मिल रही, वहां उसने अब यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। उसकी रणनीति बेहद सीधी है, उन सभी जगहों को नष्ट करना जो लोगों को युद्ध की कठिन परिस्थितियों में टिके रहने में मदद कर सकती हैं।

जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि रूसी हमलों में खाद्य सामान के गोदाम, पेट्रोल पंप, दवा निर्माण और भंडारण से जुड़ी सुविधाएं, आम यात्री ट्रेनें, रिहायशी इमारतें और नागरिक व्यवसायों को निशाना बनाया जा रहा है।

पिछले कुछ दिनों में ही रूस ने एक इस्पात (स्टील) कारखाने पर हमला किया, जो एक भारतीय कारोबारी के स्वामित्व में है। इसके अलावा, सूरजमुखी तेल बनाने वाली एक अमेरिकी कंपनी और प्लंबिंग फिटिंग्स बनाने वाली एक पोलिश कंपनी को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि रूसी हमलों का असर ट्रकों की पार्किंग, बंदरगाहों, शॉपिंग मॉल और ऊर्जा से जुड़े बुनियादी ढांचे पर भी पड़ा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस यूक्रेन की अर्थव्यवस्था को कमजोर करना चाहता है।

अमेरिका ने बाढ़ पीड़ितों की पहचान के लिए नेपाल को दी अतिरिक्त 10 लाख डॉलर की मंजूरी

विश्व केसरी■

वॉशिंगटन। अमेरिका ने नेपाल में बाढ़ पीड़ितों की पहचान करने में मदद के लिए अतिरिक्त 1 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी है। इसके साथ ही, आपदा से निपटने के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दी जाने वाली कुल मदद 5 मिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। अमेरिकी फोरेंसिक विशेषज्ञ नेपाली पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

विदेश विभाग ने 12 सितंबर को जारी एक बयान में कहा कि नई फंडिंग से नेपाल पुलिस को फोरेंसिक मदद मिलेगी। डिपार्टमेंट के 'ब्यूरो ऑफ इंटरनेशनल नारकोटिक्स एंड लॉ एनफोर्समेंट अफेयर्स' ने पीड़ितों की पहचान करने में नेपाली सरकार की मदद करने की कोशिशों के तहत इस पैसे को मंजूरी दी।

अमेरिकी अधिकारी नेपाल पुलिस के साथ मिलकर सबसे जरूरी जरूरतों का पता लगा रहे हैं, जिनमें डीएनए एनालिसिस किट भी शामिल हैं। यह फोरेंसिक मदद बाढ़ से प्रभावित समुदायों के लिए आपातकालीन भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सेवा और अन्य राहत कार्यों के लिए दी जा रही फंडिंग के अलावा है।

विदेश विभाग ने प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति जाहिर करते हुए और नेपाली लोगों के साथ अमेरिका की दोस्ती को दोहराते हुए कहा, 'प्रभावित इलाके में अमेरिकियों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है।'

विदेश विभाग की मदद का सबसे बड़ा हिस्सा 3 मिलियन डॉलर है, जो वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के साथ ग्लोबल सहायता समझौते के जरिए खाने और लॉजिस्टिक्स के लिए दिया जा रहा है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से मिले राहुल और प्रियंका गांधी, नाश्ते के दौरान हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए भारत आए मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से रविवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने नाश्ते पर मुलाकात की।

कांग्रेस पार्टी ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा करते हुए लिखा, 'लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी जी ने नई दिल्ली में मलेशिया के प्रधानमंत्री दातो सेरी अनवर इब्राहिम से नाश्ते पर मुलाकात की।'

अपने दौरे के दौरान उन्होंने शनिवार को ब्रिक्स सम्मेलन के 'समावेशी वैश्विक शासन और बहुपक्षवाद को मजबूत करने' विषय पर आयोजित सत्र में भाग लिया। उन्होंने ब्रिक्स देशों के अन्य नेताओं के साथ नई दिल्ली में पौधरोपण कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। शनिवार शाम को वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित गाला डिनर में भी शामिल हुए।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान अनवर इब्राहिम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश?कि?यन और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें भी कीं। प्रधानमंत्री मोदी और अनवर इब्राहिम की बैठक में दोनों नेताओं ने भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान अनवर इब्राहिम ने भारत के कोटा किनाबालू, सबाह में भारतीय वाणिज्य दूतावास स्थापित करने पर मलेशिया की सहमति भी जताई।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री इब्राहिम का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में साझेदार देश के रूप में मलेशिया की भागीदारी की सराहना की।

पाकिस्तान की न्यायपालिका पर महरंग बलोच का गंभीर आरोप, बोलीं- सिद्धांतों को दरकिनार कर सुनाए जा रहे फैसले

विश्व केसरी■

क्वेटा। मानवाधिकार कार्यकर्ता और बलूच यकजहती कमेटी (बीवाईसी) की मुख्य आयोजक महरंग बलोच ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत की न्यायपालिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका राज्य संस्थानों की सहयोगी की भूमिका निभा रही है और न्याय के मूल सिद्धांतों को कमजोर किया जा रहा है।

क्वेटा की हुडा जेल से जारी बयान में, जिसे बीवाईसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, महरंग बलोच ने कहा कि न्यायपालिका ने अपना प्रभाव और जनता का भरोसा पूरी तरह खो दिया है। उनके मुताबिक न्यायपालिका की निष्पक्षता और स्वतंत्रता अब समाप्त हो चुकी है।

उन्होंने आरोप लगाया, ' बलूचिस्तान के मुख्य न्यायाधीश कामरान मुलाखाई व्यक्तिगत रूप से बीवाईसी से जुड़े सभी मामलों को देख रहे हैं। उनके नेतृत्व में न्यायमूर्ति मुहम्मद अली मुबीन, न्यायमूर्ति कादिर शाह बुखारी और बलूचिस्तान में बीवाईसी मामलों की सुनवाई कर रहे अन्य न्यायाधीशों को राज्य के निर्देशों के मुताबिक फैसले देने का काम सौंपा गया है। महरंग ने बीवाईसी नेता गुलजादी बलोच के मामले को कथित न्यायिक कदाचार का उदाहरण बताया। उन्होंने दावा किया कि संबंधित न्यायाधीश ने कई मौकों पर कहा कि वह दबाव में हैं और उन्हें मामले में सजा सुनाने के निर्देश दिए गए हैं। उनके मुताबिक इससे न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

उन्होंने कहा कि 7 सितंबर को अदालत में हड़ताल होने और बचाव पक्ष के वकील के मौजूद नहीं रहने के बावजूद गुलजादी बलोच के मामले की कार्यवाही जारी रखी गई। इस दौरान एक गवाह से जिरह भी वकील की अनुपस्थिति में कराई गई। महरंग ने कहा कि यह बचाव के मौलिक अधिकार और निष्पक्ष सुनवाई के सिद्धांत को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है।

बलूच कार्यकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके मामलों में उनकी सहमति के बिना सरकारी वकील नियुक्त किए गए और उन्हें इस्लामाबाद पहुंचने के लिए विभिन्न सुविधाएं दी गईं।

चीनी वीआर फिल्म वेनिस इमर्सिव के शीर्ष पुरस्कार से सम्मानित

विश्व केसरी■

बीजिंग। 83वां वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव शनिवार को इटली के वेनिस स्थित लिडो द्वीप पर संपन्न हुआ। इसी दिन चीनी वीआर लघु फिल्म 'पिजन रिंग' को 'वेनिस इमर्सिव ग्रैंड अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

शनिवार शाम आयोजित समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का गोल्डन लायन पुरस्कार डेनिश निर्देशक मे एल-तौखी की फिल्म 'वुमन अननोन' को दिया गया। वहीं, ग्रैंड ज्यूरी पुरस्कार दक्षिण कोरियाई निर्देशक ली चांग-डोंग की फिल्म 'पॉसिबल लव' को मिला। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार इल्या खेरझानोव्स्की को उनकी फिल्म 'डीएयू' के लिए दिया गया।

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार 'वुमन अननोन' में अभिनय करने वाली मैथिल्ड आर्सेल को मिला, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार 'वाइल्ड हॉर्स नाइन' में अभिनय करने वाले जॉन माल्कोविच को दिया गया।

इस महोत्सव में चीनी फिल्मों और रचनाओं ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। चीनी वीआर लघु फिल्म 'पिजन रिंग' ने 12 सितंबर को 'वेनिस इमर्सिव सेक्शन' का शीर्ष पुरस्कार, यानी 'वेनिस इमर्सिव ग्रैंड अवार्ड' जीता। फिल्म में एक दादा और पोती की खोई हुई कबूतर की अंगूठी तलाशने की कहानी के जरिए चीनी आम परिवारों में यादों और पारिवारिक स्नेह को दर्शाया गया है। बता दें कि 83वां वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2 सितंबर को शुरू हुआ था। इसमें मुख्य प्रतिस्पर्धा, ओरिज़ॉन्टी और वेनिस इमर्सिव समेत कई प्रमुख खंड शामिल थे।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों को लेकर निकला 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज जावा सागर में लापता

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। इंडोनेशिया के जावा सागर में रविवार को 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' नामक एक जहाज लापता हो गया। 243 लोगों को लेकर यह जहाज शनिवार सुबह सुराबाया से रवाना हुआ था, लेकिन यात्रा के दौरान अचानक इसका संपर्क टूट गया। इंडोनेशिया की खोज और बचाव एजेंसी (बसारनास) ने जहाज की तलाश में सर्च एंड रेस्क्यू (एसएआर) टीम भेजी है।

इंडोनेशिया की सरकारी और राष्ट्रीय समाचार एजेंसी अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज सुराबाया से बांजारमासिन जा रहा था। इस यात्रा के दौरान जावा सागर में जहाज का संपर्क अचानक टूट गया। जहाज अभी लापता है। जहाज में करीब 243 सवार हैं।

बांजारमासिन क्लास-ए सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के प्रमुख और एसएआर मिशन कोऑर्डिनेटर आई पुतु सुदायाना ने रविवार सुबह बांजारमासिन, दक्षिण कालिमंतान में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जहाज का संपर्क लगभग सुबह 02:00 डब्ल्यूआईटीए बजे टूट गया। इससे पहले यात्रा के दौरान जहाज को खराब मौसम का सामना करना पड़ा था।

अंतरा की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि जहाज की आखिरी लोकेशन बांजारमासिन के बसिरिह एसएआर जेट्टी से लगभग 80 समुद्री मील दूर मिली थी।

बांजारमासिन क्लास-ए सर्च एंड रेस्क्यू कार्यालय को जहाज के संपर्क टूटने की सूचना सुबह 04:10 डब्ल्यूआईटीए बजे मिली। यह सूचना पीटी वर्गो के जनरल मैनेजर योएल रिही ने दी थी। जानकारी के अनुसार, जहाज शनिवार को सुराबाया से 10:13 जीएमटी पर रवाना हुआ था, जिसके बाद यात्रा के दौरान उसका संपर्क टूट गया।

तरा की रिपोर्ट के अनुसार, पुतु ने बताया कि 'वर्गो ट्रांसपोर्ट-8' जहाज के संपर्क टूटने की सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीम को उसकी आखिरी लोकेशन वाली जगह पर भेज दिया है।

वर्षों तक पार्टी की सेवा करने वाले कार्यकर्ता को अंतिम दिनों में नहीं मिला साथ

- समर्पित सिपाही राकेश सोलंकी ने तड़प तड़प कर तोड़ दिया दम
- परिवार की सुध लेने नहीं पंहुचा कोई नेता
- भाजपा कार्यकर्ता की कीमत चुनाव तक ही?

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जिस भाजपा को मानवीय संवेदनाओं से भरा राजनैतिक दल माना जाता है और जो भाजपा अंत्योदय का लक्ष्य लेकर काम करने का दम भरती है, उसी भाजपा के स्थानीय नेताओं की संवेदनहीनता का एक बड़ा ही विद्रुप चेहरा जगदलपुर में सामने आया है। यहां भाजपा के एक समर्पित कार्यकर्ता ने तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया, मगर पार्टी के नेताओं की आत्मा जरा भी नहीं तड़पी। न तो बीमारी की हालत में उनका हालचाल जानने पार्टी कोई नेता पहुंचा, न किसी नेता ने उनकी यात्रा में शामिल होने की जरूरत महसूस की।

हम बात कर रहे हैं जगदलपुर के संतोषी वार्ड निवासी राकेश सोलंकी की। सोलंकी भाजपा के एक समर्पित जमीनी कार्यकर्ता थे। बिना किसी फ्रेम में आए और बिना कोई पद लिप्सा के वर्षों तक उन्होंने पार्टी के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाई। पार्टी के हर कार्यक्रम, हर अभियान में राकेश सोलंकी ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता निभाई लेकिन उनका जीवन दुर्घटनाओं की पीड़ा से जूझता रहा।2010 और 2018 की सड़क दुर्घटनाओं में उनके शरीर पर 10-12 जगह गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण वे 80 प्रतिशत दिव्यांग हो गए थे। लंबे समय तक दर्द और परेशानियों से जूझने के बाद 14 अगस्त 2026 की शाम उन्होंने अपने ही घर में अंतिम सांस ली। लेकिन बड़ी हैरत की बात यह है कि उनके अंतिम दिनों में एक भी भाजपा नेता उनके घर तक हालचाल पूछने नहीं पहुंचा। न कोई देखने आया, न संवेदना व्यक्त करने और न ही उनके परिवार के दुख में साथ खड़ा होनेकी जरूरत किसी भाजपा नेता ने समझी। जिस कार्यकर्ता को चुनाव के समय पार्टी की रीढ़ बताया जाता है, वही कार्यकर्ता अपने अंतिम दिनों में अकेला रह गया। राकेश सोलंकी ने वर्षों तक भाजपा के लिए काम किया, लेकिन जब उन्हें और उनके परिवार को संगठन के साथ की जरूरत थी, तब कोई नेता उनके घर तक हालचाल पूछने नहीं पहुंचा। क्या भाजपा कार्यकर्ता की कीमत सिर्फ चुनाव तक है? एक समर्पित कार्यकर्ता के परिवार के दुख में भी संगठन साथ खड़ा नहीं हो सकता, तो फिर मंचों से होने वाले कार्यकर्ता सम्मान, सेवा और समर्पण के बड़े-बड़े दावे आखिर किसके लिए हैं? यह सवाल उस संवेदनहीन राजनीतिक व्यवस्था से है, जिसमें कार्यकर्ता की जरूरत चुनाव के समय याद आती है और उसके दुख-दर्द के समय उसे अकेला छोड़ दिया जाता है। राकेश सोलंकी के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद से ही उनके परिवार पर मुसीबतों और दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आर्थिक संकट और एकाकीपन से जूझ रहे सोलंकी परिवार को आज सहारे की जरूरत है, मगर सबका साथ, सबका विकास का नारा देने वाली और अपने पितृ पुरुष पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत पर चलने का दम भरने वाली भाजपा के स्थानीय नेताओं की संवेदनशीलता क्या मृत्यु शैय्या पर चली गई है? भाजपा के स्थानीय नेता अपने एक बिछड़े साथी के परिवार के साथ खड़े होने से क्यों बच रहे हैं? ये सवाल जगदलपुर के नागरिक पूछ रहे हैं।

श्रद्धालुओं में गणेश मूर्ति खरीदी पर उत्साह

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। आज से विघ्नहर्ता चतुर्दशी के अवसर पर बाजारों में गणेश भगवान की मूर्ति की खरीदी जोरों पर चल रहा है। कुछ सार्वजनिक गणेश उत्सव समिति के पंडालों में गणेश भगवान जी की दो दिन पहले से ही पडालो मैं गणेश भगवान की मूर्तियां पहुंच गई है वहीं भक्तों के घरों में भी गणेश भगवान की मूर्तियां पूजा के लिए मूर्ति की खरीदी पहले से ही किया जा रहा है।

हिंदू पंचांग के अनुसार गणेश भगवान की मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त आज सुबह 11.03 से दोपहर 1 बजकर 32 मिनट तक है।

अनेकों पंडालों में गणेश भगवान की मूर्ति को मूर्तिकार से खरीदी कर बिठा दिया गया है।इस अवसर पर डीजे की धुन पर श्रद्धालु नाचते गाते भी दिखे।देर रात तक डीजे के साथ सड़क बंद कर श्रद्धालु गणेश की मूर्ति को अपने अपने पंडालों में ले गए।

गणेश को बुद्धि, समृद्धि और नए कार्यों के प्रारंभ का देवता माना जाता है।इस शुभ अवसर पर गणेश की पूजा ही सबसे पहले की जाती है।

गणेश को विघ्न को नाश करने वाला देवता माना जाता है जिसके कारण उनको विघ्नहर्ता के नाम से जाना जाता है।

आकर्षक आतिशबाजी के साथ हुआ गणपति जी का स्वागत ..

ढोल-नगाड़ों के साथ गणेश पंडालों तक पहुंची प्रतिमाएं, आधी रात तक उमड़ा भक्तों का हुजूम

गणेशोत्सव को लेकर कांकेर शहर में उत्साह चरम पर है। शहर की विभिन्न गणेश समितियों द्वारा भगवान गणेश की प्रतिमाओं का भव्य स्वागत किया गया। प्रतिमाओं को ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ गणेश पंडालों तक ले जाया गया। इस दौरान जगह-जगह आकर्षक आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा शहर गणपति बप्पा के जयकारों से गूंज उठा।

भगवान गणेश के स्वागत के लिए देर रात तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु सड़कों पर मौजूद रहे।

आत्मविश्वास, प्रतिभा और सौंदर्य का भव्य संगम बना 'मिसेज रायपुर 2026' का ग्रैंड फिनाले

गरिमा नरवाल बनीं मिसेज रायपुर 2026, स्नेहा अग्रवाल द्वितीय एवं श्रीलक्ष्मी सिंह तृतीय स्थान पर रहीं

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। अनूपचंद-त्रिलोकचंद ज्वैलर्स कोतवाली द्वारा आयोजित मिसेज रायपुर 2026 का भव्य ग्रैंड फिनाले 12 सितंबर को प्रतिष्ठा द बैंक्वेट, रायपुर में उत्साह और भव्यता के साथ संपन्न हुआ। शहर की विभिन्न सोसाइटीज में आयोजित फैशन शो एवं विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से चयनित प्रतिभागियों ने ग्रैंड फिनाले में अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और मंचीय प्रस्तुति का शानदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ममता साहू, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'महिलाओं की प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को सामने लाने वाले ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिलाओं को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए ऐसे मंच निरंतर मिलते रहने चाहिए।'

वहीं अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स के डायरेक्टर निकेश बरडिया ने गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि 'ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व को एक बड़े मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। इस प्रकार के मंच महिलाओं को अपनी पहचान बनाने के साथ-साथ अपने सपनों को नई उड़ान देने के लिए प्रेरित करते हैं।'

ग्रैंड फिनाले में प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए जज के रूप में मीनाक्षी टुटेजा, स्वाति गुप्ता, सोनिया सोनकर, कविता राठी एवं रवनीत सिंह उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व, प्रस्तुति एवं मंचीय प्रदर्शन के विभिन्न पहलुओं के आधार पर उनका मूल्यांकन किया।

ग्रैंड फिनाले की खास आकर्षणों में से एक अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. की एक्सक्लूसिव ज्वैलरी रही। प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को अनोपचंद तिलोकचंद ज्वैलर्स प्रा. लि. की विशेष ज्वैलरी पहनाई गई, जिसमें उन्होंने रैंप पर अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का शानदार प्रदर्शन किया।

प्रतिभागियों की खूबसूरत प्रस्तुतियों के साथ ज्वैलरी की भव्यता ने पूरे फैशन शो को और आकर्षक बना दिया। पारंपरिक भारतीय आभूषणों और आधुनिक फैशन के खूबसूरत संयोजन ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण पैदा किया।

प्रतियोगिता के शानदार मुकाबले के बाद निर्णायक मंडल द्वारा परिणाम घोषित किए गए।

प्रथम पुरस्कार - गरिमा नरवाल,
द्वितीय पुरस्कार - स्नेहा अग्रवाल,
तृतीय पुरस्कार - लक्ष्मी सिंह

विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली विजेताओं को क्रमश: 51,000, 31,000 एवं 21,000 के पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही मिसेज रायपुर 2026 की विजेता को एटी ज्वैलर्स कोतवाली के ब्रांड फेस के रूप में जुड़ने का विशेष अवसर भी मिलेगा।

युवाशक्ति समाज सेवी संस्था ने वृद्ध को वृद्धाश्रम पहुंचाया

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। युवाशक्ति समाज सेवी संस्था के जन सहयोग से एक वृद्धजन को वृद्धाश्रम पहुंचाया गया बता दे कि ये बाबाजी मूलत: उत्तरप्रदेश के थे बचपन में ही मां बाप का साया इनके ऊपर से हट चुका था दूसरे लोगो के द्वारा इनका पालन पोषण हुआ व काम की तलाश में अन्य लोगों के संपर्क में आने से ये बाल्यावस्था में ही छत्तीसगढ़ के धमतरी गंगरेल पहुंच गए कुछ वर्ष वहां बिताने के बाद ये चारामा पहुंच गए व पिछले कई वर्षों से चारामा में अपनी सेवा दे रहे है बाबा जी पूजा पद्धति से जुड़े हुए है श्रीराम जानकी मंदिर में इनका डेरा था तब वहां से चारामा में विभिन्न वार्डों में रहे इनके आगे पीछे कोई नहीं है वार्ड क्रमांक 13 के युवराज सोनकर के यहां तीन महीने रुके तत्पश्चात युवराज सोनकर द्वारा इसकी जानकारी युवाशक्ति समाज सेवी संस्था को दी गई बाबाजी से मुलाकात कर इनको सुरक्षित स्थान में ले जाने का पहल करते हुए अंतत: इनको कांकेर के वृद्धा आश्रम में जीवन पर्यंत के लिए आश्रय प्रदान किया गया जहां बाबा जी का तिलक लगाकर आरती उतारकर उनका स्वागत किया गया संस्था द्वारा ग्यारह सौ रूपये की राशि भी वृद्धा श्रम को भेंट की गई इस ईश्वरीय व पुनीत कार्य के हम सब साक्षी रहे

बीरगांव में विश्वकर्मा पूजा-विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन 17 सितंबर को

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि होंगे तथा कार्यक्रम में डॉ. रमन सिंह (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा), तोखन साहू (केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार) विशेष अतिथि होंगे

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मां बंजारी मंडल बीरगांव के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं विशाल किसान मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन 17 सितंबर को बुधवारी बाजार बीरगांव में आयोजित किया गया है। इस आयोजन में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि होंगे तथा कार्यक्रम में डॉ. रमन सिंह (अध्यक्ष छत्तीसगढ़ विधानसभा), तोखन साहू (केंद्रीय राज्यमंत्री भारत सरकार) विशेष अतिथि होंगे। वहीं आयोजन में छत्तीसगढ़ शासन के सभी मंत्री एवं विधायकगण की विशेष मौजूदगी रहेगी। आयोजन के संदर्भ में जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. ओमप्रकाश देवांगन एवं मंडल अध्यक्ष वेदराम साहू ने संयुक्त रूप से दी है। डॉ. देवांगन ने बताया है कि भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन 17 सितंबर को सुबह 11.00 बजे प्रारंभ होगा। इसमें अतिथियों के आगमन बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। वहीं आयोजन में बड़ी संख्या में प्रदेशभर से किसान एवं भाजपा कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

गणेशोत्सव को लेकर पुलिस ने ली समितियों की बैठक

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। आगामी गणेशोत्सव एवं विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना कोतवाली की ओर से नगर क्षेत्र अंतर्गत समस्त गणेश उत्सव समितियों के पदाधिकारियों एवं आयोजकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक सीएसपी जगदलपुर सुमित कुमार धोत्रे की अध्यक्षता व थाना प्रभारी निरीक्षक लीलाधर राठौर की उपस्थिति में हुई बैठक मे गणेश पंडालों एवं आगामी विसर्जन कार्यक्रमों की सुरक्षा, यातायात एवं कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। समितियों को विशेष रूप से निम्न बिंदुओं पर आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश दिए गए. बैठक में गणेश समितियों के पदाधिकारियों द्वारा नियमों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में गणेशोत्सव मनाने तथा पुलिस एवं प्रशासन को पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया।

बस्तर पुलिस ने सभी गणेश उत्सव समितियों एवं आमजन से अपील की है कि गणेशोत्सव को श्रद्धा, उत्साह एवं भाईचारे के साथ मनाएं तथा सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस एवं प्रशासन का सहयोग करें।

इन इंतजाम की दी गई ताकीद

गणेश पंडालों में सीसी कैमरों एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करना। पंडालों में फायर सेफ्टी एवं विद्युत सुरक्षा के आवश्यक प्रबंध रखना। विसर्जन के निर्धारित मार्ग, समय एवं स्थल का पालन करना. विसर्जन रैली के दौरान यातायात व्यवस्था एवं आमजन की सुविधा का विशेष ध्यान रखना। ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं डीजे का संचालन प्रचलित नियमों, सक्षम प्राधिकारी के आदेशों तथा न्यायालयों द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप करना। अश्लील, आपत्तिजनक एवं फूहड़ गीतों का प्रयोग नहीं करना।

विसर्जन रैली के दौरान किसी भी प्रकार के हथियारों का प्रदर्शन, खतरनाक स्टंट अथवा कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाली गतिविधियों से बचना। भीड़ नियंत्रण एवं आपात स्थिति के लिए समितियों द्वारा पर्याप्त संख्या में जिम्मेदार स्वयंसेवकों की नियुक्ति करना।

कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में छात्रावासी बच्चों को बांटी गई उपयोगी सामग्री, खुशी से खिल उठे चेहरें

विश्व केसरी■

दुर्गूकोंदल (दीपक शर्मा)। कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में छात्रावासी बच्चों के लिए उपयोगी सामग्री वितरण का कार्यक्रम आत्मीयता और उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री अमृत कोटिंगला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने आश्रम में रहकर अध्ययन कर रहे बच्चों के बीच विभिन्न उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। सामग्री प्राप्त करते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी और पूरा आश्रम बच्चों की मुस्कान एवं उत्साह से खिल उठा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनकी दैनिक जरूरतों एवं अध्ययन में उपयोगी सामग्री प्रदान की गई। बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता की। जब उन्हें एक-एक कर सामग्री दी गई तो उनके चेहरे पर खुशी और उत्सुकता देखने लायक थी। लंबे समय तक छात्रावास में रहकर पढ़ाई करने वाले इन बच्चों के लिए इस तरह का सहयोग न केवल उनकी जरूरतों को पूरा करने वाला रहा, बल्कि उन्हें यह एहसास भी कराया कि समाज के लोग उनके साथ खड़े हैं।

मुख्य अतिथि अमृत कोटिंगला ने बच्चों से आत्मीयता के साथ बातचीत की और उनकी पढ़ाई, रहने तथा अन्य आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को खूब मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने जीवन में एक बेहतर लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों

के चेहरे पर आने वाली मुस्कान किसी भी सेवा कार्य की सबसे बड़ी सफलता है। जरूरतमंद और छात्रावासी बच्चों की छोटी-छोटी आवश्यकताओं को पूरा करने से उनके भीतर आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें आगे बढ़ने की नई प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा उनके भविष्य को बदलने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे में बच्चों को पढ़ाई के लिए आवश्यक वातावरण, सामग्री और प्रोत्साहन उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आश्रम के शिक्षक-शिक्षिकाओं की भूमिका की भी सराहना करते हुए कहा कि वे बच्चों को शिक्षा देने के साथ उनके व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं, कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने भी अपनी खुशी का इजहार किया। उपयोगी सामग्री मिलने के बाद कई बच्चे उसे उत्सुकता से देखते और संभालते नजर आए। बच्चों की खिलखिलाहट और चेहरे की मुस्कान ने कार्यक्रम के माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया। उपस्थित लोगों ने बच्चों के साथ समय बिताया और उनका उत्साह बढ़ाया।इस अवसर पर आश्रम के शिक्षक-शिक्षिकाओं सहित अन्य उपस्थितजनों ने भी बच्चों को प्रोत्साहित किया। सभी ने कहा कि बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया सहयोग उनके लिए काफी उपयोगी है। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के मन में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ-साथ उनमें अपनापन, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की भावना पैदा करते हैं। कन्या आश्रम कोड़ेकुर्से में आयोजित यह कार्यक्रम केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बच्चों के चेहरों पर मुस्कान और उनके मन में उम्मीद जगाने वाला एक आत्मीय प्रयास बन गया। बच्चों की खुशी और उत्साह ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर अज्ञात वाहन की ठोकर से 15 मवेशियों की मौत

विश्व केसरी■

कांकेर/लखनपुरी (सीताराम शर्मा)। राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर कानापोड़ (लखनपुरी) स्थित बालक छात्रावास के पास बीती रात एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से करीब 15 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में मवेशियों के शव बिखरे मिले। मृत मवेशियों में से कुछ को बाबूकोहका ढाबे के पास जेसीबी से गड्ढा खोदकर दफनाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी घटनास्थल पर पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने बेजुबान मवेशियों की मौत पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों से घटना की जानकारी ली। विधायक ने भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर मवेशियों की सुरक्षा और उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान पूर्व सदस्य गौ सेवा आयोग नरेंद्र यादव, आदिवासी कांग्रेस ब्लॉक चारामा अध्यक्ष कुबेर कुंजाम, कांग्रेस मंडल जैसाकर्रा अध्यक्ष सत्तार खान, संतोष शिन्दे, सुमन साहू, रानू साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम 2026' की मेजबानी, गांधीनगर में जुटेंगे 65 से अधिक देशों के प्रतिनिधि

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत पहली बार दक्षिण एशिया में 'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम (डब्ल्यूसीईएफ) 2026' की मेजबानी करने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित वैश्विक आयोजन 15 से 18 सितंबर 2026 तक गुजरात के गांधीनगर में आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम की थीम 'सर्कुलर इकोनॉमी: ट्रांजिशन फॉर पीपल एंड प्रॉस्पेरिटी' रखी गई है, जिसका उद्देश्य टिकाऊ विकास, संसाधनों के बेहतर उपयोग और हरित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यह फोरम सर्कुलर फाइनेंस को बढ़ावा देने और सर्कुलैरिटी के लिए इनोवेशन को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अलग-अलग सेक्टर की पार्टनरशिप के लिए एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म है। फोरम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल संयुक्त रूप से करेंगे, जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई गणमान्य लोग भी शामिल होंगे।

इस वैश्विक सम्मेलन में 65 से अधिक देशों के 2,000 से ज्यादा प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इनमें उद्योग जगत के नेता, उद्यमी, स्टार्टअप संस्थापक, शोधकर्ता, नीति निर्माता, शिक्षाविद, निवेशक और सामाजिक परिवर्तन से जुड़े विशेषज्ञ शामिल होंगे।

फोरम का उद्देश्य भारत द्वारा सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है, जिसके जरिए ग्लोबल साउथ देशों के साथ सहभागिता बढ़ाने, सर्कुलर फाइनेंस को प्रोत्साहित करने, निजी निवेश आकर्षित करने और विभिन्न क्षेत्रों के बीच साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।

15 और 16 सितंबर को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में 4 प्लेनरी सत्र और 16 विषयगत समानांतर सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोजगार सृजन, ऊर्जा उत्पादन, वित्तीय समाधान, सुशासन, टिकाऊ उत्पाद, औद्योगिक नवाचार, स्टार्टअप इकोसिस्टम और युवा नेतृत्व जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा होगी।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बयान में कहा कि सर्कुलर इकोनॉमी केवल पर्यावरण संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नई आर्थिक संभावनाएं, रोजगार के अवसर और टिकाऊ औद्योगिक विकास का भी आधार बन सकती है।

बयान में कहा गया कि फोरम के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी भी आयोजित की जाएगी, जिसमें 125 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक हिस्सा लेंगे। यहां स्टार्टअप्स, उद्योगों और तकनीकी संस्थानों द्वारा विकसित सर्कुलर इकोनॉमी से जुड़े व्यावहारिक समाधान और निवेश के लिए तैयार नवाचार प्रदर्शित किए जाएंगे। यह प्रदर्शनी उद्योगों और निवेशकों को नई तकनीकों और कारोबारी अवसरों से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच साबित हो सकती है।

कार्यक्रम के दौरान सस्टेनेबल कंजम्प्शन एंड प्रोडक्शन पैटर्न्स (10 वाईएफपी) बोर्ड की बैठक भी गांधीनगर में आयोजित होगी। हाल ही में भारत ने इस बोर्ड के सह-अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली है, जो टिकाऊ उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा देने में देश की बढ़ती वैश्विक भूमिका को दर्शाता है।

इसके अलावा 17 और 18 सितंबर को दुनिया भर के साझेदार संगठनों द्वारा लगभग 80 एक्सीलरेटर सत्र ऑनलाइन, हाइब्रिड और प्रत्यक्ष रूप से आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नवाचार, निवेश और नीति से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

असम : सीएम हिमंता ने एनएमसी की 13,186 नई एमबीबीएस सीटों को बताया क्षमता को बढ़ाने वाला कदम

विश्व केसरी ■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को देश भर में एमबीबीएस की 13,186 अतिरिक्त सीटों को नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) से मंजूरी मिलने की तारीफ की। उन्होंने इस विस्तार को भारत में मेडिकल शिक्षा और हेल्थकेयर क्षमता को बढ़ाने वाला एक अहम कदम बताया।

सीएम सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में इस डेवलपमेंट का स्वागत किया। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने के इच्छुक छात्रों के लिए मौके बढ़ाने और देश में ट्रेंड डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। इस नए विस्तार के साथ, 2026-27 एकेडमिक सेशन के लिए भारत में एमबीबीएस की कुल सीटों की संख्या 1.4 लाख से ज्यादा हो गई है। एनएमसी के ताजा डेटा के अनुसार, 'नेशनल इंपॉर्टेंस' वाले संस्थानों की सीटों को छोड़कर, 836 मेडिकल कॉलेजों में अंडरग्रेजुएट मेडिकल सीटों की कुल संख्या बढ़कर 1,40,214 हो गई है। यह बढ़ोतरी मेडिकल एजुकेशन की क्षमता में एक बड़ा विस्तार दिखाती है। यह ऐसे समय में हुआ है, जब नेशनल एलिजिबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) देने वाले छात्रों के बीच एमबीबीएस सीटों की मांग बहुत अधिक है। केंद्र शासित प्रदेशों और कई राज्यों में अतिरिक्त सीटों को मंजूरी दी गई है। इनमें कर्नाटक, तमिलनाडु और बिहार जैसे राज्य शामिल हैं, जहां सीटों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है।

असम और पूर्वोत्तर के लिए यह विस्तार और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र अपनी मेडिकल शिक्षा और हेल्थकेयर इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत कर रहा है। हाल के वर्षों में राज्य में मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य सुविधाओं का लगातार विस्तार हुआ है। सरकार का मकसद है कि लोगों को बेहतर स्पेशलाइज्ड हेल्थकेयर मिल सके और साथ ही क्षेत्र के छात्रों के लिए ज्यादा मौके पैदा हों।

एमबीबीएस सीटों में राष्ट्रीय स्तर पर हुई इस बढ़ोतरी से योग्य मेडिकल प्रोफेशनल्स की बढ़ती जरूरत को पूरा करने में भी मदद मिलने की उम्मीद है।

वजन घटाने के लिए डाइट ज्यादा असरदार या एक्सरसाइज? नई स्टडी में हुआ बड़ा खुलासा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दुनियाभर में बढ़ता मोटापा और ज्यादा वजन आज एक बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। एक अनुमान के मुताबिक, दुनिया में करीब 2.5 अरब वयस्क ओवरवेट या मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में वजन कम करने के लिए डाइट, एक्सरसाइज और जीवनशैली में बदलाव जैसे अलग-अलग तरीकों को लेकर लगातार रिसर्च होती रहती है।

हैदराबाद स्थित आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन की समीक्षा में वजन और मेटाबॉलिक हेल्थ पर अलग-अलग जीवनशैली आधारित तरीकों के असर को देखा गया। इस समीक्षा में 112 व्यवस्थित समीक्षाओं और मेटा-विश्लेषणों को शामिल किया गया, जिनमें 2,332 रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षणों और करीब 2.48 लाख प्रतिभागियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें 50 से ज्यादा देशों से जुड़े शोध शामिल थे।

अध्ययन के मुताबिक, डाइट और शारीरिक गतिविधि को मिलाकर चलाने वाले कार्यक्रमों से वजन घटाने के साथ-साथ दिल और मेटाबॉलिक हेल्थ पर भी बेहतर असर देखने को मिला। 12 महीने से ज्यादा समय तक चलने वाले फॉलोअप में डाइट और फिजिकल एक्टिविटी के संयोजन से तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 3.68 किलो ज्यादा वजन कम हुआ।

वहीं, कम कैलोरी वाली डाइट से शुरुआती तीन महीनों में सबसे ज्यादा वजन घटने का असर देखा गया।

इस दौरान तुलना वाले समूह की अपेक्षा करीब 2.64 किलो अधिक वजन कम हुआ। हालांकि, लंबे समय तक वजन को नियंत्रित रखने के लिए सिर्फ डाइट के बजाय नियमित शारीरिक गतिविधि और व्यवहार में सकारात्मक बदलाव को भी साथ रखना जरूरी माना गया।

सिर्फ वजन कम होना ही इस अध्ययन की खास बात नहीं है। शारीरिक गतिविधि का असर ब्लड प्रेशर पर भी देखने को मिला। 6 से 12 महीने के दौरान फिजिकल एक्टिविटी से सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर में भी कमी देखी गई।

डाइट और एक्सरसाइज को साथ लेकर चलने वाले कार्यक्रमों से ब्लड ग्लूकोज और इंसुलिन रेजिस्टेंस में भी बेहतर सुधार देखने को मिला। यानी फायदा सिर्फ वजन की मशीन पर दिखने वाले आंकड़े तक सीमित नहीं है, बल्कि शरीर के मेटाबॉलिक स्वास्थ्य पर भी पड़ सकता है।

इस समीक्षा का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि स्वास्थ्य लाभ के लिए हमेशा अत्यधिक वजन घटाना अनिवार्य नहीं है। शोध के अनुसार, जीवनशैली में सुधार से होने वाले कई फायदे वजन कम होने की मात्रा पर निर्भर नहीं करते। इसलिए, यदि कोई व्यक्ति सामान्य तौर पर निर्धारित '5 से 10 प्रतिशत वजन घटाने' के लक्ष्य तक नहीं भी पहुंच पाता, तब भी पौष्टिक खान-पान, नियमित व्यायाम और सकारात्मक जीवनशैली उसके स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी सिद्ध हो सकते हैं।

त्रिपुरा: मेंटल हेल्थ अथॉरिटी ने 19 बिना रजिस्ट्रेशन वाले प्राइवेट रिहैब सेंटरों को नोटिस जारी किया

विश्व केसरी ■

अगरतला। त्रिपुरा के स्टेट मेंटल हेल्थ अथॉरिटी की ओर से 19 अनधिकृत प्राइवेट रिहैबिलिटेशन सेंटरों को 'शो-कॉज नोटिस' जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से रविवार को बताया गया कि इन सेंटरों पर आरोप है कि वे बिना जरूरी रजिस्ट्रेशन के चल रहे थे और 'मेंटल हेल्थकेयर एक्ट, 2017' के तहत तय मानकों का पालन नहीं कर रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि 9 सितंबर को दो अलग-अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। इन संगठनों पर आरोप था कि वे 'मेंटल हेल्थकेयर एक्ट' के तहत बिना सही रजिस्ट्रेशन या इजाजत के मानसिक बीमारी और ड्रग की लत से जूझ रहे लोगों को इलाज और रिहैबिलिटेशन (पुनर्वास) की सुविधाएं दे रहे थे।

पहले नोटिस में, अगरतला के उजान अभयनगर स्थित 'स्वप्ना फाउंडेशन' पर आरोप लगाया गया कि वह सक्षम अधिकारी से रजिस्ट्रेशन लिए बिना मानसिक स्वास्थ्य केंद्र या रिहैबिलिटेशन सेंटर चला रहा था।

नोटिस में इस बात का भी जिक्र किया गया कि मरीजों की सेहत पर बुरा असर पड़ा है। संगठन से कहा गया है कि वह नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपना जवाब दे और बताए कि एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत उसके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

अधिकारी ने यह भी चेतावनी दी कि अगर तय समय में कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है या संगठन जांच में सहयोग नहीं करता है, तो उसके खिलाफ एकतरफा उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, दूसरे नोटिस में, 18 अन्य संगठनों पर आरोप लगाया गया कि वे एक्ट के तहत बिना सही रजिस्ट्रेशन या इजाजत के मानसिक बीमारी और ड्रग की लत से जूझ रहे लोगों को इलाज और रिहैबिलिटेशन की सुविधाएं दे रहे थे।

एक्ट की धारा 65(1) के तहत, सक्षम अधिकारी से रजिस्ट्रेशन लिए बिना कोई भी मानसिक स्वास्थ्य संस्थान या रिहैबिलिटेशन सेंटर चलाना गैर-कानूनी है।

इन 18 संगठनों से भी कहा गया है कि वे नोटिस मिलने के सात दिनों के भीतर अपना जवाब दें और बताएं कि एक्ट के संबंधित प्रावधानों के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न शुरू की जाए। अधिकारी ने चेतावनी दी कि तय समय में संतोषजनक जवाब न देने या जांच में सहयोग न करने पर संगठनों के खिलाफ एकतरफा कार्रवाई की जाएगी।

चेन्नई में बुखार और डेंगू के मामलों में तेज बढ़ोतरी, डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की दी सलाह

विश्व केसरी ■

चेन्नई। चेन्नई और इसके उपनगरीय इलाकों में पिछले कुछ हफ्तों में बुखार के मामलों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है। कई इलाकों में वायरल संक्रमण और डेंगू फैल रहा है। डॉक्टरों ने लोगों से सतर्क रहने, समय पर डॉक्टर से मिलने और मच्छरों को पनपने से रोकने के उपाय अपनाने की अपील की है।

पिछले 10 दिनों में शहर और उपनगरों में 2,000 से ज्यादा लोगों में बुखार के लक्षण मिले हैं। इनमें से 140 मामलों में डेंगू की पुष्टि हुई है, जो मच्छर जनित संक्रमण के पॉजिटिव मामलों में बढ़ोतरी का संकेत है। इसकी तुलना में अगस्त महीने में लगभग 4,500 बुखार के मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें से 160 में डेंगू पाया गया था।

ताजा आंकड़ों ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों की चिंता बढ़ा दी है, खासकर इसलिए क्योंकि कम समय में डेंगू के मामलों की संख्या पिछले महीने के कुल आंकड़े के करीब पहुंच रही है। अड्यार, अन्ना नगर और वलसरवक्कम जोन उन इलाकों में हैं जहां बुखार के मामले ज्यादा आ रहे हैं। सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों में बुखार, बदन दर्द, खांसी और अन्य लक्षणों के साथ मरीजों के आने से स्वास्थ्य अधिकारी और मेडिकल टीमें स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही हैं। डॉक्टरों ने बताया कि शहर में इन्फ्लुएंजा ए, राइनोवायरस और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस, जिसे आमतौर पर आरएसवी कहा जाता है, सहित कई सांस संबंधी वायरस फैल रहे हैं। वायरल बुखार परिवार के सदस्यों में तेजी से फैल सकता है।

कांगो में इबोला का 17वां प्रकोप काबू में, खतरा अभी भी पूरी तरह टला नहीं : डीआरसी

विश्व केसरी ■

किंशासा। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) सरकार के अनुसार, देश में फैला इबोला प्रकोप अब नियंत्रण में है और यह अपने चरम स्तर को पार कर चुका है। हालांकि, स्थानीय स्तर पर अचानक सामने आ रहे नए मामलों, संक्रमण के निरंतर प्रसार और इसके सातवें प्रांत तक पहुंचने के कारण अभी भी खतरा पूरी तरह टला नहीं है।

सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक की रिपोर्ट पढ़ते हुए स्वास्थ्य मंत्री रोजर कंबा का हवाला देते हुए कहा, 'इबोला का 17वां प्रकोप काबू में है और अगस्त 2026 के तीसरे सप्ताह की शुरुआत में यह अपने चरम पर पहुंच गया था।'

सन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार का कहना है कि सभी मुख्य संकेत मामले घटने की ओर इशारा कर रहे हैं। प्रकोप के हालिया विस्तार से पहले प्रभावित 10 स्वास्थ्य क्षेत्रों में कम से कम 21 दिनों से कोई नया मामला सामने नहीं आया है, जबकि प्रकोप के केंद्र पूर्वी प्रांत इटुरी के कई इलाकों में संक्रमण की रफ्तार धीमी हुई है।

इसके बावजूद, अधिकारियों ने लगातार सतर्कता बरतने और कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग (संक्रमितों के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने) को सख्ती से करने को कहा है। उन्होंने कहा कि जिन इलाकों में हाल ही में मामले बढ़े हैं, वहां कड़ी निगरानी जरूरी है।

कांगो के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री और मौजूदा सांसद जीन-जैक्स मबुंगानी मबांडा ने इस आकलन को लेकर सावधानी बरतने की अपील की। ??उन्होंने शनिवार को कहा कि कुछ इलाकों में मामलों में कमी का मतलब यह नहीं निकाला जाना चाहिए कि हर जगह संक्रमण पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रकोप में, जहां संक्रमण कई जगहों से फैल रहा हो, अलग-अलग इलाके अलग-अलग समय पर अपने चरम पर पहुंच सकते हैं।

तनाव और पीठ दर्द से पाना है छुटकारा? जीवनशैली में शामिल करें मकरासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में बढ़ते तनाव, पीठ दर्द और सांस से जुड़ी समस्याओं से राहत दिलाने में योग एक बेहतरीन माध्यम है। भारतीय संस्कृति की इस प्राचीन विधा में 'मकरासन' का खास महत्व है। यह आसन थकान मिटाने और शरीर को पूरी तरह आराम देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।

'मकर' शब्द का संस्कृत में अर्थ 'मगरमच्छ' होता है। इस आसन में शरीर की स्थिति पानी में विश्राम कर रहे मगरमच्छ के समान प्रतीत होती है, इसलिए इसे 'मकरासन' कहा जाता है। यह आसन तनाव को दूर कर पाचन को बेहतर बनाता है और अस्थमा, ग्रीवा संबंधी तकलीफ और साइटिका के दर्द से भी राहत देता है।

हठयोग की परंपरा में 'मकरासन' को एक अत्यंत प्रभावी आसन माना गया है, जहां योग के अधिकांश आसन शरीर में शक्ति, लचीलेपन और संतुलन का निर्माण करते हैं, वहीं मकरासन शरीर और मन दोनों को गहरे विश्राम की स्थिति में ले जाने का कार्य करता है।

इस आसन को नियमित रूप से करना रीढ़ की हड्डी के लिए बेहद लाभकारी होता है। यह रीढ़ की हड्डी की संरचना को संतुलित बनाए रखने में मदद करता और उसमें लचीलापन बढ़ाता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो पीठ दर्द, स्लिप डिस्क जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

इसके अलावा, मकरासन मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में सहायक होता है। इस आसन के अभ्यास से मस्तिष्क को शांति मिलती है और एकाग्रता बढ़ती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, मकरासन पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है। इस आसन को करते समय शरीर पेट के बल जमीन पर लेटा होता है, जिससे पेट पर हल्का दबाव पड़ता है। यह दबाव पाचन अंगों को सक्रिय करता है।

भारतीय टीम ने जीता जूनियर विमेंस एशिया कप का खिताब, फाइनल मुकाबले में चीन को 1-0 से हराया

विश्व केसरी ■

मोकी (चीन)। भारतीय टीम ने जूनियर विमेंस एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम कर लिया है। फाइनल मुकाबले में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मेजबान चीन को 1-0 से हराया।

सानिका चंद्रकांत माने के 17वें मिनट में किए गए गोल की मदद से भारत ने खिताब अपने नाम किया और एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की की। भारतीय महिला टीम ने पिछले दो संस्करणों में भी एएचएफ जूनियर एशिया कप की ट्रॉफी जीती थी। टीम ने इस साल की शुरुआत में नियुक्त कोच टिम व्हाइट के मार्गदर्शन में एक व्यवस्थित ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत तैयारी की और रविवार को खिताब की हैट्रिक पूरी की।

हॉकी इंडिया ने जूनियर एशिया कप में खिताब जीतने वाली महिला टीम के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की है, जिसके तहत हर खिलाड़ी को 3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ के हर सदस्य को 1.5 लाख रुपये दिए जाएंगे। भारत और चीन के बीच शुरुआती क्वार्टर में कड़ी टक्कर देखने को मिली और कोई गोल नहीं हो सका। इसके बाद मैच के 17वे मिनट में भारत के लिए पहला गोल सानिका ने दागा और टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारतीय टीम इस बढ़त को हाफ टाइम त क बरकरार रखने में कामयाब रहीं।

भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी अपनी मामूली बढ़त बनाए रखी और मेजबान टीम को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी सीटी बजने तक अपनी बढ़त बनाए रखी और 1-0 से जीत हासिल करते हुए तीसरी बार एएचएफ महिला जूनियर एशिया कप की ट्रॉफी अपने नाम की। भारत ने क्वार्टर फाइनल में पाकिस्तान को 19-0 से हराने के बाद, साउथ कोरिया को 5-1 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। इस जीत में ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट सुप्रिया का अहम योगदान रहा था।भारत ने पूल स्टेज में तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ 10 अंक हासिल किए ।

कतर क्लासिक स्क्वैश: बेल्जियम की टिने गिलिस से पार नहीं पा सकीं अनाहत, हार के साथ टूर्नामेंट में सफर समाप्त

दोहा। भारतीय स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह रविवार को कतर क्लासिक के महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में बेल्जियम की दुनिया की नंबर 9 खिलाड़ी टिने गिलिस से कड़े मुकाबले में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। यह 2,42,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाला पीएसए प्लैटिनम इवेंट था।

जुलाई में वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप का खिताब जीतने वालीं दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने एक बार फिर अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, दो गेम में बढ़त बनाने के बावजूद वह मैच नहीं जीत सकीं। आठवीं वरीयता प्राप्त गिलिस ने पहला गेम 11-4 से जीतकर मजबूत शुरुआत की। इसके बाद अनाहत ने शानदार वापसी की और आक्रामक खेल दिखाते हुए अगले दो गेम 11-8 और 11-9 से अपने नाम किए। इस प्रदर्शन के बूते वह क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के काफी करीब थीं। करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर 5 तक पहुंच चुकीं बेल्जियम की खिलाड़ी ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए मुकाबले का रुख बदल दिया। गिलिस ने चौथा गेम 11-4 से जीतकर मैच बराबरी पर ला दिया और फिर निर्णायक गेम में भी अपनी लय बनाए रखते हुए 11-3 से जीत हासिल की और अगले राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली।

हार के बावजूद, दोहा में अनाहत का प्रदर्शन स्थापित खिलाड़ियों के खिलाफ एक और उत्साहजनक अनुभव रहा, क्योंकि 17 वर्षीय खिलाड़ी सीनियर सर्किट में लगातार छाप छोड़ रही हैं। भारतीय खिलाड़ी ने कतर क्लासिक में अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की थी और पहले राउंड में मिस्र की दुनिया की नंबर 16वीं खिलाड़ी फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया था।

अनाहत इस टूर्नामेंट में चार सदस्यीय भारतीय सिंगल्स दल का हिस्सा थीं, जिसमें उनके साथ अभय सिंह, वीर चोटरानी और तन्वी खन्ना भी शामिल थे। पुरुषों के शुरुआती राउंड में 24वीं रैंकिंग वाले अभय को स्विट्जरलैंड के दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्री स्टीनमैन ने 7-11, 9-11, 12-14 से हराया, जबकि दुनिया के 38वें नंबर के खिलाड़ी चोत्रानी को न्यूजीलैंड के दूसरे नंबर के खिलाड़ी पॉल कोल ने 11-2, 11-3, 11-1 से मात दी। अब भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी जापान में होने वाले एशियन गेम्स पर ध्यान केंद्रित करेंगे, जहां अनाहत, अभय, चोत्रानी और तन्वी सिंगल्स इवेंट में देश की चुनौती की अगुवाई

साजन प्रकाश: 5 साल में शुरू हुआ तैराकी का सफर, ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने वाले देश के पहले तैराक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। तैराकी भारत में एक परंपरागत कला है। वैश्विक स्तर पर तैराकी अब एक बड़े खेल के रूप में विकसित हो चुका है। भारत में यह खेल फिलहाल विकासशील प्रक्रिया में है। भारतीय तैराकों ने वैश्विक मंचों पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है, लेकिन बड़ी सफलता का इंतजार बरकरार है।

भारतीय तैराकी फिलहाल अपनी प्रतिभा से सींच रहे तैराकों में साजन प्रकाश का नाम अहम है। साजन भारत के पहले ऐसे तैराक हैं, जिन्होंने ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई किया था।

साजन प्रकाश का जन्म 14 सितंबर 1993 को इडुक्की (केरल) में हुआ था। साजन के तैराकी में आने के पीछे उनकी मां का अहम योगदान रहा है। उनकी मां शांतिमोल ट्रैक एंड फील्ड एथलीट थीं। वह जहां काम करतीं, उसमें एक स्विमिंग पूल था। यहीं से साजन का तैराकी के प्रति प्रेम पनपा। महज 5 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार स्विमिंग पूल में गोता लगाया था और यहीं से उनके तैराकी का सफर शुरू हो गया। तैराकी के शुरुआती दिनों में साजन ने इस विधा में अपनी प्रतिभा दिखाई और इसी वजह से इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए उन्हें अपने परिवार का पूरा समर्थन मिला।

भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत ने पहले टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया। टीम की इस जीत के नायक अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 32 गेंदों में 82 रनों की आतिशी पारी खेली।

अभिषेक ने अपनी इस पारी में 256 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 7 चौके और इतने ही छक्के लगाए। अभिषेक ने टी20 क्रिकेट में 3 हजार रन भी पूरे कर लिए हैं। वह गेंदों के लिहाज से दूसरे सबसे तेज 3 हजार रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बने हैं। अभिषेक ने यह उपलब्धि 3,420 गेंदें खेलकर पूरी कीं। इस लिस्ट में भारतीय बल्लेबाज से आगे सिर्फ न्यूजीलैंड के फिन एलेन हैं, जिन्होंने यह मुकाम 3,386 गेंदें खेलकर हासिल किया है।

अभिषेक ने इस मामले में आंद्रे रसेल और टिम डेविड को पीछे छोड़ा। रसेल ने टी20 में 3 हजार रन 3,550 गेंदें खेलकर पूरे किए हैं, जबकि डेविड को इस मुकाम तक पहुचंने के लिए 3,681 गेदें लगी थीं। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही।

संजू सैमसन 8 गेंदों में 10 रन बनाने के बाद उमरजई का शिकार बने। हालांकि, इसके बाद ईशान किशन और अभिषेक ने मोर्चा संभाला।

दोनों ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 53 गेंदों में 121 रनों की साझेदारी निभाई। ईशान ने 5 चौके और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाए।

इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के आगे अफगानिस्तान के बल्लेबाज संघर्ष करते हुए नजर आए। गुरबाज को जसप्रीत बुमराह ने मैच की दूसरी ही गेंद पर पवेलियन भेजा, तो कप्तान इब्राहिम जादरान 11 रन ही बना सके। सेदिकुल्लाह अटल 13 रन बनाकर आउट हुए, जबकि गुलबदीन नायब 2 रन ही बना सके। दरविश रसूली 2 रन बनाकर आउट हुए।

अजमतुल्लाह उमरजई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 44 गेंदों में नाबाद 64 रनों की दमदार पारी खेली।

वहीं, मोहम्मद नबी ने 27 गेंदों में 33 रन बनाए। भारतीय की ओर से गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 ओवर में 19 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, बुमराह और वरुण चक्रवर्ती ने एक-एक विकेट निकाला।

इवेंट में मेरा ध्यान प्रतियोगी पर नहीं, पदक पर रहता है: गुलवीर सिंह

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स में अपनी सफलता से उत्साहित, भारत के टॉप लॉन्ग-डिस्टेंस रनर गुलवीर सिंह ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स में मेडल जीतने पर अपनी नजरें टिकाई हैं। उन्होंने बताया कि एक बार जब वह स्टार्टिंग लाइन पर खड़े हो जाते हैं, तो उनका पूरा फोकस प्रतियोगियों के बारे में सोचने के बजाय पदक जीतने पर रहता है।

गुलवीर, जो इस साल की शुरुआत में 60 मिनट से कम समय में हाफ मैराथन पूरी करने वाले पहले भारतीय धावक बने, ने माना कि कॉन्टिनेंटल बैश में कॉम्पिटिशन का स्तर मुश्किल होगा, लेकिन उनका फोकस पदक जीतने पर रहेगा। गुलवीर ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'निश्चित रूप से दबावा होगा क्योंकि एशियन गेम्स में उच्च स्तर के एथलीट हिस्सा लेते हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। सरकार से लगातार सपोर्ट भी मिला है, जो बेहद अहम है।'

एशियन गेम्स 2023 में, 10000 मीटर और 5000 मीटर में नेशनल रिकॉर्ड होल्डर, गुलवीर ने जापान में होने वाले एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 में 1500 मीटर, 5000 मीटर और 10000 मीटर इवेंट में हिस्सा लेंगे।

ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स में, गुलवीर ने पुरुषों की 5000 मीटर रेस में 13:24.95 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता। इसके बाद उन्होंने पुरुषों की 10,000 मीटर रेस में 27:49.78 की टाइमिंग के साथ रजत पदक जीता।

एमएलएस: इंटर मियामी और नैशविले का मैच 2-2 से ड्रॉ

विश्व केसरी ■

मियामी। मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) में नु स्टेडियम में इंटर मियामी और नैशविले के बीच खेला गया मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक गोल किया। कॉम्पिटिशन में उनके गोलों की संख्या अब 99 हो गई है।

विजिटर्स ने सैम सर्रिज के गोल से चौथे मिनट में बढ़त बनाते हुए स्कोर खोला। इंटर मियामी ने 19वें मिनट में ओन गोल से बराबरी कर ली, जब मेसी की कॉर्नर किक डिलीवरी को नैशविले के डिफेंडर रीड बेकर-व्हिटिंग ने नेट के पीछे डिफ्लेक्ट कर दिया। पहले हाफ के आखिर तक 1-1 का स्कोरलाइन नहीं बदला।

इंटर मियामी के पास दूसरे हाफ की शुरुआत में 50वें मिनट में बढ़त लेने का एक साफ मौका था, लेकिन मेसी के बॉक्स के दाईं ओर से बाएं पैर से मारा गया हिट क्रॉसबार से टकरा गया।

बारह मिनट बाद मेसी ने कोई गलती नहीं की और इंटर मियामी ने 62वें मिनट में गोल करके 2-1 की बढ़त बना ली। मेसी को बॉक्स के ठीक बाहर सेंट्रल पोजीशन में डी पॉल से पास मिला, जहां उन्होंने पहली बार बाएं पैर से हिट करके दूर पोस्ट पर नेट के पीछे गोल किया। उन्होंने इस सीजन में अपना 19वां गोल किया।

खेल के 66वें मिनट में इंटर मियामी ने दो बदलाव किए, जिसमें सेगोविया की जगह हाल ही में साइन किए गए पैराग्वे के इंटरनेशनल मिडफील्डर माटियास गैलार्जा को शामिल करना शामिल था, जो हमारे क्लब के लिए अपना डेब्यू कर रहे थे।

इंटर मियामी ने 78वें मिनट में एक डबल मौके के जरिए अपनी बढ़त लगभग बढ़ा ली थी। बॉक्स के सेंटर से सुआरेज के शुरुआती शॉट को नैशविले एससी के गोलकीपर ब्रायन श्वाके ने बचा लिया, इसके बाद मेसी की कोशिश को मेहमान टीम के गोलकीपर ने रोका और फिर वह लेफ्ट पोस्ट से टकराकर वापस चला गया।

नैशविले ने स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में सर्रिज के गोल से मैच बराबर कर दिया।

इंटर मियामी ने अपनी बढ़त वापस पाने की कोशिश की और अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में जीत हासिल करने के करीब पहुंच गया, जब बॉक्स के दाईं ओर से डी पॉल का एक फिनिश लेफ्ट पोस्ट से टकरा गया। आखिरकार मैच 2-2 पर समाप्त हुआ।

बैडमिंटन एशिया जूनियर चैंपियनशिप: तन्वी पात्री ने हमवतन शायना को मात देकर जीता अंडर-17 खिताब

विश्व केसरी ■

चेंगदू । 15 वर्षीय तन्वी पात्री ने रविवार को बैडमिंटन एशिया अंडर17 और अंडर15 जूनियर चैंपियनशिप में लड़कियों का सिंगल्स अंडर-17 खिताब अपने नाम कर लिया है। तन्वी ने ऑल-इंडियन फाइनल में हमवतन शायना मणिमुथु को 11-15, 15-10, 15-12 से मात दी।

यह जीत ओडिशा की इस युवा खिलाड़ी के शानदार 2026 सीजन में एक और उपलब्धि है। पात्री ने पोंटियानक इंटरनेशनल चैलेंज में अपना पहला इंटरनेशनल खिताब जीता था और इस साल की शुरुआत में बेंगलुरु में ऑल इंडिया जूनियर अंडर-19 बैडमिंटन रैंकिंग टूर्नामेंट भी जीता था। अब उन्होंने अपने 2024 अंडर-15 एशियन खिताब के साथ अंडर-17 का कॉन्टिनेंटल खिताब भी अपने नाम कर लिया है।

दूसरी सीड तन्वी पात्री ने फाइनल तक पहुंचने के लिए मुश्किल ड्रॉ का सामना किया। पहले राउंड में बाई मिलने के बाद, उन्होंने चीन की झोउ जिंग ली के विरुद्ध कड़े तीन-गेम वाले मुकाबले में 18-16, 12-15, 15-13 से जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।

इसके बाद उन्होंने जापान की शिजुकु काशियो को 15-9, 15-12 से हराया और फिर क्वार्टर फाइनल में चीन की लिन हेंग मेन के विरुद्ध 15-8, 15-8 से शानदार जीत दर्ज की। सेमीफाइनल में, पात्री ने तनावपूर्ण निर्णायक गेम में संयम बनाए रखते हुए चीन की यू यिंग गुई को 15-9, 11-15, 15-11 से शिकस्त दी।

ड्रॉ के दूसरी तरफ, छठी सीड वाली मणिमुथु का सफर भी उतना ही शानदार रहा, जिससे बेंगलुरु फाइनल का री-मैच तय हुआ। उनके सफर में जापान की युई इताबाशी के विरुद्ध क्वार्टर फाइनल में दमदार जीत और एक अन्य जापानी शटलर, एनोन ओकिमोटो के खिलाफ सेमीफाइनल में 15-13, 15-12 से संयमित जीत शामिल थी, जहां उन्होंने आखिरी पलों में बेहतरीन धैर्य दिखाया।

साल 2025 में दीक्षा सुधाकर की ऐतिहासिक जीत के बाद, पात्री की जीत ने लगातार दूसरे साल अंडर-17 गर्ल्स सिंगल्स की ट्रॉफी भारत के नाम कर दी। पिछले साल अंडर-15 एशियन टाइटल जीतने वाले मणिमुथु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता।

अंडर-15 कैटेगरी में एक और मेडल जोड़ते हुए, लड़कों की डबल्स जोड़ी आदित्य सिंह नेगी और तन्मय वर्मा ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। शनिवार को सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी को चीनी ताइपे की जोड़ी बो लिन हो और जुई एन हो से 5-15, 10-15 से हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ टीम का सफल कॉन्टिनेंटल कैंपेन खत्म हुआ।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415